नई दिल्ली । गुरुवार, 11 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :156/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

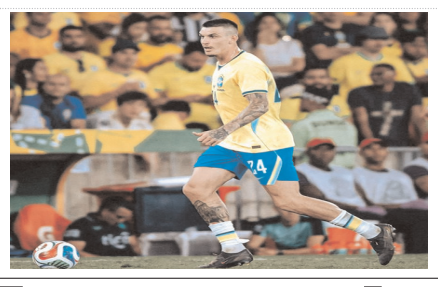

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप : राइट-बैक की पोजीशन पर खेलने...
@ विचार पचास के बाद पेरेंट्स और बच्चे का भविष्य...
@ व्यापार सरकार ने टेक्सटाइल पीएलआई स्कीम में 22 नई...

मेरे लिए जनता-जनार्दन ही ईश्वर और सेवा कार्य ही साधना का रूप : मोदी

एनडीए परिवार के सदस्य के रूप में राष्ट्र के भरोसे को कायम रखा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज का दिन आप सभी ने मेरे लिए बहुत यादगार बना दिया। मैं अभिभूत हूं, कृतज्ञ हूं।

उन्होंने कहा कि 'चरैवेति-चरैवेति' के मंत्र का जाप करते हुए, इस राजनीतिक यात्रा में अनेक उतार-चढ़ाव देखते हुए, एक दिन यह पड़ाव भी आएगा, यह मैंने कभी सोचा नहीं था। निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सबसे लंबी अवधि तक सेवा करने का अवसर मिलना, इसे मैं अपना परम सौभाग्य मानता हूं। आपने इस अवसर पर मुझे सम्मानित किया, इतना मान दिया, इसके लिए मैं आप सभी का हृदय से बहुत-बहुत आभारी हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतने लंबे समय तक मां भारती की सेवा का सौभाग्य मिलना, यह ईश्वर की विशेष कृपा से ही संभव हो सकता है। मेरे लिए तो जनता-जनार्दन ही ईश्वर का रूप है। इसलिए मैंने सेवा कार्य को एक

साधना के रूप में देखा है। यह साधना भी एकाकी नहीं रही, यह एक सामूहिक यज्ञ है, जिसमें आप सभी साथियों ने अपना योगदान दिया है। मैं आज इस यात्रा के सभी साथियों के प्रति आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर एनडीए परिवार के सदस्यों ने एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मैं इसे अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि आपकी उदारता और हमारे सामूहिक प्रयासों का प्रमाण मानता हूं। हर दृष्टि से, यह उपलब्धि हम सभी की है, यह एनडीए के प्रत्येक सदस्य की समान रूप से उपलब्धि है। इसलिए, मैं इस प्रस्ताव को एनडीए के सभी सदस्यों को समर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि 2014 में जब एनडीए विजयी हुआ, तब मैंने कहा था कि इससे हमारे देश की जनता में नई उम्मीद जगी है। इस उम्मीद की रक्षा करना हम सभी की बड़ी जिम्मेदारी बन गई। कांग्रेस से धोखा खाने के बाद जनता ने हम पर भरोसा जताया। मुझे गर्व और संतोष है कि एनडीए परिवार के सदस्य के रूप में हमने राष्ट्र के भरोसे को मजबूत करने और उसे कायम रखने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। 2014 में जब एनडीए की जीत हुई थी, तब मैंने कहा था कि आज देश के सामान्य मानवी में एक आशा का उदय हुआ है। इस आशा का, इस उम्मीद का संरक्षण हम सभी का दायित्व था। देश के लोगों ने कांग्रेस के विश्वासघात के बाद अपना भरोसा हमें सौंपा था।

ममता को सबसे बड़ा झटका : टीएमसी के 19 सांसद बागी गुट में शामिल

लिस्ट में यूसुफ पठान-शत्रुघन सिन्हा का भी नाम

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर आ रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर सुलग रही असंतोष की चिंगारी अब एक बड़े सियासी विस्फोट में बदल चुकी है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों से मिल रही खबरों के मुताबिक, टीएमसी अभी सीधे दो हिस्सों में बंटने की कगार पर खड़ी है।

दूसरी ओर बंगाल की सियासत और राजनीतिक गलियारों में ऊहापोह और तेज तब हो गई, जब ये दावा किया जाने लगा कि इन बागी सांसदों में ममता बनर्जी की करीबी सियानी घोष के साथ आसानसोल से सांसद शत्रुघन सिन्हा और बहरामपुर से सांसद यूसुफ पठान का नाम भी शामिल है।

कौन-कौन से सांसद के नाम सामने आ रहे?

सूत्रों के हवाले से बागी सांसदो की जो लिस्ट सामने आई है, उसमें राज्य के अलग-अलग हिस्सों से चुनकर आए ये सांसद कथित तौर पर शामिल हो चुके हैं। इसमें कई बड़े चेहरे भी शामिल है। बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस अभूतपूर्व संकट से गुजर रही है। पार्टी के भीतर जारी बगावत अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। जादवपुर से सांसद सायोनी घोष और कोलकाता दक्षिण की सांसद माला राय के भी विद्रोही खेमे में शामिल होने की संभावना ने तृणमूल सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों सांसदों ने काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व वाले अलग गुट को समर्थन देने की सहमति जताई है। यदि यह औपचारिक रूप लेता है तो लोकसभा में विद्रोही सांसदों की संख्या 22 तक पहुंच सकती है।

संक्षिप्त खबर

श्रावणी मेला : 30 जुलाई से 28 अगस्त तक होगा आयोजन

पटना। आगामी श्रावणी मेला को लेकर बिहार सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बुधवार को पर्यटन विभाग कार्यालय में समीक्षा बैठक कर भागलपुर, मुंगेर और बांका जिलों में चल रही तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जिलों के जिला पदाधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में पर्यटन सचिव ने बताया कि इस वर्ष श्रावणी मेला का आयोजन 30 जुलाई से 28 अगस्त तक किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं। मेला अवधि के दौरान टेंट सिटी, शौचालय, स्नानघर, शुद्ध पेयजल, निर्बाध बिजली आपूर्ति, कांवड़ स्टैंड, सूचना केंद्र तथा मनोरंजन की समुचित व्यवस्था की जाएगी। पर्यटन सचिव ने कहा कि इस बार बाबा अजगैबीनाथ धाम, सुल्तानगंज से बिहार सीमा दुम्मा तक पूरे श्रावणी मेला पथ को 'शिवमय' स्वरूप दिया जाएगा।

किसानों की कर्जमाफी के लिए 12 जून को आंदोलन

मुंबई। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने बताया कि महाराष्ट्र के पंढरपुर में 12 जून को किसानों की कर्जमाफी के लिए अन्न त्याग आंदोलन करने जा रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे, ताकि यह आंदोलन किसानों के लिए सार्थक साबित हो सके। रोहित पवार ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि अब तक जो भी मुद्दे रहे हैं, चाहे वो स्वास्थ्य का मुद्दा हो या शिक्षा का या फिर जनता से जुड़ा कोई और विषय, इन सभी मुद्दों को लेकर हमें सड़क पर उतरना होगा और अपनी आवाज को बुलंद करना होगा, तभी जाकर धरातल पर स्थिति सकारात्मक होती हुई दिखेगी, नहीं तो स्थिति जस की तस ही बनी रहेगी। हमें यही सिखाया गया है कि जनता के मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरो, उनके साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस आंदोलन के जरिए हम लोग किसानों के लिए न्याय का मार्ग प्रशस्त करना चाहते हैं।

एमपी राज्यसभा चुनाव : प्रत्याशियों की अंतिम सूची में तीन नाम

मीनाक्षी के नामांकन पर चुनाव आयोग का फैसला बाकी

एजेंसी ■ भोपाल/नई दिल्ली

मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के बाद पार्टी ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, सूत्रों के हवाले से खबर है कि चुनाव आयोग ने कांग्रेस की आपत्ति को खारिज कर दिया है, हालांकि पार्टी का कहना है कि उसे अब तक आयोग की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं मिला है।

राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने अंतिम सूची जारी कर दी है। सूची में भाजपा उम्मीदवार तरुण चुग, महेश केवट और रजनीश अग्रवाल के नाम शामिल हैं, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पहले ही निरस्त किया जा चुका है। नामांकन रद्द होने के बाद कांग्रेस का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को नई दिल्ली में चुनाव आयोग से मिला। प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक मनु सिंघवी, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सचिन पायलट, भूपेश बघेल और विवेक तन्खा समेत अन्य नेता शामिल थे। अभिषेक मनु सिंघवी ने आयोग से मुलाकात के बाद कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द करने का फैसला कानून के अनुरूप नहीं है।

ओमान के पास जहाज पर हमला : 3 भारतीय लापता, 21 को बचाया गया

एजेंसी ■ मस्कट

ओमान के तट के पास एक कमर्शियल जहाज 'सेटोबेलो' पर हुए हमले में 24 भारतीय क्रू मेंबर्स में से अब तक 21 को बचा लिया गया है और 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'हम ओमान के तट पर कमर्शिय जहाज 'सेटोबेलो' पर हुए हमले की निंदा करते हैं। जहाज पर मौजूद 24 भारतीय क्रू मेंबर्स में से अब तक 21 को बचा लिया गया है और 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं।'

हमारा दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा : एमईए

एमईए ने कहा कि ओमान में

हमारा दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और चल रहे खोज और बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है। घटना के बारे में बात करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस इलाके में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बहुत चिंताजनक है और ये इलाके में चल रहे संघर्ष का सीधा नतीजा है। हम तवान को तुरंत कम करने और कूटनीतिक समाधान के लिए चल रही बातचीत को पूरा करने की मांग को दोहराते हैं ताकि इलाके में शांति और स्थिरता लौट सके। इलाके में कमर्शियल जहाजों और आम बुनियादी ढ़ांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक इलाके के अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से जहाजों की आवाजाही और व्यापार को बिना रुकावट के जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

फिर से एकजुट होना समय की जरूरत : संजय राउत

अपनी अलग पार्टियां बना चुके हैं, उन्हें कांग्रेस झंडे के नीचे आना चाहिए

एजेंसी ■ मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) जैसी पार्टियां कभी कांग्रेस का हिस्सा थीं, उन्हें फिर से एक साथ आकर कांग्रेस को मजबूत करना चाहिए।

उन्होंने दावा किया कि फिर से एकजुट होना समय की जरूरत है और इस पर कांग्रेस और अन्य दलों के भीतर पहले से ही चर्चा चल रही है। राउत ने पत्रकारों से बातचीत में

> हर कोई, चाहे नेता हों या पार्टियां, जिन्होंने कांग्रेस छोड़ी है, उसकी सहायता चाहते हैं। इसलिए आपको एक साथ आकर कांग्रेस को और मजबूत बनाना चाहिए और (एनडीए का) एक विकल्प देना चाहिए।
>
> - संजय राउत, शिवसेना (यूबीटी) नेता

कहा, हम अक्सर निजी बातचीत में यह कहते हैं कि जो घटक कांग्रेस छोड़कर अपनी अलग पार्टियां बना चुके हैं, उन्हें कांग्रेस के झंडे के नीचे आकर उसे मजबूत करना चाहिए। यह समय की जरूरत है।

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), बीजू जनता दल और तेलंगाना की कुछ पार्टियों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस की मदद पर निर्भर हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा, हर कोई, चाहे नेता हों या पार्टियां, जिन्होंने कांग्रेस छोड़ी है, उसकी सहायता चाहते हैं। इसलिए आपको एक साथ आकर कांग्रेस को और मजबूत बनाना चाहिए और एक विकल्प देना चाहिए (सत्तारूढ़ भाजपा-नीत एनडीए के लिए)। उन्होंने आगे कहा, मेरी जानकारी के अनुसार, कांग्रेस और अन्य पार्टियों के भीतर इस बारे में कुछ विचार चल रही है।

बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री मोदी को खिलाई झालमुड़ी

एनडीए नेताओं के साथ झालमुड़ी खाई मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र की मोदी सरकार के निरंतर सत्ता में रहते हुए ऐतिहासिक 12 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी ने सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। इस अवसर पर बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक बुलाई गई। इस बैठक में हिस्सा लेने एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी पहुंचे।

इस दौरान एक रोचक वीडियो भी सामने आया, जिसमें पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झालमुड़ी परोसते देखा गया। वीडियो में प्रधानमंत्री के साथ भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और दूसरे बड़े नेता भी नजर आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया। प्रधानमंत्री ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आज एनडीए की बैठक में साथी एनडीए नेताओं के साथ झालमुड़ी खाई।'

सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच तीखी तकरार

गहलोत का नार्को टेस्ट करवाया जाना चाहिए : रमेश मीणा

एजेंसी ■ जयपुर

राजस्थान कांग्रेस के नेताओं में आपसी संघर्ष जारी है। चार दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को लेकर मीडिया से बात करते हुए बगावती तेवर अपनाए थे। गहलोत ने पायलट को कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष के रूप से स्वीकार करने से इनकार किया था। गहलोत ने अपने मुख्यमंत्री काल में पायलट खेमे की ओर से की गई बगावत को भाजपा से मिली भगत बताया था।

अब बुधवार को पायलट ने करौली जिले के सगराटा में आयोजित किसान सम्मेलन में गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा,आंख में आंख डालकर देखोगे तो पता चल जाएगा कि सोच कौन सच बोल रहा है और कौन झूठ बोल रहा है।

राहुल गांधी गहलोत को नियंत्रण में रखें- रमेश मीणा

पायलट ने कहा, 'मैंने सभी नेताओं का

मान-सम्मान किया है। मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद कभी नहीं रहे।' वहीं पायलट समर्थक पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी गहलोत को नियंत्रण में रखें, नहीं तो कांग्रेस का बेडा गर्क कर देंगे। गहलोत को कांग्रेस ने तीन बार सीएम बनाया, लेकिन उन्होंने तीनों बार पार्टी को हराने का काम किया।

उन्होंने कहा कि गहलोत का नार्को टेस्ट करवाया जाना चाहिए कि उन्होंने वे कितना सही और कितना झूठ बोलते हैं। गहलोत ने कहा था कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मानेसर जाने वाले विधायकों ने भाजपा से दस-दस करोड़ रूपए लिए थे। यह पूरी तरह से झूठ है। गहलोत ने खुद भारतीय ट्राइबल पार्टी, निर्दलीय एवं भाजपा विधायकों को पैसे दिए थे। इस दौरान कांग्रेस के कई नेताओं ने गहलोत के खिलाफ कांग्रेस आलाकमान को शिकायत करने की बात कही। किसान सम्मेलन के दौरान पायलट ने अपने पिता स्व. राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण भी किया।

गहलोत ने पायलट पर लगाए थे भाजपा से मिली भगत के आरोप

उल्लेखनीय है कि चार दिन पहले गहलोत ने जयपुर में मीडिया से बात करते हुए पायलट पर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पायलट ने भाजपा से मिली भगत कर बगावत की थी। उस समय पायलट कांग्रेस विधायकों को मानेसर लेकर गए थे। भाजपा ने इन विधायकों को दस-दस करोड़ रूपए दिए थे।

पाकिस्तानी सेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर क्रैश, 21 सैनिकों की मौत

एजेंसी ■ मुजफ़्फ़राबाद

मुजफ़्फ़राबाद के पास पाकिस्तान आर्मी एविएशन का एमआई-17 हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के बयान के अनुसार, यह हादसा हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। सेना ने पुष्टि की कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा। बताया जा रहा है कि हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ, हालांकि अधिकारियों ने हादसे के सही कारण का पता लगाने के लिए औपचारिक जांच शुरू कर दी है। 'डॉन' के अनुसार, आईएसपीआर ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हेलिकॉप्टर में सवार सभी लोग शहीद हो गए। कोई भी जीवित नहीं बचा। सेना ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद बचाव और रिकवरी टीमों को तुरंत दुर्घटनास्थल पर भेजा गया। अधिकारियों ने जब इस दुखद घटना से जुड़ी परिस्थितियों का आकलन करना शुरू किया, तो आपातकालीन कर्मियों ने इलाके में रिकवरी ऑपरेशन चलाया।

मोदी ने 4399 दिन प्रधानमंत्री रहकर नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4,399 दिनों तक लगातार प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में लगातार कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले मोदी ने लगातार तीन लोकसभा चुनावों में जीत हासिल करते हुए इस मुकाम तक पहुंचने का सफर तय किया। इस उपलब्धि के साथ वे देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बने हैं, जो भारतीय राजनीति में उनकी निरंतर जनस्वीकृति और मजबूत राजनीतिक पकड़ का प्रतीक माना जा रहा है।

पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार के नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल क्रांति, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती सक्रियता, रक्षा और विदेश नीति के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल देखने को मिलीं। वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक ध्रुवीकरण और संस्थागत स्वायत्तता जैसे मुद्दों पर सरकार की नीतियों की लगातार आलोचना भी की। ऐसे में मोदी का यह रिकॉर्ड केवल लंबे कार्यकाल का आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में जनादेश, राजनीतिक स्थिरता और नेतृत्व क्षमता पर चल रही बहस का भी महत्वपूर्ण पड़ाव बन गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नरेंद्र मोदी का यह सफर भारतीय राजनीति में नेतृत्व शैली, चुनावी रणनीति और संगठनात्मक क्षमता के नए मानक स्थापित करता है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे विकास, सुशासन और जनविश्वास की जीत बताया है, जबकि विपक्ष इस उपलब्धि को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा मानते हुए सरकार के प्रदर्शन पर सवाल उठाता रहा है। इन विरोधाभासी राजनीतिक दृष्टिकोणों के बीच एक तथ्य निर्विवाद है कि 4,399 दिनों का यह ऐतिहासिक पड़ाव भारतीय संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में दर्ज हो गया है।

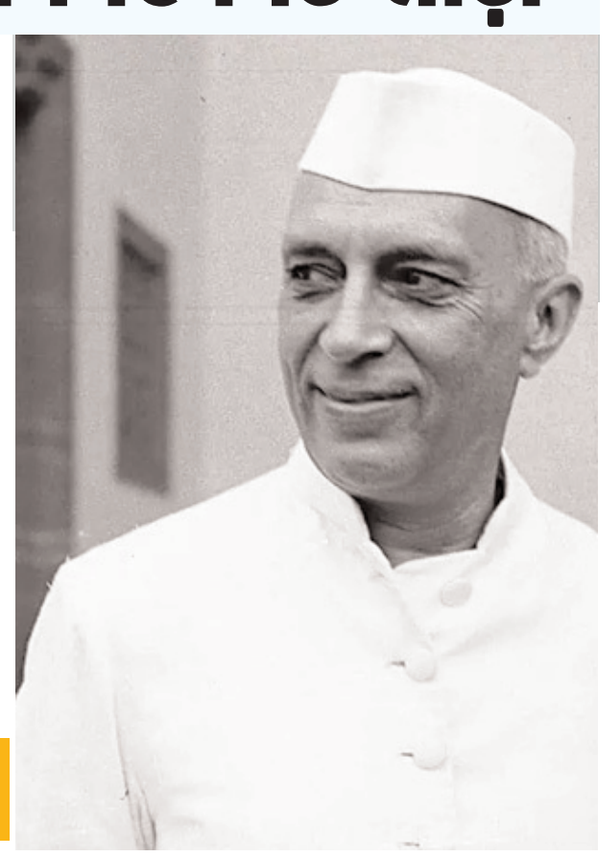

नेहरू के बाद मोदीः लंबी पारी का नया अध्याय

भारतीय लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है किसी नेता का लंबे समय तक जनता का विश्वास बनाए रखना। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनना केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण घटना है।

10 जून 2026 को नरेंद्र मोदी ने लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में ऐसा मुकाम हासिल किया, जहां उनसे आगे केवल जवाहरलाल नेहरू का नाम रह गया है। यह उपलब्धि इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि भारत का राजनीतिक परिदृश्य अब उस दौर से बिल्कुल अलग है, जब कांग्रेस का लगभग एकछत्र प्रभाव हुआ करता था। आज का भारत गठबंधनों, क्षेत्रीय दलों, सोशल मीडिया, चौबीसों घंटे सक्रिय मीडिया और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी चुनावी राजनीति का भारत है। ऐसे समय में लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीतकर एक दशक से अधिक समय तक सत्ता में बने रहना अपने आप में बड़ी राजनीतिक सफलता मानी जाएगी।

नेहरू और मोदी की तुलना अक्सर राजनीतिक विमर्श का विषय बनती रही है, लेकिन दोनों नेताओं के सामने मौजूद चुनौतियां और समय की परिस्थितियां अलग थीं। नेहरू ने नवस्वतंत्र भारत की संस्थाओं की नींव रखी, लोकतांत्रिक परंपराओं को स्थापित किया और देश को आधुनिक राष्ट्र-राज्य के रूप में गढ़ने का प्रयास किया। दूसरी ओर मोदी ऐसे भारत के प्रधानमंत्री बने, जहां लोकतांत्रिक संस्थाएं स्थापित थीं, लेकिन अपेक्षाएं कहीं अधिक थीं। उनके सामने वैश्विक प्रतिस्पर्धा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, तेजी से बदलती तकनीक और करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की चुनौती थी।

मोदी के कार्यकाल की पहचान कई बड़े और साहसिक निर्णयों से जुड़ी रही है। नोटबंदी, जीएसटी, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, डिजिटल भुगतान व्यवस्था का विस्तार, कोविड महामारी के दौरान टीकाकरण अभियान और बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश जैसे कदमों ने समर्थकों और आलोचकों दोनों के बीच व्यापक बहस को जन्म दिया। जहां समर्थक इन्हें निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण मानते हैं, वहीं आलोचक इनके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि मोदी के नेतृत्व ने देश की राजनीतिक चर्चा और शासन शैली को गहराई से प्रभावित किया है। इस उपलब्धि का एक दूसरा पहलू भी है। लोकतंत्र में लंबा कार्यकाल केवल उपलब्धियों का प्रमाणपत्र नहीं होता, बल्कि जवाबदेही की कसौटी भी होता है। जितना लंबा शासन, उतनी ही बड़ी अपेक्षाएं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, सामाजिक समरसता और संस्थागत संतुलन जैसे मुद्दे आज भी सरकार के सामने चुनौती बने हुए हैं। इसलिए मोदी की यह लंबी राजनीतिक पारी केवल प्रशंसा का विषय नहीं, बल्कि उनके शासन के व्यापक मूल्यांकन का अवसर भी है।

इतिहास में नेताओं का मूल्यांकन केवल उनके कार्यकाल की अवधि से नहीं, बल्कि उस अवधि के प्रभाव से किया जाता है।

नेहरू को आज भी इसलिए याद किया जाता है क्योंकि उन्होंने स्वतंत्र भारत की दिशा तय की। मोदी के बारे में भी अंतिम निर्णय आने वाली पीढ़ियां करेंगी कि उन्होंने भारत को किस दिशा में आगे बढ़ाया। लेकिन इतना निश्चित है कि नेहरू के बाद सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड उन्हें भारतीय राजनीति के उन चुनिंदा नेताओं की श्रेणी में स्थापित करता है, जिनकी भूमिका और प्रभाव पर आने वाले दशकों तक चर्चा होती रहेगी।

भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहां इतिहास केवल बनाया नहीं जाता, लगातार परखा भी जाता है। नरेंद्र मोदी की यह उपलब्धि भी उसी इतिहास का एक नया अध्याय है। भारतीय लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में बने रहना केवल राजनीतिक कौशल का नहीं, बल्कि लगातार जनसमर्थन का भी प्रमाण होता है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक केवल दो नेता ऐसे रहे हैं जिन्होंने लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीतकर एक दशक से अधिक समय तक प्रधानमंत्री पद संभाला—जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी।

जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता के बाद 1952, 1957 और 1962 के आम चुनावों में कांग्रेस को विजय दिलाई। हालांकि वे 15 अगस्त 1947 से ही प्रधानमंत्री थे, लेकिन लोकतांत्रिक चुनावों के जरिए मिले जनादेश के आधार पर उनका पहला कार्यकाल 1952 से माना जाता है। 1964 में निधन तक वे लगभग 17 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री रहे और आधुनिक भारत की संस्थागत नींव रखने का श्रेय उन्हें दिया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व का प्रभाव

अगर देश की जनता किसी भी और सरकार के मुकाबले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर ज्यादा विश्वास करती है, उसे अपना अधिक हितैषी समझती है और प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता में लगातार बढ़ोतरी हो रही है तो इसके एक नहीं, कई कारण हैं। आइए, जानते हैं कुछ इसी विषय में-

ईमानदार पारदर्शिता है सबसे बड़ी प्राथमिकता

यदि आज मोदी सरकार की सबसे बड़ी विशेषता की बात की जाए तो वह है इसकी पारदर्शिता। अपने अब तक के तीन वर्षीय कार्यकाल में मोदी सरकार पर कभी भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है। इसके उलट पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे कार्यकाल में एक के बाद एक घोटालों से ही जूझती रही थी। मोदी सरकार ने इस बात पर आरंभ से ही ध्यान दिया कि जनता और प्रशासन के बीच किसी भी प्रकार की संवादहीनता की स्थिति नहीं बनने दी जाए। मोदी सरकार के एप के द्वारा जनता सीधे प्रधानमंत्री तक से जुड़ सकती है। 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम के द्वारा प्रधानमंत्री मोदी निरंतर जनता के संपर्क में रहते हैं। इस कार्यक्रम के चलते प्रधानमंत्री मोदी ने समय-समय पर अनेक सामाजिक विषयों को उठाया है, जिससे जनता उन्हें हमेशा अपने साथ अनुभव करती है। इसी का एक उदाहरण इस रूप में देखा जा सकता है कि जब नरेन्द्र मोदी ने 'स्वच्छता' जैसे कार्यक्रम के लिए देश का आह्वान किया तो बच्चे से लेकर बड़े तक, सामान्य नागरिक से लेकर विशिष्ट व्यक्तित्व तक सभी प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े थे। शौचालय जैसे मानवीय गरिमा से जुड़े विषयों को भी मोदी सरकार में अपार सफलता मिली।

कड़े फैसले लेने की सामर्थ्य

प्रधानमंत्री मोदी की इस विशेषता को आज पूरा विश्व जानता है कि वे केवल लोकप्रियता के कारण, देशहित में कड़े फैसले लेने से जरा भी नहीं चूकते, चाहे वह सर्जिकल स्ट्राइक जैसा सीमा से जुड़ा निर्णय हो या फिर देश में ही भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए लिया गया नोटबंदी का निर्णय। प्रधानमंत्री मोदी के लिए देशहित सर्वोपरि है। देश की जनता को ढेरों टैक्स से मुक्ति दिलाने के लिए लिया गया निर्णय जीएसटी भी इसी श्रेणी में आता है। इन निर्णयों को

लिए जाने के समय मोदी सरकार को कुछ समय के लिए आलोचना का शिकार भी होना पड़ा, लेकिन ये निर्णय दूरदृष्टि भरे थे, इसलिए देश की जनता इन निर्णयों के तात्कालिक प्रभावों से उबरकर एक बार फिर से मोदी सरकार के समर्थन में खड़ी नजर आई।

विदेशों में बनी देश की मजबूत छवि

सत्ता में आते ही प्रधानमंत्री मोदी ने विदेशों के साथ भारत के रिश्ते सौहार्दपूर्ण बनाने की दिशा में बड़े प्रयास किए। विदेश यात्राओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी ने अनेक प्रमुख नेताओं से भेंट की। इसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के घर जाकर की गई अत्यंत सौहार्दपूर्ण भेंट भी शामिल है और एक समय के घोर विरोधी और आज के घनिष्ठ मित्र अमेरिका की अनेक यात्राएं भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इन यात्राओं का पूरे विश्व में बड़े भारी पैमाने पर स्वागत हुआ। चाहे योग दिवस हो या फिर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में प्राप्त की गई नई उपलब्धियां, मोदी शासनकाल में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छुआ है। भारत विश्व में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जिसमें पूरा विश्व एक अत्यंत संभावनाशील बाजार देखता है।

नीतिगत सुधार में बड़े बदलाव

भारत के पास दुनिया का विशालतम युवा वर्ग है। उसकी सामर्थ्यपूर्ण संभावनाओं को आज पूरा विश्व आशा से देख रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ग के लिए अपार संभावनाएं जुटाने के लक्ष्य के साथ अपनी वैश्विक मैत्री को एक बड़े अवसर के रूप में बदलने के लिए कई नीतिगत बदलाव संबंधी निर्णय लिए हैं।

मित्र देशों ने मोदी को दी बधाई

साल 2014 में जब सत्ता परिवर्तन हुआ तब भारत की अर्थव्यवस्था फ्रिजाइल फाइव में थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ सबका विकास का विज़न दिया। जनधन योजना के तहत 50 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले गए जिससे लीकेज खत्म हुई।

आज नरेंद्र दामोदर दास मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। 4399 दिन आज उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 4398 दिनों के लगातार शासन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह महज एक संख्या नहीं है बल्कि 140 अरब भारतीयों के उस अटूट विश्वास की जीत है जिसने लगातार तीन बार एक ही नेता को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता की कमान सौंपी। आज वाशिंगटन से लेकर टोक्यो तक और मॉस्को से लेकर अबू धाबी तक दुनिया के ताकतवर देशों के नेता भारत की इस स्थिरता को सलाम कर रहे हैं। दरअसल साल 2014 में जब सत्ता परिवर्तन हुआ तब भारत की अर्थव्यवस्था फ्रिजाइल फाइव में थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ सबका विकास का विज़न दिया। जनधन योजना के तहत 50 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले गए जिससे लीकेज खत्म हुई। हाईवे निर्माण की गति 12 कि.मी. प्रतिदिन से बढ़ाकर 37 कि.मी. प्रतिदिन हुई। करोड़ों महिलाओं को धुआ मुक्त रसोई और 55 करोड़ लोगों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिला। 2019 में जनता ने और भी बड़ा जनादेश दिया। जिसके बाद भारत ने अपनी आंतरिक और बाहरी नीतियों में बदलाव किए।

अनुच्छेद 370 का निष्प्रभावी होना और कश्मीर में रिकॉर्ड पर्यटन शांति का आना इसी का परिणाम है। भारत दुनिया की 10वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगाकर पांचवी सबसे बड़ी शक्ति बन गया। यूपीआई के जरिए भारत आज दुनिया का 46% डिजिटल ट्रांजैक्शन अकेले कर रहा है। भव्य राम मंदिर का निर्माण और काशी महाकाल कॉरिडोर ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित कर दिया। 10 जून 2026 तक यह समय भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और साल 2047 के विकसित भारत के रोड मैप को जमीन पर उतारने का रहा है। सेमीकंडक्टर हब, एआई मशीन और गगनयान इस नए भारत की पहचान है। आज दुनिया भारत की ओर हाथ फैलाकर खड़ी है। पीएम मोदी की कूटनीति ने गुटनिरपेक्षता से आगे बढ़कर सर्वमित्र की नीति अपनाई है और इसी का परिणाम यह है कि आज दुनिया का हर कोना पीएम मोदी को बधाई दे रहा है। सबसे पहले बात इटली की तो

पीएम मोदी को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने दी बधाई

इटली के प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी को टैग करते हुए लिखा कि भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर नरेंद्र मोदी को ढेर सारी शुभकामनाएं। मेलोनी ने रोम में हुई अपनी द्विपक्षी मुलाकात को याद करते हुए कहा कि दोनों देशों ने मिलकर एक विशेष रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत की है जो भविष्य के नागरिकों के लिए प्रगति के नए अवसर पैदा करेगी। तो वहीं श्रीलंका की बात करें तो श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुराग कुमारा ने याद दिलाया कि साल 2022 के आर्थिक संकट में जब दुनिया ने मुंह मोड़ लिया था तब भारत ने 4 अरब डॉलर की सहायता भेजकर श्रीलंका को डूबने से बचा लिया था। ऐसे में आज श्रीलंका का भारत की स्थिरता पर बधाई देना सिद्ध करता है और बताता है कि पीएम मोदी दक्षिण एशिया में एक बड़े भाई और भरोसेमंद साथी के रूप में स्थापित हैं। तो वहीं इथियोपिया की बात करें तो इथियोपिया के प्रधानमंत्री अभी अहमद अली ने भावुक होते हुए लिखा कि मैं अपने बड़े भाई और प्रिय मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देता हूं। उनकी सरकार ने करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए आर्थिक प्रगति तेज की। तो वहीं नाइजीरिया भी पीछे नहीं रहा। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद ने पीएम मोदी को अपना व्यक्तिगत मित्र और भरोसेमंद सहयोगी बताया। अपने ट्वीट के जरिए उन्होंने लिखा उन्होंने नाइजीरिया के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर का जिक्र करते हुए पीएम मोदी के प्रभावशाली नेतृत्व की सराहना की जमकर सराहना की। तो वहीं पपुआ न्यूगिनी के पीएम जेम्स का व्यक्तिगत वीडियो संदेश उस सम्मान की याद दिला रहा है जब उन्होंने पीएम मोदी के पैर छुए थे। इतना ही नहीं प्रशांत द्वीपीय देशों के लिए भारत ने क्लाइमेट चेंज और स्वास्थ्य क्षेत्र में जो मदद की है उसने पश्चिमी देशों को

विरासत और विकास: सांस्कृतिक केंद्रों का कायाकल्प

• अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण

• काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम का कायाकल्प

ग्रामीणों ने लिखा खून से पत्र, बिजली की मांग

पीएम और एनटीसीए को भेजे 500 से ज्यादा पत्र

रायपुर/गरियाबंद। जिले के मैनपुर क्षेत्र स्थित उदंती-सीतानदी अभ्यारण्य के भीतर बसे गांवों के ग्रामीणों का वर्षों पुराना दर्द अब खून से लिखी चिट्ठियों के रूप में सामने आया है। बिजली जैसी मूलभूत सुविधा की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे सैकड़ों ग्रामीणों ने अड़गड़ी ग्राम में एकत्र होकर अपने शरीर से खून निकालकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के नाम मार्मिक पत्र लिखे।

ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले लगभग दो दशक से बिजली की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। लगातार ज्ञापन, आवेदन और धरना-प्रदर्शन के बाद भी जब कोई ठोस नतीजा नहीं निकला तो लोगों ने अपनी पीड़ा देश के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचाने के लिए यह अनोखा और भावनात्मक तरीका अपनाया।

सैकड़ों लोगों ने दिया खून, लिखे 500 से ज्यादा पत्र

अड़गड़ी गांव में आयोजित इस अभियान में युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने अपनी उंगलियों से खून निकालकर कोरे कागजों पर अपनी व्यथा लिखी और बिजली की सुविधा उपलब्ध कराने की गुहार लगाई। बताया जा रहा है कि 500 से अधिक पत्र तैयार किए गए हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय और राष्ट्रीय

बाघ संरक्षण प्राधिकरण को भेजा जाएगा। पत्रों में ग्रामीणों ने लिखा है कि आजादी के दशकों बाद भी वे अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं। बच्चों की पढ़ाई, किसानों की जरूरतें, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजमर्रा का जीवन बिजली के अभाव में गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है।

2006 से जारी है संघर्ष

ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2006 से इस क्षेत्र में बिजली पहुंचाने की मांग लगातार उठाई जा रही है। इस दौरान हजारों आवेदन और ज्ञापन प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों को सौंपे गए। कई बार धरना-प्रदर्शन और आंदोलन भी किए गए, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर बार उन्हें आश्वासन तो मिला, लेकिन बिजली के खंभे और तार गांवों तक नहीं पहुंच सके। अभ्यारण्य क्षेत्र होने के कारण विभिन्न नियमों और अनुमतियों का हवाला देकर मामला टाल दिया जाता रहा।

सुशासन तिहार में भी नहीं निकला समाधान

हाल ही में आयोजित सुशासन तिहार के दौरान भी ग्रामीणों ने अपनी मांग प्रशासन के सामने रखी थी। ग्रामीणों का कहना है कि सुनवाई के दौरान जिला प्रशासन ने बताया कि मामला केंद्र स्तर पर लंबित है और अंतिम अनुमति वहां से मिलनी है। इसके बाद ग्रामीणों ने सीधे केंद्र सरकार और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण तक अपनी आवाज पहुंचाने का निर्णय लिया।

'बिजली नहीं, तो विकास कैसे?'

ग्रामीणों का कहना है कि डिजिटल इंडिया और विकसित भारत की बात हो रही है, लेकिन उनके गांव आज भी अंधेरे में डूबे हैं। मोबाइल चार्ज करने से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक के लिए लोगों को कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी बिजली के अभाव में प्रभावित होती है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि खून से लिखे गए ये पत्र देश के नीति-निर्माताओं का ध्यान उनकी ओर आकर्षित करेंगे और वर्षों से लंबित बिजली की मांग पर जल्द निर्णय लिया जाएगा।

मांगों को लेकर डटे डीएड अभ्यर्थियों की आमरण अनशन में बिगड़ रही तबियत

रायपुर/नवा रायपुर (संवाददाता)। नियुक्ति की मांग को लेकर डी.एड. प्रशिक्षित अभ्यर्थियों का आमरण अनशन बुधवार को 169वें दिन भी जारी रहा। नवा रायपुर स्थित धरना स्थल पर अभ्यर्थी 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुके तापमान और भीषण गर्मी के बीच लगातार आंदोलन कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे वर्षों से लंबित नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करने और अपने अधिकारों की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

आंदोलन के दौरान मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अभ्यर्थी मृगेंद्र रजवाड़े की अचानक तबीयत बिगड़ गई। धरना स्थल पर मौजूद साथियों ने उन्हें तत्काल नवा रायपुर के राखी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। अभ्यर्थी संघ के अनुसार लंबे समय से आंदोलन में शामिल रहने, भीषण गर्मी, शारीरिक कमजोरी और मानसिक तनाव के कारण उनकी स्थिति गंभीर हो गई। डी.एड. अभ्यर्थी संघ का कहना है कि

पिछले तीन वर्षों से हजारों प्रशिक्षित अभ्यर्थी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। संघ का आरोप है कि बार-बार मांग उठाने और आंदोलन करने के बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि आंदोलन के दौरान कई प्रतिभागियों की तबीयत खराब हो चुकी है और कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का भी सामना कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं है, बल्कि यह रोजगार और न्याय की मांग को लेकर किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। अभ्यर्थियों का कहना है कि अब यह संघर्ष केवल नियुक्ति प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि हजारों बेरोजगार युवाओं के भविष्य, सम्मान और अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है। धरना स्थल पर मौजूद अभ्यर्थियों ने सरकार से शीघ्र हस्तक्षेप कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की मांग करते हुए कहा कि वे न्याय मिलने तक अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

संक्षिप्त खबरें

राज्य प्रशासनिक सेवा के 83 अधिकारियों को पदोन्नति, उच्च वेतनमान का लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को बड़ी सौगात देते हुए 83 अधिकारियों को पदोन्नति के साथ उच्च वेतनमान का लाभ प्रदान किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश के तहत डिप्टी कलेक्टर स्तर के 43 अधिकारियों को वरिष्ठ श्रेणी वेतनमान तथा संयुक्त कलेक्टर स्तर के 40 अधिकारियों को प्रवर श्रेणी वेतनमान स्वीकृत किया गया है। जारी आदेश के अनुसार राज्य प्रशासनिक सेवा संवर्ग के कनिष्ठ श्रेणी वेतनमान (लेवल-12) में कार्यरत 43 अधिकारियों को उनकी पात्रता तिथि के आधार पर वरिष्ठ श्रेणी वेतनमान (लेवल-13) प्रदान किया गया है। इससे संबंधित अधिकारियों के वेतन एवं सेवा लाभों में वृद्धि होगी। इस सूची में विभिन्न जिलों में पदस्थ डिप्टी कलेक्टर एवं विभागीय अधिकारी शामिल हैं। वरिष्ठ श्रेणी वेतनमान प्राप्त करने वाले अधिकारियों में बिलासपुर की डिप्टी कलेक्टर रजनी भगत, बलौदाबाजार-भाटापारा के अरुण कुमार सोनकर, महासमुंद के आशीष कर्मा, जशपुर के प्रशांत कुमार कुशवाहा, राजनांदगांव के गौतम चंद पाटिल, कोरिया के उमेश कुमार पटेल, गरियाबंद के विशाल कुमार महाराणा और नारायणपुर के सुमित कुमार गर्ग सहित कुल 43 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। वहीं सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी दूसरे आदेश में वरिष्ठ श्रेणी वेतनमान (लेवल-13) में कार्यरत 40 अधिकारियों को प्रवर श्रेणी वेतनमान (लेवल-14) का लाभ दिया गया है। इस श्रेणी में संयुक्त कलेक्टर, अवर सचिव, आयुक्त कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी तथा विभिन्न विभागों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

छग प्रदेश मानिकपुरी पनिका समाज की 14 को बैठक

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ प्रदेश मानिकपुरी पनिका समाज के संगठन के सभी सदस्यों एवं पूर्व सहयोगी सदस्यों की बैठक 14 जून रविवार को मानिकपुरी पनिका समाज भवन, भारत माता चौक, रामनगर, रायपुर में आयोजित की गई है। उक्त बैठक में संगठन के आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही संगठन के विकास हेतु किए जाने वाले आगामी नवीन प्रयासों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश मानिकपुरी पनिका समाज के विद्यमान बायलॉज में समयानुरूप आवश्यक संशोधन हेतु विचार-विमर्श किया जाएगा। समाज और संगठन की दृष्टि से यह अति महत्वपूर्ण बैठक है, जिसमें सभी सदस्यों से उपरोक्त बिंदुओं पर रायशुमारी की जाएगी तथा निर्णय पश्चात कुछ सामाजिक नियमों में संशोधन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। संगठन ने सभी सदस्यों से उपस्थित होने हेतु अपील की है।

मोदी सरकार के 12 साल पूरे, विधायक मोतीलाल साहू ने बंजारी मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने बुधवार को बीरगांव स्थित बंजारी मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

विधायक साहू ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रहा है और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विधायक ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

सुशासन तिहार : रावांभाठा में कांग्रेस का प्रदर्शन

रायपुर (संवाददाता)। प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार के समापन अवसर पर बुधवार को बीरगांव नगर पालिका निगम क्षेत्र के रांवाभाटा में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर स्थानीय समस्याओं को लेकर भाजपा सरकार को घेरा। कार्यक्रम में रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू के आगमन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

प्रदर्शन में कांग्रेस नेता पंकज शर्मा ने कहा कि सुशासन के दावों के बावजूद बीरगांव क्षेत्र की जनता सड़क, नाली, पेयजल, बिजली और सफाई जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई पात्र महिलाओं को विधवा पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना और भूमि पट्टा से जुड़े मामलों में भी लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्यालयों के चक्कर काट रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि नगर निगम क्षेत्र की लंबित समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए और आम लोगों को राहत प्रदान की जाए। कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने भी सरकार के सुशासन संबंधी दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर विकास कार्यों की स्थिति संतोषजनक नहीं है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनहित के मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ तथा प्रशासन द्वारा पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी गई।

भूविज्ञान और क्रिटिकल मिनरल्स अनुसंधान को नई दिशा एनआईटी रायपुर और जीएमडीसी के बीच एमओयू

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर और गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (जीएमडीसी) के अंतर्गत कार्यरत अग्रणी अनुसंधान एवं परामर्श संस्था गुजरात मिनरल रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल कंसल्टेंसी सोसायटी (जीएमआरआईसीएस) के बीच बुधवार को भूविज्ञान, खनन एवं क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग को नई गति देने की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है।

समझौता ज्ञापन पर एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रो. एन. वी. रमना राव तथा जीएमआरआईसीएस/जीएमडीसी,

अहमदाबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. डी. के. सिन्हा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर जीएमडीसी के सीनियर जनरल मैनेजर (टेक) ए. के. माकडिया, जनरल मैनेजर (एचआर) एस. डी. दाव, एनआईटी रायपुर के डॉ. नीरज विश्वकर्मा, डॉ. डी. सी. झरिया सहित संस्थान के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। यह समझौता प्रारंभिक रूप से पांच वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा, जिसे दोनों संस्थानों की सहमति से आगे भी विस्तारित किया जा सकेगा।

समझौते के तहत दोनों संस्थान भूविज्ञान, खनिज अन्वेषण, खनन अभियांत्रिकी, भूभौतिकीय सर्वेक्षण, खनिज परिशोधन, विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान तथा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करेंगे। इसके साथ ही विशेषज्ञ व्याख्यान, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां तथा सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधियों के लिए विशेषज्ञों और संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा। एमओयू के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को औद्योगिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, फील्ड रिसर्च तथा उन्नत अध्ययन के अवसर उपलब्ध होंगे। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच व्यावहारिक एवं अनुसंधान आधारित सहयोग को मजबूत करेगी।

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता : गणेश शंकर मिश्रा

बेरोजगारी तथा सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार होगा विशेष कार्ययोजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि राज्य के सामने वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में ग्रामीण युवाओं की बेरोजगारी, मोबाइल एडिक्शन, ड्रग्स की बढ़ती लत, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और बढ़ती आपराधिक गतिविधियां शामिल हैं। इन चुनौतियों का समाधान केवल रोजगार सृजन और कौशल विकास के माध्यम से ही संभव है।

छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग नवा रायपुर में आयोजित एसएसएम पीआईयू एवं एम एंड ई यूनिट्स के इंडक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि आज गांवों में बड़ी संख्या में ऐसे युवा हैं जो खेती-किसानी से जुड़ना नहीं चाहते, लेकिन उनके पास रोजगार के पर्याप्त अवसर भी नहीं हैं। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार का लक्ष्य 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उपाध्यक्ष जीएस मिश्रा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की अब तक की सबसे बड़ी टीम छत्तीसगढ़ में कार्य कर रही है और अगले छह महीनों में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने यूएनडीपी के विशेषज्ञों को निर्देश दिए कि ग्रामीण युवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप प्लंबर, गार्डनर, कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन, टी.वी. मैकेनिक, मोबाईल रिपेयरिंग तथा अन्य रोजगारपरक व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए व्यापक परियोजना तैयार की जाए।

फर्जी जीएसटी क्रेडिट मामले में कारोबारी गिरफ्तार

17 करोड़ से अधिक के आईटीसी घोटाले का आरोप

रायपुर। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) विभाग ने फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़े एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के कारोबारी जयदीप सिंह चंदेल को गिरफ्तार किया है। आरोपी को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीजीएसटी अधिकारियों के अनुसार, जयदीप सिंह चंदेल और उनकी कंपनी मेरिडियन स्टील्स एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड पर बिना वास्तविक कारोबार के फर्जी बिलों के आधार पर करोड़ों रुपये का टैक्स लाभ लेने का आरोप है। विभाग को सूचना मिली थी कि कंपनी कथित रूप से कागजी लेन-देन दिखाकर अवैध रूप से आईटीसी का लाभ उठा रही है। शिकायत के बाद 28 नवंबर 2025 को कंपनी के विभिन्न ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया था। जांच में जब्त दस्तावेजों और रिकॉर्ड के विश्लेषण

के बाद विभाग ने दावा किया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी ने फर्जी और अस्तित्वहीन फर्मों से प्राप्त बिलों के आधार पर करीब 15.14 करोड़ रुपये का अवैध इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल किया। वहीं जीएसटी रिटर्न की जांच में लगभग 1.98 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर लाभ का मामला भी सामने आया। इस तरह कुल कथित अनियमितता 17.13 करोड़ रुपये से अधिक की बताई गई है।

अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ के दौरान जयदीप सिंह चंदेल का बयान दर्ज किया गया। जांच के दौरान उन्होंने डीआरसी-03 के तहत करीब 19.98 लाख रुपये जमा भी कराए हैं। विभाग का कहना है कि जिन फर्मों के जरिए टैक्स क्रेडिट लिया गया, उनमें से कई का जीएसटी पंजीकरण पहले ही निरस्त किया जा चुका था।

सीजीएसटी ने इसे फर्जी बिलिंग और कर चोरी से जुड़े संगठित नेटवर्क का हिस्सा माना है। विभाग अब इस पूरे नेटवर्क, संबंधित कंपनियों और अन्य संभावित लाभार्थियों की भूमिका की भी जांच कर रहा है। अधिकारियों का मानना है कि जांच आगे बढ़ने पर मामले में और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

3.45 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

रायपुर। 28 जून को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान रविवार चलाया जाएगा, जिसके तहत रायपुर जिले के समस्त 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को ओरल पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में रेडकॉस सभा कक्ष, कलेक्टोरेट परिसर रायपुर में अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने निर्देश दिए कि चिन्हित आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, पंचायत भवनों एवं अन्य स्थलों पर पूर्व वर्ष की भांति पोलियो बूथ स्थापित किए जाएं। अभियान के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं।

बैठक में सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि जिले में कुल 1331 पोलियो बूथ बनाए जाएंगे। प्रत्येक बूथ पर 4 टीकाकर्मी ड्यूटी पर रहेंगे, जो दो टीमों में विभाजित होकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे। जिले में कुल 3 लाख 45 हजार 373 बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित है।

अभियान दिवस पर किसी कारण से छूटने वाले बच्चों को दूसरे और तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर भ्रमण कर पोलियो की खुराक पिलाएगी। इससे कोई भी बच्चा खुराक से वंचित न रहे।

संपादकीय

नरेंद्र मोदी के 12 सालः भरोसे के हकीकत में बदलने का दौर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

खैर यह सब होते हुए भी नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने अभी चुनौतियां कम नहीं हैं। रोजगार सृजन, प्रति व्यक्ति आय में अंतर, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, जल जीवन मिशन के बावजूद पेयजल की सहज उपलब्धता, खेती की बरसात पर निर्भरता, परिसीमन आदि ऐसे बहुत से मुद्दे हैं जिन पर ठोस काम किया जाना है।

यदि मॉर्निंग कंसल्ट की माने तो दुनिया के नेताओं की सूची पर एक नजर दौड़ाई जाएं तो केई भी वैश्विक नेता स्वीकार्यता में नरेन्द्र मोदी के आसपास भी नहीं टिकते। विपक्षी पार्टियां द्वारा लगातार देश और विदेश में अभियान चलाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रेंकिंग या स्वीकार्यता के मामलें में वैश्विक नेताओं से बहुत आगे हैं। 68 प्रतिशत स्वीकार्यता नरेन्द्र मोदी की है जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्वीकार्यता रेंक लगातार नेगेटिव जा रही है। फालोवर्स में भी नरेन्द्र मोदी सबसे आगे हैं। दुनिया का संभवत: हमारा ही देश होगा जहां देश के बाहर भारत की छवि खराब करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही उसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह स्वीकार्यता निश्चित रुप से भारत ही नहीं दुनिया के अन्य देशों में भी उनकी लोकप्रियता और सर्वमान्यता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले चुनिंदा प्रधानमंत्री बन गए हैं। चुनिंदा इसलिए कि देश में पहले लोकसभा चुनाव 1952 में हुए पर पं. नेहरु 1947 से 1952 तक भी प्रधानमंत्री रहे। लगातार 12 साल कोई कम नहीं होते और वह भी लगातार

12 साल। सबसे बडी बात यह कि इस दौरान नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा ऐसे साहसिक निर्णय किये गये हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। माना तो यही जाता था कि कश्मीर में धारा 370 और 35 ए हटाना, राममंदिर का निर्माण, डिजिटल क्रांति, वैश्विक नेतृत्व, नोटबंदी, एक देश एक कर, घर घर शोचालय, घर घर कचरा संग्रहण, रक्षा उपकरणों का निर्यात, किसान सम्मान, मेक इन इंडिया, इंडिया फर्स्ट, बड़ी अर्थ व्यवस्था, तेजी से ढांचागत विकास, डिजिटल भुगतान, नक्सलवाद की नेस्तनाबूदी, आत्मनिर्भर भारत, परिवहन क्षेत्र में ढांचागत बदलाव आदि आदि समय समय पर की जाने वाली घोषणाएं केवल चुनाव जीतने के जुमले हैं पर लगभग असंभव माने जाने वाले यह काम आज धरातल पर उतरना सबसे बड़ी उपलब्धी मानी जा सकती है। इससे सबके साथ ही सबसे आश्चर्य जनक बात यह है कि लाख विरोध के बावजूद विपक्ष आज हाशिये में चला गया है।

कश्मीर से धारा 370 और 35 ए की समाप्ति हो चुकी है। दुनिया के किसी देश ने खुलकर इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं दिखाई। बाबरी मस्जिद के स्थान पर राममंदिर का निर्माण हो चुका है तो तीन तलाक, सीएए, यूसीसी और यहां तक कि सर्जीकल स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिन्दुर तक पर दुनिया के किसी देश की भारत के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने की हिम्मत नहीं हो पाई है। आज अर्थ व्यवस्था में जिस तेजी से बदलाव आया है और चौथी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने के बाद अब तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने की और तेजी से कदम बढ़ चुके हैं। जनधन योजना के समय जिस तरह से आलोचना का दौर चला था आज भुगतान में डिजिटलीकरण में इसकी बड़ी भूमिका तय हो चुकी है। जो लगभग असंभव माना जा सकता था वह आज डिजिटल भुगतान के माध्यम से संभव हो पाया है और पांच रु. के टमाटर का भुगतान भी सब्जीवाले तक को यूपीआई से आसानी से होने लगा है। सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजना के भुगतान, पेंशन, अनुदान आदि आज सीधे खातों में जाने लगे हैं। यह किसी दिवा स्वप्न से कम नहीं है। आईपीसी सीपीसी में बदलाव किया जा चुका है। तो जीएसटी में लाख कमियां गिनाने के बावजूद आज समूचा देश एक देश एक कर के छाते के नीचे आ चुका है। बुनियादी ढांचें में तेजी से बदलाव आया है। आज वंदे भारत और नमो भारत ट्रेन चलने लगी है तो 33 किमी प्रतिदिन हाईवे का निर्माण हो रहा है। एक्सप्रेस हाईवे से आवागमन आसान हुआ है। आयुष्मान योजना से 50 करोड़ लोगों को जोड़ा जा चुका है तो सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता का नेटवर्क विस्तारित किया गया है। आज 98 प्रतिशत घरों से घर घर कचरा संग्रहण होने लगा है तो अब घर घर में शोचालय बन चुके हैं। कोरोना के दौरान हमारे प्रयासों को सारी दुनिया द्वारा सराहा गया यहां तक कि कोरोना के दौरान जीवन रक्षक की भूमिका में भारत ने भूमिका निभाई। किसानों की आय में बढ़ोतरी के ठोस प्रयास हुए हैं तो किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को उनका आत्मसम्मान उपलब्ध कराया गया है। एमएसपी व्यवस्था में सुधार हुए हैं तो खेती किसानी के क्षेत्र में बदलाव छाप दिखाई दे रहा है।

[देर से संतान, जल्दी चिंताएँ?] → पचास के बाद पेरेंट्स और बच्चे का भविष्य

डॉ. प्रियंका सौरभ

विज्ञान ने मानव जीवन को अनेक सुविधाएँ और संभावनाएँ प्रदान की हैं। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने उन दंपतियों के लिए भी माता-पिता बनने का मार्ग खोल दिया है, जो किसी कारणवश प्राकृतिक रूप से संतान प्राप्ति में सक्षम नहीं थे। IVF (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) जैसी तकनीक ने हजारों परिवारों को संतान सुख दिया है। निस्संदेह यह आधुनिक चिकित्सा की एक बड़ी उपलब्धि है। किंतु हर उपलब्धि के साथ कुछ प्रश्न और जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं। आज जब कुछ दंपति 50-52 वर्ष या उससे अधिक आयु में, कभी-कभी कर्ज लेकर, IVF के माध्यम से माता-पिता बनने का निर्णय लेते हैं, तब इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

संतान की इच्छा मनुष्य की सबसे स्वाभाविक और गहरी भावनाओं में से एक है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अपना परिवार हो, घर में बच्चों की किलकारियाँ गूंजें और जीवन को एक नई दिशा मिले। इसी चाहत के कारण अनेक दंपति वर्षों तक उपचार करवाते हैं और आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष झेलते हैं। उनकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। लेकिन माता-पिता बनना केवल बच्चे के जन्म तक सीमित नहीं है। वास्तविक जिम्मेदारी उसके बाद शुरू होती है। बच्चे को जन्म देना अपेक्षाकृत आसान है, किंतु उसे एक जिम्मेदार, शिक्षित और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है।

जब कोई दंपति 50 वर्ष की आयु में माता-पिता बनता है, तो यह स्वाभाविक है कि जब बच्चा बारहवीं कक्षा में पहुँचेगा, तब माता-पिता की आयु लगभग 68 से 70 वर्ष के बीच होगी। यह जीवन का वह चरण होता है जब अधिकांश लोग सेवानिवृत्ति के बाद आरामदायक जीवन की अपेक्षा करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में अनेक परिवर्तन आते हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड, हृदय रोग, गठिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ सामान्य हो जाती हैं। ऐसे में बच्चे की पढ़ाई, करियर और भावनात्मक जरूरतों के लिए पहले जैसी सक्रियता बनाए रखना आसान नहीं होता।

किशोरावस्था और युवावस्था किसी भी बच्चे के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होती है। इसी अवधि में उसे सही मार्गदर्शन, आत्मविश्वास और भावनात्मक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उच्च शिक्षा का चयन, करियर की योजना और जीवन से जुड़े अनेक निर्णय इसी उम्र में लिए जाते हैं। यदि उस समय माता-पिता स्वयं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हों, तो बच्चे और परिवार दोनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। कई बार बच्चे को अपनी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के साथ-साथ माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है।

इस विषय का एक सामाजिक पक्ष भी है। विद्यालयों और सामाजिक आयोजनों में बच्चे अपने

मित्रों और सहपाठियों के बीच रहते हैं। कई बार उम्रदराज माता-पिता होने के कारण बच्चों को अनावश्यक टिप्पणियों या मजाक का सामना करना पड़ सकता है। यद्यपि यह समाज की अपरिपक्वता का परिचायक है, फिर भी इसका प्रभाव बच्चे के मनोविज्ञान पर पड़ सकता है। बच्चे अक्सर अपने साथियों के बीच स्वयं को सहज और स्वीकार्य महसूस करना चाहते हैं। ऐसी परिस्थितियाँ कभी-कभी उनके आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी देर से मातृत्व-पितृत्व कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। IVF उपचार पर लाखों रुपये खर्च हो सकते हैं। अनेक परिवार इसके लिए अपनी बचत समाप्त कर देते हैं या ऋण लेते हैं। इसके बाद बच्चे के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं पर निरंतर खर्च होता है। आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना पहले की तुलना में कहीं अधिक महंगा हो चुका है। यदि माता-पिता पहले से आर्थिक दबाव में हों और सेवानिवृत्ति के निकट हों, तो भविष्य में बच्चे की उच्च शिक्षा और करियर निर्माण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना कठिन हो सकता है।

महिलाओं के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रकृति ने प्रजनन के लिए एक जैविक समय-सीमा निर्धारित की है। रजोनिवृत्ति या मेनोपॉज इस बात का संकेत है कि शरीर प्रजनन क्षमता के अंतिम चरण में पहुँच चुका है। आधुनिक चिकित्सा तकनीकें इस सीमा को कुछ हद तक आगे बढ़ा सकती हैं, किंतु वे उम्र से जुड़ी सभी चुनौतियों को समाप्त नहीं कर सकतीं। अधिक आयु में गर्भधारण और प्रसव के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता।

हालाँकि इस विषय पर चर्चा करते समय संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि अधिक आयु में माता-पिता बनने वाला हर व्यक्ति अपने बच्चे के लिए समस्या बन जाएगा।

अनेक लोग 60 वर्ष की आयु में भी पूरी तरह स्वस्थ, सक्रिय और आर्थिक रूप से सक्षम होते हैं। वहीं कई युवा माता-पिता भी अपने बच्चों को पर्याप्त समय और संसाधन नहीं दे पाते। इसलिए किसी निर्णय का मूल्यांकन केवल उम्र के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन औसत परिस्थितियों को देखते हुए आयु एक महत्वपूर्ण कारक अवश्य है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस संदर्भ में गोद लेने का विकल्प भी विचारणीय है। हमारे देश में हजारों ऐसे बच्चे हैं जो किसी कारणवश माता-पिता के स्नेह और संरक्षण से वंचित हैं। यदि सक्षम परिवार उन्हें अपनाएँ, तो न केवल उन बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है, बल्कि परिवारों को भी संतान सुख प्राप्त हो सकता है। दुर्भाग्य से आज भी समाज में जैविक संतान को अधिक महत्व दिया जाता है, जिसके कारण अनेक लोग गोद लेने जैसे सकारात्मक विकल्प पर गंभीरता से विचार नहीं करते।

वास्तव में माता-पिता बनने का अर्थ केवल अपनी इच्छा पूरी करना नहीं है। इसका अर्थ है आने वाले बीस-पच्चीस वर्षों तक बच्चे के जीवन में सक्रिय भागीदारी निभाना, उसके सपनों को समर्थन देना और हर परिस्थिति में उसके साथ खड़ा रहना। इसलिए संतान प्राप्ति का निर्णय लेते समय केवल वर्तमान की खुशी नहीं, बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। भावनाएँ महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दूरदर्शिता भी उतनी ही आवश्यक है।

अंतत: प्रश्न इच्छुक्त या चिकित्सा विज्ञान का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या हम अपने निर्णयों के दीर्घकालिक परिणामों पर पर्याप्त विचार कर रहे हैं। संतान जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक है, लेकिन वह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। इसलिए देर से मातृत्व-पितृत्व का निर्णय लेने से पहले स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों और सबसे बढ़कर बच्चे के भविष्य को केंद्र में रखकर सोचने की आवश्यकता है। क्योंकि किसी भी बच्चे का सर्वोत्तम हित ही हर निर्णय का आधार होना चाहिए। यही परिपक्व अभिभावकत्व की पहचान है।

स्वाधीनता संग्राम में अमर नाम है राम प्रसाद बिस्मिल का

महेन्द्र तिवारी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में वैचारिक चेतना और सशस्त्र क्रांति का एक ऐसा अनूठा संगम देखने को मिलता है जिसने दमनकारी ब्रिटिश सत्ता की नींव हिलाकर रख दी थी। इस अद्वितीय संगम के सबसे प्रखर प्रतीक पुरुष थे अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल। वे केवल एक निर्भीक सेनानी ही नहीं थे बल्कि एक संवेदनशील कवि, लेखक, अनुवादक और बहुभाषाविद भी थे। उनकी कलम से निकले शब्द जहाँ युवाओं के भीतर देशभक्ति की ज्वाला धधका देते थे, वहीं उनके हाथों में थमी पिस्तौल विदेशी शासकों के मन में भय का संचार करती थी। कलम और पिस्तौल का ऐसा अद्भुत संतुलन इतिहास में विरला ही देखने को मिलता है। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति हंसते-हंसते दे दी और आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रवाद का एक ऐसा अनुपम आदर्श स्थापित किया जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

इस महान क्रांतिकारी का जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर नामक नगर में हुआ था। उनके पिता मुरलीधर एक साधारण और स्वाभिमानी व्यक्ति थे जबकि उनकी माता मूलमती धार्मिक और दृढ़ संकल्प वाली महिला थीं। बिस्मिल के व्यक्तित्व के निर्माण में उनकी माता का प्रभाव सबसे गहरा था जिन्होंने उन्हें सदा सत्य और देशप्रेम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। बचपन में उनकी शिक्षा-दीक्षा स्थानीय स्तर पर हुई जहाँ उन्होंने हिंदी, उर्दू और संस्कृत भाषाओं का गहन अध्ययन किया। वे उर्दू में बिस्मिल उपनाम से कविताएँ लिखते थे जबकि हिंदी में राम और अज्ञात के नाम से उनकी रचनाएँ प्रकाशित होती थीं। किशोरावस्था में स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों और आर्य समाज के सिद्धांतों ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी जिससे उनके भीतर अनुशासन और राष्ट्र सेवा का संकल्प और अधिक सुदृढ़ हो गया।

देश की पराधीनता और देशवासियों पर होने वाले अत्याचारों ने उन्हें सक्रिय क्रांति के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए विवश कर दिया। वर्ष 1918 में उन्होंने मैनपुरी षड्यंत्र के माध्यम से ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी जहाँ उन्होंने युवाओं का एक दल बनाकर देशभक्ति साहित्य का वितरण किया। इसके बाद वे स्वतंत्रता आंदोलन को एक अधिक संगठित और राष्ट्रव्यापी रूप देने के प्रयास में जुट गए। इसी उद्देश्य से उन्होंने अन्य क्रांतिकारियों के साथ मिलकर हिंदुस्तान गणतंत्र संघ नामक एक शक्तिशाली क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की। इस संगठन का मुख्य लक्ष्य भारत को पूर्ण स्वतंत्रता दिलाना और एक लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना करना था। बिस्मिल इस संगठन के मुख्य रणनीतिकार और सेनापति थे। उनके नेतृत्व में चंद्रशेखर आज़ाद और अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ जैसे महान क्रांतिकारियों ने अपनी देशभक्ति का पाठ सीखा।

क्रांतिकारी गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने और अस्त्र-शस्त्र खरीदने के लिए धन की अत्यधिक आवश्यकता थी। विदेशी सरकार से धन मांगना असंभव था और देश की गरीब जनता को लूटना क्रांतिकारियों के सिद्धांतों के विरुद्ध था। इसलिए बिस्मिल ने अंग्रेजी सरकार का खजाना लूटने की एक अत्यंत साहसिक योजना बनाई। 9 अगस्त 1925 को उनके कुशल नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने लखनऊ के समीप काकोरी नामक स्थान पर सहारनपुर से लखनऊ जा रही एक यात्री रेलगाड़ी को रोककर सरकारी खजाने को अपने नियंत्रण में ले लिया। इस ऐतिहासिक घटना को काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है। इस घटना ने ब्रिटिश साम्राज्य को भीतर तक झकझोर दिया और सरकार ने क्रांतिकारियों को पकड़ने के लिए अपनी पूरी शक्ति झोंक दी। व्यापक धरपकड़ के बाद बिस्मिल सहित कई प्रमुख क्रांतिकारियों को बंदी बना लिया गया।

बोध कथा

माँ ममता का सागर नहीं..पर महासागर है

एक सौदागर राजा के महल में दो गायों को लेकर आया - दोनों ही स्वस्थ, सुंदर व दिखने में लगभग एक जैसी थीं। सौदागर ने राजा से कहा 'महाराज - ये गायें माँ - बेटी हैं परन्तु मुझे यह नहीं पता कि माँ कौन है व बेटी कौन - क्योंकि दोनों में खास अंतर नहीं है। मैंने अनेक जगह पर लोगों से यह पूछा किंतु कोई भी इन दोनों में माँ - बेटी की पहचान नहीं कर पाया बाद में मुझे किसी ने यह कहा कि आपका बुजुर्ग मंत्री बेहद कुशाग्र बुद्धि का है और यहाँ पर मुझे अवश्य मेरे प्रश्न का उत्तर मिल जाएगा...इसलिए मैं यहाँ पर चला आया - कृपया मेरी समस्या का समाधान किया जाए।' यह सुनकर सभी दरबारी मंत्री की ओर देखने लगे मंत्री अपने स्थान से उठकर गायों की तरफ गया। उसने दोनों का बारीकी से निरीक्षण किया किंतु वह भी नहीं पहचान पाया कि वास्तव में कौन मां है और कौन बेटी ? अब मंत्री बड़ी दुविधा में फंस गया, उसने सौदागर से एक दिन की मोहलत मांगी। घर आने पर वह बेहद परेशान रहा - उसकी पत्नी इस बात को समझ गई। उसने जब मंत्री से परेशानी का कारण पूछा तो उसने सौदागर की बात बता दी। यह सुनकर पत्नी बोली 'अरे ! बस इतनी सी बात है - यह तो मैं भी बता सकती हूँ ।' अगले दिन मंत्री अपनी पत्नी को वहाँ ले गया जहाँ गायें बंधी थीं। मंत्री की पत्नी ने दोनों गायों के आगे अच्छा भोजन रखा - कुछ ही देर बाद उसने माँ व बेटी में अंतर बता दिया ।

व्यंग्य केसरी

लूट मची है लूट, लूट सके तो लूट!

अशोक मतवाला

कभी भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। इतिहासकार बताते हैं कि यहां इतना धन था कि दुनिया भर के लुटेरे समुद्र और पहाड़ पार करके चले आते थे। आज भी भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता है, फर्क सिर्फ इतना है कि अब लुटेरों को बाहर से आने की ज़रूरत नहीं पड़ती। हमने यह व्यवस्था आत्मनिर्भर बना ली है।

राजनीति में इन दिनों 'गद्दार महोत्सव' चल रहा है। एक नेता दूसरे को गद्दार कह रहा है, दूसरा पहले को राष्ट्रविरोधी बता रहा है, तीसरा दोनों को लोकतंत्र का दुश्मन घोषित कर रहा है। जनता बेचैन है कि आखिर देशभक्त बचा कौन है?

टीवी चैनल खोलिए। वहां एंकर ऐसे चिल्ला रहे हैं जैसे अगले ही पल दुश्मन देश पर विजय प्राप्त कर लेंगे। प्रवक्ता ऐसे लड़ रहे हैं मानो महाभारत का अठारहवां दिन चल रहा हो। बीच-बीच में विज्ञापन आता है— 'देश की चिंता छोड़िए, यह साबुन खरीदिए!'

राजनीति का गणित बड़ा सरल है। सत्ता में बैठा व्यक्ति खुद को राष्ट्र का अंतिम रक्षक मानता है और विपक्ष को संकट। विपक्ष में बैठा व्यक्ति खुद को लोकतंत्र का अंतिम प्रहरी मानता है और सत्ता को संकट। दोनों की बात सुनकर लगता है कि देश पिछले पचहत्तर साल से संकटों के आईसीयू में पड़ा है, जबकि उसी बीच चंद्रयान भी उड़ गया, मेट्रो भी चल गई और लोग रोज सुबह काम पर भी जाने लगे।

सबसे दिलचस्प प्राणी है— चमचा। चमचा किसी भी युग में विलुप्त नहीं होता। नेता छींक दे तो चमचा कहेगा, 'वाह! क्या ऐतिहासिक छींक थी!' नेता चुप रहे तो बोलेगा, 'देखिए, कितनी दूरदर्शी चुप्पी है।' नेता गलती कर दे तो समझाएगा कि यह गलती नहीं, एक रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक है।

दूसरी तरफ विरोधी चमचे भी कम प्रतिभाशाली नहीं होते। उनके अनुसार विपक्ष का हर बयान क्रांति है और सत्तापक्ष का हर कदम साजिश। सच कहीं बीच में खड़ा मुस्कुरा रहा होता है, लेकिन उसकी सुनने की फुर्सत किसी को नहीं।

उधर जनता भी कम मजेदार नहीं। चुनाव आते ही वह नेताओं को गालियां देती है। चुनाव के दिन जाति, धर्म, क्षेत्र, मुफ्त योजनाओं और नारों के हिसाब से वोट डालती है। फिर पांच साल तक पूछती है— 'देश का ये हाल किसने किया?'

आज हालत यह है कि हर तरफ एक ही नारा सुनाई देता है— 'लूट मची है लूट, लूट सके तो लूट!' कोई वोट लूट रहा है, कोई नोट लूट रहा है, कोई लाइक और फॉलोअर लूट रहा है, कोई टीवी की टीआरपी लूट रहा है। और जो कुछ नहीं लूट पा रहा, वह कम से कम सुर्खियां तो लूट ही रहा है।

फिर भी भारत चल रहा है। किसान खेत में है, सैनिक सीमा पर है, वैज्ञानिक प्रयोगशाला में है, मजदूर निर्माण स्थल पर है। देश नेताओं की बयानबाज़ी से कम और आम आदमी की मेहनत से ज़्यादा चलता है।

शायद यही भारत की असली ताकत है। सोने की चिड़िया अभी मरी नहीं है। बस वह नेताओं, चमचों, बहसों और नारों के शोर के बीच किसी पेड़ पर बैठी यह सोच रही है कि आखिर उसे लूट कौन रहा है—और बचा कौन रहा है.

विक्टोरिया, टेक्सास, USA

इतिहास

10 जून को इतिहास में कई महत्वपूर्ण और बड़ी घटनाएं दर्ज हैं। आज ही के दिन 1940 में इटली ने द्वितीय विश्व युद्ध में प्रवेश किया था। वहीं 1941 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट और ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने ऐतिहासिक अटलांटिक चार्टर की घोषणा की। 1692 में सलेम विच ट्रायल्स (Salem witch trials) के तहत ब्रिगेड बिषप को डायन करार देकर फांसी दी गई थी।अन्य महत्वपूर्ण घटनाएं:1190: तीसरे क्रूज़ेड (धर्मयुद्ध) के दौरान जेरूसलम जाते समय रोमन सम्राट फ्रेडरिक I बारब्रोसा डूब गए।1786: चीन के सिचुआन प्रांत में भूकंप और भूस्खलन के कारण बांध टूटने से लगभग 100,000 लोगों की मृत्यु हो गई थी।1929: प्रसिद्ध अमेरिकी जीवविज्ञानी ई.ओ. विल्सन का जन्म हुआ। 2016: कनाडाई आइस हॉकी खिलाड़ी गॉर्डियन (गॉर्डी) होवे का निधन हुआ।

संक्षिप्त खबरें

मालगेर नदी में नहाने गए 4-4 साल के दो मासूम की डूबने से हुई मौत

सुकमा। जिले के गादीरास थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम एटपाल के कवासीपारा में एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। मालगेर नदी में डूबने से 4-4 वर्ष के दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बच्चों की पहचान गीता करटामी (4 वर्ष) और अशोक पोडियम (4 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चे सुबह घर से खेलते-खेलते मालगेर नदी की ओर चले गए। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान नदी किनारे बच्चों के कपड़े मिले, जिसके बाद ग्रामीणों को अनहोनी की आशंका हुई। तत्काल नदी में तलाश अभियान चलाया गया। कुछ देर बाद दोनों बच्चों को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, दोनों मासूमों की मौत हो चुकी थी। मिली जानकारी के अनुसार घटना के समय बच्चों के परिजन जंगल में लकड़ी लेने गए हुए थे, और बच्चे घर पर अकेले थे। इसी दौरान वे नदी तक पहुंच गए और हादसे का शिकार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। आवश्यक कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम उपरांत दोनों बच्चों के शव परिजनों को सौंप दिए गए। प्रशासन ने अभिभावकों से छोटे बच्चों पर विशेष निगरानी रखने तथा नदी, तालाब और अन्य जल स्रोतों के आस-पास अतिरिक्त सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रक से टकराई कार, ओडिशा के शिक्षा मंत्री के भांजे सहित 4 गंभीर

कोंड़ागांव । जिले के सिटी कोतवाली कोंड़ागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 30 सुकुरपाल के पास बुधवार सुबह 3 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में ओडिशा के शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के भांजे, उनके निज सहायक क्षेत्रीय, शिक्षक और किसान गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल कोण्डागांव में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। मिली जानकारी अनुसार ओंडरी निवासी शिक्षक एवं वाहन चालक मोहरधन ध्रुव (42) अपनी कार से ओडिशा के शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के भांजे यशवंत समरथ (42), मंत्री के निज सहायक क्षेत्रीय श्यामलाल कलार (32) तथा किसान तम्मन गोंड (50) के साथ जगन्नाथ पुरी से लौट रहे थे। सभी उमरकोट की ओर से कोण्डागांव होते हुए यशवंत समरथ को भानपुरी छोडने जा रहे थे। इसी दौरान बुधवार सुबह करीब 3 बजे सुकुरपाल के पास उनकी कार ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कार सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल कोण्डागांव लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

बिलासपुर कानन पेंडारी जू में लागू हुआ 'समर केयर प्लान'

बिलासपुर। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए बिलासपुर स्थित कानन पेंडारी जू प्रबंधन ने की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर विशेष दावे किए हैं। जू में 'समर केयर योजना' लागू करने के लिए गर्मी से राहत देने की व्यापक व्यवस्थाएं दी गई हैं। जू प्रबंधन के अनुसार टाइगर, पैंथर और अन्य मांसाहारी डेयरी के उपकरणों में प्लास्टिक, स्प्रिंकलर सिस्टम और अतिरिक्त पानी की टंकियां लगाई गई हैं, जिससे उपकरणों का स्तर नियंत्रित रहता है इसके अलावा कई जगहों पर पानी का क्रीड़ा भी नियमित रूप से किया जा रहा है। गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए प्रत्येक घटक में भी बदलाव किया गया है। इन्हें तरल पदार्थों से भरपूर और अवांछित तासीर वाला भोजन दिया जा रहा है, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो और वे निर्जलीकरण से सुरक्षित रहें। वहीं जू की मेडिकल टीम में कॉन्स्टेबल ऑर्थोडॉक्स के स्वास्थ्य, स्वाद और विविधता पर नजर रखी गई है। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या सामने आने पर तत्काल उपचार की व्यवस्था की जाती है। जू प्रबंधन का कहना है कि बढ़ती ठंड के बीच सभी पेड़-पौधे स्वस्थ हैं और उनकी एवं देखभाल के लिए सुरक्षा के हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। यह विशेष समर केयर प्लान हीट के पूरे सीजन के दौरान जारी किया जा रहा है।

80 गांवों की सेहत भगवान भरोसे, झलप स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर तीन माह से नहीं

ग्रामीणों को इलाज के लिए कई किलोमीटर की करनी पड़ती है यात्रा

महासमुंद (संवाददाता)। जिले के झलप स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की अनुपस्थिति ने ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। करीब 80 गांवों की आबादी जिस अस्पताल पर निर्भर है, वहां पिछले कई महीनों से चिकित्सकीय सेवाएं प्रभावित हैं। परिणामस्वरूप मरीजों को मामूली बीमारी के इलाज के लिए भी दूसरे अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग-53 के किनारे स्थित 20 बिस्तरों वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झलप में एक चिकित्सा अधिकारी और दो रजिस्टर्ड मेडिकल असिस्टेंट (आरएमए) के पद स्वीकृत हैं। विभागीय रिकॉर्ड में एक चिकित्सा अधिकारी और एक आरएमए पदस्थ बताए गए हैं, लेकिन वर्तमान में दोनों ही अवकाश पर हैं। चिकित्सा अधिकारी पीजी की पढ़ाई के लिए तीन माह से अवकाश पर हैं, जबकि आरएमए दो माह से संतान पालन अवकाश पर हैं। पहले यहां अटैच किए गए एक अन्य आरएमए को भी उसके मूल पदस्थापना स्थल पर वापस भेज दिया गया है।

स्थिति यह है कि अस्पताल का संचालन दो ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और अन्य कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है। मरीजों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अधिकांश मामलों में रेफर करना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों को इलाज के लिए अतिरिक्त खर्च उठाने के साथ ही लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टर नहीं होने से सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को हो रही है। कई बार आपात स्थिति में मरीजों को निजी वाहनों से महासमुंद या अन्य स्वास्थ्य केंद्रों तक ले जाना पड़ता है।

मामले पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि झलप स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की अनुपस्थिति की जानकारी मिली है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि महासमुंद जिले में 222 उप स्वास्थ्य केंद्र, 30 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और एक जिला अस्पताल संचालित हैं। ऐसे में झलप अस्पताल की मौजूदा स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और संसाधनों की कमी पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

चावल वाले बाबा दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार, महिला ने लगाए थे आरोप

महासमुंद/रायपुर (संवाददाता)। खुद को ज्योतिषाचार्य बताने वाले और 'चावल वाले बाबा' के नाम से पहचान रखने वाले नरेंद्र नयन शास्त्री को महासमुंद पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी रायपुर के सिलयारी क्षेत्र का निवासी है और ग्रामीण इलाकों में कथा व ज्योतिष परामर्श देने के लिए जाना जाता था।

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि वह शारीरिक दर्द की समस्या के इलाज के लिए नरेंद्र शास्त्री के संपर्क में आई थी। इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में महिला की शिकायत पर बागबाहरा थाना में एफआईआर दर्ज की गई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 376(2)(j), 376(2)(n) और 376(2)(m) के तहत मामला दर्ज किया है। बागबाहरा पुलिस की टीम रायपुर पहुंची और सिलयारी से आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए महासमुंद ले गई। बाद में उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछले एक वर्ष में छत्तीसगढ़ में कई कथित बाबाओं के खिलाफ दुष्कर्म और अन्य गंभीर आरोपों में कार्रवाई की जा चुकी है।

2 वर्षीय बच्ची का कथित अपहरण 20 से अधिक थाना क्षेत्रों में अलर्ट

दंतेवाड़ा (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण थाना क्षेत्र से 2 वर्षीय बच्ची के कथित अपहरण का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, बच्ची बुधवार दोपहर अपने घर के आंगन में खेल रही थी, तभी वैन से पहुंचे कुछ फेरीवालों पर उसे उठाकर ले जाने का आरोप लगा है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नदी कोंटा पारा में दोपहर करीब 1 बजे बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। उसके साथ मौजूद दूसरी बच्ची ने घटना के बाद जोर-जोर से रोना शुरू किया। परिजन बाहर पहुंचे, लेकिन तब तक संदिग्ध लोग बच्ची को लेकर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। दंतेवाड़ा, कटेकल्याण, दरभा, पखनार, अरनपुर, कुआकोंडा, भांसी, बचेली, भैरमगढ़, नेलसनार, कोड़ेनार, परपा और जगदलपुर समेत 20 से अधिक थाना क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है। सीमावर्ती इलाकों में भी निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। हालांकि, संदिग्ध फेरीवालों की पहचान, उनकी गाड़ी का नंबर और उनके आने-जाने के संबंध में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

दंतेवाड़ा सिटी कोतवाली थाना प्रभारी धनंजय सिन्हा, कटेकल्याण थाना प्रभारी निर्मल वर्मा समेत पुलिस की कई टीमें मौके पर तैनात हैं। दंतेवाड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के. बर्मन ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और बच्ची की तलाश के लिए सभी संभावित स्थानों पर सर्च अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिलेगी।

सेक्टर-7 में फैला पीलिया स्वास्थ्य विभाग ने दूषित पानी को कारण बताया

भिलाई। भिलाई टाउनशिप के सेक्टर-7 इलाके में एक बार फिर पीलिया के मामले सामने आने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। स्वास्थ्य विभाग ने शुरुआती जांच में दूषित पेयजल को बीमारी फैलने की संभावित वजह माना है। प्रभावित क्षेत्र में साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं और स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

दरअसल भिलाई के सेक्टर-7 के वार्ड क्रमांक 67 में पीलिया के तीन नए मरीज मिले हैं। इससे पहले अप्रैल माह में इसी इलाके की स्ट्रीट नंबर 37-ए में 9 से 14 अप्रैल के बीच 37 मरीजों की पहचान हुई थी। अब फिर से नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है।जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे ने बताया कि तीनों मरीजों की स्थिति फिलहाल सामान्य है और उनका उपचार जारी है। एहतियात के तौर पर मेडिकल मोबाइल यूनिट को प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पेयजल के सैंपल एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि बीमारी के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर सर्वे कर रही है और लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे पानी को उबालकर और छानकर ही उपयोग करें तथा किसी भी तरह के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। आपको बता दे की पहले स्ट्रीट नंबर 37 और 38 में बीमारी के मामले सामने आए थे, लेकिन अब इसका प्रभाव स्ट्रीट नंबर 41, 42 और 43 तक पहुंच गया है। रहवासियों ने खराब पाइपलाइन और दूषित जलापूर्ति को समस्या की मुख्य वजह बताते हुए स्थायी समाधान की मांग की है।

गांजा और अवैध शराब के साथ एक महिला समेत तीन गिरफ्तार

बिलासपुर। रतनपुर पुलिस ने अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान चलाकर तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की है। पुलिस की टीम ने बिर ग्रामघानी और लाखाराम के पास से 18 लीटर देशी प्लेन शराब और 14 लीटर पुरान देशी प्लेन शराब बरामद की। एक अन्य कार्रवाई में ग्राम कलमीटाड़ में गीता बाई बंजारे के पास से 310 ग्राम तंबाकू और उसकी बिक्री से मिले 270 रुपये की नकदी जब्त हो गई। गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को प्लास्टिक विरोधी प्लास्टिक अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

स्वच्छता जन-आंदोलन बने, तभी साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : सावित्री ठाकुर

बिलासपुर के पुराना बाजार, सकरी में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ने किया नागरिकों का आह्वान

बिलासपुर। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा है कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार है। स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक स्वच्छता जन-आंदोलन का स्वरूप नहीं लेती, तब तक विकसित भारत का लक्ष्य पूर्ण रूप से साकार नहीं हो सकता।

ठाकुर बिलासपुर के पुराना बाजार, सकरी क्षेत्र में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में सहभागी हुईं। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, विधायक धरमलाल कौशिक तथा छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष हर्षिता पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वच्छता के प्रति अभूतपूर्व जन-जागरूकता का वातावरण निर्मित हुआ है। स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों की सोच और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। आज देश के गांवों, कस्बों और शहरों में स्वच्छता के प्रति बढ़ी जागरूकता उसके परिणामों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व सार्वजनिक स्थलों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों तथा अन्य नागरिक सुविधाओं के आसपास स्वच्छता की स्थिति चिंताजनक रहती थी, लेकिन जनभागीदारी और सतत प्रयासों के कारण आज परिस्थितियों में व्यापक सुधार देखने को मिल रहा है।

शर्मा पटाखा गोदाम में लगी आग, जनहानि की सूचना नहीं

कोरबा। कटघोरा थाना क्षेत्र के रामपुर स्थित एक पटाखा गोदाम में बुधवार को भीषण आग लग गई। आग लगते ही गोदाम में रखे पटाखों में लगातार विस्फोट होने से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना के दौरान आसमान में धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दिया। फिलहाल राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर स्थित शर्मा पटाखा गोदाम में अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें देखते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गोदाम में रखे पटाखों के फटने से लगातार तेज धमाके सुनाई देते रहे, जिससे आसपास के ग्रामीण और स्थानीय लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे। घटना की सूचना मिलते ही कटघोरा नगर पालिका की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि आग की भयावहता को देखते हुए अन्य क्षेत्रों से भी अतिरिक्त दमकल वाहनों को बुलाया जा रहा है। मौके पर पुलिस बल भी तैनात है। सुरक्षा के मद्देनजर इलाके को घेरकर लोगों को दूर रखा जा रहा है। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है। समाचार लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली थी।

सरकार ने टेक्सटाइल पीएलआई स्कीम में 22 नई कंपनियों को शामिल किया; 2,339 करोड़ रुपए का होगा निवेश

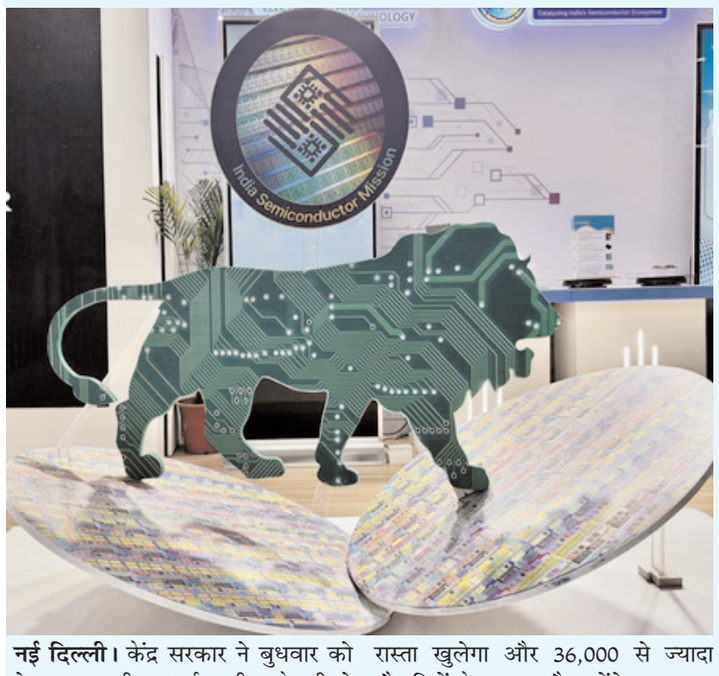

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को टेक्सटाइल पीएलआई स्कीम के तीसरे राउंड के तहत 22 नए आवेदनों को मंजूरी दे दी। इससे टेक्सटाइल क्षेत्र में 2,339.14 करोड़ रुपए के निवेश का रास्ता खुलेगा और 36,000 से ज्यादा नौकरियों के अवसर पैदा होंगे।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इन प्रोजेक्ट्स में नोटिफाइड टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स से 15,561.34 करोड़ रुपए का टर्नओवर होने और टेक्सटाइल वैल्यू चेन में 36,217 रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है।

नई मंजूरी के साथ टेक्सटाइल पीएलआई स्कीम में कुल कंपनियों की संख्या बढ़कर 96 हो गई है।

संयुक्त रूप से इन सभी कंपनियों ने 12,822.67 करोड़ रुपए का निवेश किया है और इससे 58,294.18 करोड़ रुपए का टर्नओवर होने की संभावना है।

मंजूरी पाने वाली कंपनियां इस स्कीम के मुख्य क्षेत्रों में काम करती हैं, जिनमें मैन-मेड फाइबर (एमएमएफ) के कपड़े, एमएमएफ फैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल शामिल हैं।

सरकार का मानना ??है कि इन क्षेत्रों के विस्तार से वैल्यू-एडेड टेक्सटाइल उत्पादों के लिए भारत की स्थिति एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर मजबूत होगी।

मंजूरी का यह नया दौर दिखाता है कि टेक्सटाइल सेक्टर के उभरते और तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने की सरकार की कोशिशों में इंडस्ट्री की लगातार दिलचस्पी बनी हुई है।

पीएलआई स्कीम का मकसद घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना, कॉम्पिटिशन की क्षमता बढ़ाना और इंडस्ट्री में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना है।

अधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित निवेश और प्रोडक्शन क्षमता से एक मजबूत और ग्लोबल स्तर पर कॉम्पिटिटिव टेक्सटाइल इकोसिस्टम के विकास में मदद मिलने की उम्मीद है।

यह पहल घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाकर और रोजगार के अवसर पैदा करके सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के अनुरूप भी है।

टेक्सटाइल के लिए पीएलआई स्कीम इस सेक्टर में ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए एक अहम पॉलिसी के तौर पर उभरी है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां निर्यात की काफी संभावना है और ज्यादा वैल्यू एडिशन होता है। इससे भारत को ग्लोबल टेक्सटाइल सप्लाई चेन में अपनी मजबूत स्थिति बनाने में मदद मिल रही है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनावों के बीच कीमती धातुओं में गिरावट, सोना और चांदी 1.4 प्रतिशत फिसले

मुंबई । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता के चलते बुधवार के सत्र में एक बार फिर कीमती धातुओं यानी सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर अगस्त वायदा सोना 1,49,926 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुलकर करीब 2 प्रतिशत गिरकर 1,49,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि एमसीएक्स सिल्वर जुलाई वायदा 2,34,009 रुपए प्रति किलोग्राम खुलकर करीब 2 प्रतिशत तक फिसलकर 2,33,400 रुपए के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गई।

वहीं, खबर लिखे जाने तक (सुबह 11.15 बजे के करीब) एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना 1.41 प्रतिशत यानी 2,154 रुपए की गिरावट के साथ 1,50,289 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, तो वहीं जुलाई डिलीवरी वाली चांदी 1.40 प्रतिशत यानी 3,328 रुपए की गिरावट के साथ 2,35,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

वहीं, इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार, बीते मंगलवार को 999 प्यूरिटी वाला सोना 1,52,519 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था, जबकि 999 प्यूरिटी वाली चांदी की कीमत 2,45,938 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

ध्यान देने वाली बात है कि बीते कुछ दिनों में सोने-चांदी की कीमतों में काफी गिरावट दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर चांदी जहां अपने ऑल टाइम हाई 4,57,328 रुपए से 2.21 लाख रुपए नीचे आ चुकी है, वहीं सोना अपने ऑल टाइम हाई 2,04,375 रुपए से 53,700 रुपए से ज्यादा फिसल चुका है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, एमसीएक्स गोल्ड के लिए फिलहाल 1,52,000 रुपए का स्तर इमीडिएट रेजिस्टेंस है। यदि सोना इस स्तर के ऊपर मजबूती से टिकता है, तो इसमें तेजी का रुख मजबूत हो सकता है, और कीमतें 1,54,000-1,55,000 रुपए के दायरे तक पहुंच सकती हैं।

वैश्विक अस्थिरता के बीच सेंसेक्स सपाट बंद, मिडकैप और स्मॉलकैप में हुई बिकवाली

मुंबई । वैश्विक अस्थिरता के चलते भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांक बुधवार के कारोबारी सत्र में सपाट बंद हुए। दिन के अंत में सेंसेक्स 64.42 अंक की मामूली तेजी के साथ 73,983.18 और निफ्टी 27.15 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 23,214.95 पर था।

व्यापक बाजारों में बड़ी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 905.25 अंक या 1.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,810.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 241.10 अंक या 1.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,822.50 पर बंद हुआ।

निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी ऑयलएंडगैस और निफ्टी पीएसयू बैंक लाल निशान में बंद हुए।

दूसरी तरफ, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी सर्विसेज हरे निशान में थे।

सेंसेक्स एचयूएल, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, सन फार्मा, पावर ग्रिड और टीसीएस हरे निशान में थे। इटरनल, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, टाइटन, एचसीएल टेक, एमएंडएम, भारती एयरटेलस, एनटीपीसी, बीईएल, इन्फोसिस और ट्रेंट लाल निशान में बंद हुए।

बाजार के जानकारों के मुताबिक, सोल, हांगकांग, टोक्यो और अन्य वैश्विक बाजारों में गिरावट भारतीय बाजार में बिकवाली की एक वजह है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली भी बाजार पर दबाव बनाने का काम कर रही है।

मंगलवार को एफआईआई ने इक्विटी में 4,566.03 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी।

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच ताजा तनाव ने भारत के साथ वैश्विक बाजारों पर दबाव बनाने का काम किया। इससे कच्चे तेल में भी तेजी देखी जा रही है, जिससे ब्रेंट क्रूड फिर से 92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,918.76 से 69.51 अंक चढ़कर 73,988.27 पर खुला, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,242.10 से 8.15 अंक गिरकर 23,233.95 पर खुला। हालांकि बाद में दोनों प्रमुख बेंचमार्कों में बढ़त देखने को मिली थी।

केंद्र ने एलपीजी के दुरुपयोग के चलते उज्ज्वला स्कीम में घटाई सिलेंडर्स की संख्या : हरदीप पुरी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले सिलेंडर्स की संख्या को घटाकर वार्षिक स्तर पर नौ से चार करने पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि यह कदम कुछ लाभार्थियों द्वारा सब्सिडी वाले सिलेंडर्स के दुरुपयोग के चलते उठाया गया है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में पुरी ने कहा कि यह कदम इस सबूत के आधार पर उठाया गया था कि कई लाभार्थियों को अतिरिक्त सिलेंडरों की जरूरत नहीं थी और कुछ सिलेंडरों का इस्तेमाल कमर्शियल कामों के लिए किया जा रहा था।

उन्होंने कहा, 'आज सुबह से ही इस बात पर काफी चर्चा हो रही है कि हमने उज्ज्वला सिलेंडर्स की संख्या नौ से घटाकर चार कर दी है। लेकिन अगर आपको चार से अधिक सिलेंडर्स की जरूरत नहीं है,

तो आपको और सिलेंडरों की क्या जरूरत होगी?'

उन्होंने तर्क दिया कि अगर किसी परिवार को साल में चार से अधिक सिलेंडर की जरूरत नहीं है, तो उन्हें और सब्सिडी वाले रिफिल देने का कोई ठोस कारण नहीं है।

पुरी ने आईएएनएस को बताया, 'हमने ऐसा इसलिए किया क्योंकि हमें भरोसेमंद जानकारी मिली थी कि हमारे कई उज्ज्वला लाभार्थियों को असल में सिलेंडर की जरूरत नहीं थी। वे सिलेंडर ले रहे थे और या तो उसे कमर्शियल इस्तेमाल के लिए बेच रहे थे, या कहीं और इस्तेमाल कर रहे थे, या फिर किसी और अधिक रुपए में दे रहे थे।'

उन्होंने बताया कि सरकार ने यह फैसला स्कीम के इस्तेमाल के तरीके को समझने और इसके गलत इस्तेमाल के मामलों की पहचान करने के बाद लिया।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को एलपीजी कनेक्शन और रियायती दरों पर रिफिल की सुविधा देकर स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई थी।

बातचीत के दौरान, पुरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन मॉडल की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि विपक्ष को प्रधानमंत्री द्वारा अपनाए गए विकास-केंद्रित दृष्टिकोण को समझना और अपनाना चाहिए। मंत्री के अनुसार, मतदाताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा का बार-बार समर्थन किया है क्योंकि वे सरकार को विकास और जमीनी स्तर पर कार्यों को पूरा करने वाली सरकार के रूप में देखते हैं।

आत्मनिर्भर भारत को बड़ी मजबूती : रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 449 करोड़ रुपए के स्वदेशी जीएनएसएस जैमर खरीदने का किया करार

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' अभियान को आगे बढ़ाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने बेंगलुरु स्थित कंपनी अकॉर्ड सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (एएसएसपीएल) के साथ 20 एन्हांस्ड कैपेबिलिटी ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (ईसीजीएनएसएस) जैमर की खरीद के लिए 449 करोड़ रुपए के अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) पर हस्ताक्षर किया है। इस परियोजना में कम से कम 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अनुबंध 10 जून 2026 को राष्ट्रीय राजधानी में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। यह खरीद 'बाय (इंडियन-इंडिजिनसली डिजाइन्ड, डेवलप्ड एंड मैन्युफैक्चर्ड)' श्रेणी के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य देश में विकसित और निर्मित रक्षा प्रणालियों को बढ़ावा देना है।

बयान में कहा गया है कि यह अत्याधुनिक प्रणाली दुश्मन के ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) रिसीवर की सिग्नल प्राप्त करने और ट्रैकिंग क्षमता को कमजोर करने में सक्षम है। इसके अलावा, यह सिग्नल स्पूफिंग और डिसेप्टिव जैमिंग जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर दुश्मन को भ्रमित भी कर सकती है।

सरल शब्दों में कहें तो यह प्रणाली दुश्मन के नेविगेशन और लक्ष्य निर्धारण सिस्टम को प्रभावित कर नौसेना के जहाजों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद करेगी।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इन जैमर प्रणालियों की तैनाती से भारतीय नौसेना के युद्धपोतों को बहु-खतरे वाले वातावरण में सुरक्षित और प्रभावी तरीके से संचालन करने में मदद मिलेगी। आधुनिक समुद्री युद्ध में इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है और यह प्रणाली उसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

यह कॉन्ट्रैक्ट न केवल भारत की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक के विकास को भी नई गति देगा। सरकार का मानना है कि इस तरह की परियोजनाएं देश को रक्षा उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने और विदेशी निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह समझौता उन्नत सैन्य तकनीकों के स्वदेशीकरण और देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। साथ ही यह भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' विजन को और मजबूती प्रदान करेगा।

मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 22,908 करोड़ रुपए का निवेश, फ्लेक्सी-कैप फंड रहे सबसे आगे: एएमएफआई डेटा

मुंबई। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेशकों की मजबूत रुचि जारी रही, जिससे इसमें 22,907.77 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) दर्ज किया गया।

म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधित परिसंपत्ति (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट-एयूएम) बढ़कर 81.58 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। वहीं, कुल फोलियो की संख्या बढ़कर 27.65 करोड़ हो गई, जो वित्तीय बाजारों में खुदरा निवेशकों की लगातार बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है।

श्रेणीवार आंकड़ों के अनुसार, फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सबसे अधिक 5,175.54 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। इसके बाद स्मॉल-कैप फंड्स में 4,945.57 करोड़ रुपए

और मिड-कैप फंड्स में 4,385.06 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया।

फ्लेक्सी-कैप, स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंड्स में कुल मिलाकर 14,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया, जो मई में इक्विटी फंड्स में हुए कुल निवेश का 63 प्रतिशत से ज्यादा है। इससे पता चलता है कि निवेशक विविधीकृत (डायवर्सिफाइड) और व्यापक बाजार आधारित निवेश रणनीतियों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

वहीं, लार्ज एंड मिड-कैप फंड्स में 3,278.22 करोड़ रुपए और मल्टी-कैप फंड्स में 2,291.01 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ।

मई के दौरान हाइब्रिड स्कीमों में भी निवेशकों का रुझान सकारात्मक रहा। इस श्रेणी में कुल 10,560.24 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया।

हाइब्रिड फंड्स में आर्बिट्रेज फंड्स सबसे आगे रहे, जिनमें 5,697.90 करोड़ रुपए का निवेश आया। इसके बाद मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में 3,928.51 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ।

पैसिव निवेश उत्पादों की बात करें तो इंडेक्स फंड्स में 943.26 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के फेज-2ए को दी मंजूरी, बनेगा 6 किलोमीटर लंबा नया मेट्रो कॉरिडोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के फेज-2ए को मंजूरी दे दी है। इस नए चरण के तहत कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट तक 6.032 किलोमीटर लंबा मेट्रो कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इस मार्ग पर कुल 5 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें 4 एलिवेटेड (ऊंचाई पर) और 1 भूमिगत स्टेशन शामिल होगा।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि फेज-2ए के पूरा होने के बाद अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई 77.63 किलोमीटर हो जाएगी। इस कॉरिडोर में आश्रम रोड, कोटेश्वर प्राचीन मंदिर, साबरमती रिवर, सरदार नगर और एयरपोर्ट स्टेशन शामिल होंगे।

बयान के अनुसार, इस परियोजना की कुल लागत 2,169.04 करोड़ रुपए होगी, जिसमें निर्माण अवधि के दौरान लगने वाला ब्याज (आईडीसी) भी शामिल है। यह परियोजना अहमदाबाद के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अहमदाबाद मेट्रो का नया फेज शहर के उन आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी देगा, जहां फिलहाल सार्वजनिक परिवहन की सुविधाएं सीमित हैं। इसके जरिए यात्रियों को एयरपोर्ट तक सीधे और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

बयान में आगे कहा गया है कि यह कॉरिडोर मौजूदा अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो नेटवर्क से भी जुड़ा रहेगा, जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच यात्रा और आसान हो जाएगी। साथ ही, भविष्य में वर्ल्ड पुलिस गेम्स 2029 और कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 जैसे बड़े आयोजनों को देखते हुए आसपास खेल सुविधाओं के विकास की संभावना भी बढ़ेगी।

मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से सड़क परिवहन पर दबाव कम होगा और ट्रैफिक जाम में राहत मिलने की उम्मीद है। इससे यात्रा का समय घटेगा, सड़क सुरक्षा बेहतर होगी और लोगों को तेज एवं सुविधाजनक परिवहन का विकल्प मिलेगा।

सरकार का कहना है कि एयरपोर्ट तक मेट्रो सेवा शुरू होने से निजी वाहनों और टैक्सियों पर निर्भरता कम होगी, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था और अधिक सुचारु बनेगी।

मेट्रो रेल को पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधन माना जाता है। अहमदाबाद और गांधीनगर में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और जीवाश्म ईंधन आधारित वाहनों पर निर्भरता घटेगी। इससे स्वच्छ और टिकाऊ शहरी परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

इसके साथ ही, बयान में कहा गया है कि नई मेट्रो लाइन से एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस डिपो जैसे प्रमुख स्थानों तक पहुंच आसान होगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। नए स्टेशनों के आसपास स्थानीय व्यवसायों, दुकानों और सेवाओं के विस्तार की संभावना बढ़ेगी, साथ ही निवेश और विकास के नए अवसर भी पैदा होंगे।

चीन के वैज्ञानिकों का बड़ा कारनामा, इंसान में एक साथ लगाए सुअर के लिवर और किडनी, चंद घंटों में हुए एक्टिव

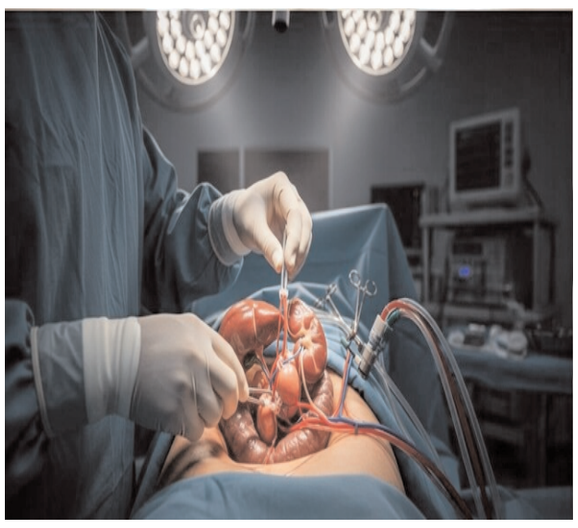

चीन में वैज्ञानिकों ने पहली बार एक ब्रेन-डेड मरीज में सुअर के लिवर और दोनों किडनी ट्रांसप्लांट किए. जेनेटिक रूप से बदले गए ये ऑर्गन लगभग 5 दिनों तक ठीक से काम करते रहे. यह एक्सपेरिमेंट ऑर्गन्स की कमी दूर करने की दिशा में एक बड़ी चिकित्सा उपलब्धि माना जा रहा है. हालांकि अभी इसमें कई चुनौतियां बाकी हैं.

मेडिकल साइंस ने बहुत तरक्की कर ली है. अब इंसान के लिवर, किडनी जैसे कुछ ऑर्गन्स फेल हो जाएं, तो उन्हें ट्रांसप्लांट करके व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है. दुनिया भर में लोगों को ऑर्गन्स डोनेट करने के लिए प्रेरित किया जाता है, ताकि जरूरतमंद लोगों को इनके जरिए नई जिंदगी मिल सके. तमाम कोशिशों के बाद भी ऑर्गन्स ट्रांसप्लांट होने का इंतजार कर रहे मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा है और ऑर्गन्स डोनेट करने वाले बहुत कम हैं. हर साल इस वजह से लाखों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं. वैज्ञानिक इसे लेकर लगातार रिसर्च भी कर रहे हैं, ताकि इंसानों के शरीर में कुछ जानवरों के ऑर्गन्स ट्रांसप्लांट किए जा सकें. इस दिशा में चीन के वैज्ञानिकों ने एक ऐतिहासिक कारनामा कर दिया है.

चीन के ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने पहली बार एक साथ सुअर के लिवर और दोनों किडनी को इंसान में ट्रांसप्लांट कर दिया. यह दुनिया का पहला ऐसा मामला बताया जा रहा है, जिसमें कई अंग एक साथ सुअर से इंसान में लगाए गए हों. सर्जरी के बाद ये नए ऑर्गन्स कुछ ही घंटों में काम करने लगे. लिवर और किडनी लगभग 5 दिनों तक ठीक से काम करते रहे. इसके बाद यह एक्सपेरिमेंट मरीज के परिवार की सहमति से रोक दिया गया. यह प्रयोग एक 53 साल के व्यक्ति पर किया गया था, जिसे ब्रेन डेड घोषित किया जा चुका था. डॉक्टर्स ने उस मरीज के शरीर से उसके लिवर और दोनों किडनी निकाल दिए और उनकी जगह सुअर के अंग लगाए थे.

सुअर के अंगों को इंसान के शरीर में फिट करने से पहले उनमें कुछ बदलाव किए गए थे. सुअर के 3 ऐसे जीन हटाए गए थे, जो इंसानों के शरीर में रिएक्शन पैदा कर सकते थे. साथ ही 3 मानव जीन जोड़े गए, ताकि खून का थक्का जमने और रिजेक्शन होने का खतरा कम हो सके. वैज्ञानिकों के अनुसार यह प्रयोग इसलिए किया गया, ताकि समझा जा सके कि जानवरों के अंग इंसानों में कितने सुरक्षित तरीके से काम कर सकते हैं. जानवरों के अंगों को इंसानों में ट्रांसप्लांट करने की प्रक्रिया को जेनोट्रांसप्लांटेशन कहा जाता है।

दुनिया में बहुत से मरीज ऐसे हैं, जिन्हें समय पर अंग नहीं मिल पाते और उनकी मौत हो जाती है. ऐसे में सुअर को इसलिए चुना जाता है, क्योंकि उसके अंग का आकार और काम इंसानों के अंगों के काफी करीब होते हैं.

यह सर्जरी चीन के गुआंग्सी मेडिकल यूनिवर्सिटी के सेकंड अफेलिएटेड हॉस्पिटल के वैज्ञानिकों की टीम ने की।

भव्य ओबेरॉय राजगढ़ पैलेस विश्व के सबसे खूबसूरत होटलों में शुमार, मस्तानी से जुड़ा है इतिहास, 1 दिन का किराया कितना

पन्ना के घने जंगलों में पहाड़ियों के उपर शानदार ओबेरॉय राजगढ़ पैलेस को इस साल विश्व के सबसे खूबसूरत होटलों में शुमार किया गया है. यह भव्य होटल बाजीराव की दूसरी पत्नी मस्तानी के इतिहास से जुड़ा हुआ है. देश का यह आलीशान होटल है जिसे फ्रांस की संस्था ने प्रिक्स वर्साय कार्यक्रम में इस पैलेस को चुना है. पैलेस में बारीक नक्काशीदार पत्थर, ऊंचे मेहराब और विशाल आंगन बुंदेली राजाओं के ठाट-बाठ को जीवंत करते हैं. इसके सबसे महंगे सूट का एक दिन का किराया 11 लाख से ज्यादा है.

पन्ना के घने जंगलों में सबसे ऊंची मुनियागढ़ पहाड़ियों पर अडिगता के साथ खड़ा ओबेरॉय राजगढ़ पैलेस अपनी भव्यता, आर्किटेक्चर और इतिहास के लिए जाना जाता है. कभी यह बुंदेला राजाओं की शान हुआ करता था. आज इसकी विरासत के साथ ओबेरॉय होटल ने इसके अस्तित्व को कायम किया हुआ है. 76 एकड़ में फैली इस विशाल संपत्ति में 65 कमरे और सुइट्स हैं. इसमें सबसे महंगे सुइट्स का किराया एक दिन का 11 लाख से ज्यादा है. खजुराहो के पास होने के कारण यह दुनिया भर के पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र में रहता है. अब इस होटल को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल गई है. फ्रांस के प्रतिष्ठित पुरस्कार कार्यक्रम प्रिक्स वर्साय ने खजुराहो स्थित ओबेरॉय राजगढ़ पैलेस को वर्ष 2026 के विश्व के सबसे खूबसूरत होटलों की सूची में शामिल किया है. इस सूची में दुनिया भर से केवल 16 होटल चुने गए हैं. भारत ने इस प्रतिष्ठित सूची में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है. यह सम्मान न केवल होटल की भव्य वास्तुकला और शानदार डिजाइन का प्रमाण है, बल्कि उसके समृद्ध इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और अद्वितीय आतिथ्य का भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है.

राजगढ़ पैलेस का खासियत

राजगढ़ पैलेस खजुराहो के पास पन्ना की ऊंची पहाड़ियों पर स्थित है. घने जंगल और झील के कारण इसकी कुदरती सुंदरता अपने आप में भव्य है. यहां से पन्ना के प्राकृतिक परिदृश्य का बेहद खूबसूरत नजारा दिखता है. 350 साल पुराने इस पैलेस को अब ओबेरॉय होटल एंड रिजॉर्ट बना दिया गया है. इस पैलेस की एक-एक दीवार को इस तरह से नक्काशीदार और भव्य बनाया गया है कि हर किसी को अपनी ओर खींच लेता है. इसके मूल ढांचे और वास्तुकला को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुख-सुविधाओं से लैस किया गया है. इसमें बुंदेली राजशाही के वैभव का छाप दिखता है. इसलिए प्रिक्स वर्साय में इसे राजसी भव्यता का प्रमाण माना गया है. यह पूरा परिसर 76 एकड़ में फैला है. इसमें 65 बड़े-बड़े कमरे और सुइट्स हैं. इसकी सादगीपूर्ण लेकिन सुरुचिपूर्ण सजावट, राखी-धूसर रंग के चंदेरी पर्दे और ओबेरॉय परिवार के निजी संग्रह से चुनी गई लिथोग्राफ कलाकृतियां इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाती है. यह परिसर दो भागों में बंटा हुआ है. निचले हिस्से के बगीचों में साल और पलाश के पेड़ों की छांव के बीच गार्डन रूम स्थित हैं. वहीं पहाड़ी की ऊंचाई पर बने मुख्य महल में 17 कमरे और सुइट्स हैं, जिन्हें कभी चंदेला शासकों के निजी कक्षों के रूप में इस्तेमाल किया जाता था. महल के चार पैलेस रूम आकार में अपेक्षाकृत छोटे हैं लेकिन उनकी खूबसूरती और सुविधाएं उन्हें बेहद खास बनाती हैं।

इनमें खुले आसमान के नीचे बने बाथटब, निजी टैरेस और पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के शानदार नजारे शामिल हैं. सबसे ऊपर स्थित कोहिनूर सुइट इस शाही अनुभव का शिखर है, जिसमें दो बेडरूम, निजी स्विमिंग पूल, बगीचा, टैरेस और अद्भुत प्राकृतिक दृश्य मौजूद हैं. इसमें ठहरने के लिए एक दिन का किराया 11 लाख से ज्यादा है।

बार-बार नींद टूटने से हैं परेशान? ये 5 घरेलू और आसान उपाय दिला सकते हैं राहत, सोने से 10 मिनट पहले करें ये काम

रात में बार-बार नींद टूटने की समस्या से राहत पाने के लिए सोने से पहले स्क्रीन से दूरी बनाएं, कैफीन से बचें, हल्का भोजन करें, कमरे का माहौल आरामदायक रखें और ब्रीथिंग एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं.

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में अच्छी नींद किसी लग्जरी से कम नहीं लगती. दिनभर काम का दबाव, मोबाइल की स्क्रीन से चिपके रहना और अनियमित दिनचर्या ने लोगों की नींद का पैटर्न पूरी तरह बदल दिया है. कई लोग समय पर बिस्तर पर तो चले जाते हैं, लेकिन रात में उनकी नींद बार-बार टूटती रहती है. कुछ लोगों को एक बार आंख खुलने के बाद दोबारा नींद आने में भी काफी परेशानी होती है. इसका असर सिर्फ अगले दिन की थकान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लंबे समय में यह मानसिक और शारीरिक सेहत दोनों को प्रभावित कर सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि रात में बार-बार नींद टूटना अक्सर इस बात का संकेत होता है कि शरीर और दिमाग पूरी तरह रिलैक्स नहीं हो पा रहे हैं. अच्छी बात यह है कि इस समस्या का समाधान हमेशा दवाओं में नहीं छिपा होता. कई बार सिर्फ अपनी सोने की आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करके भी नींद की क्वालिटी को काफी बेहतर बनाया जा सकता है, अगर आप भी रातभर करवटें बदलते रहते हैं या सुबह उठने के बाद तरोताजा महसूस नहीं करते, तो सोने से पहले अपनाई जाने वाली ये 5 आदतें आपकी मदद कर सकती हैं.

1. सोने से पहले स्क्रीन टाइम कम करना है जरूरी

आज के समय में स्मार्टफोन, लैपटॉप और टीवी हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन यही गैजेट्स आपकी नींद के सबसे बड़े दुश्मन भी बन सकते हैं. इनकी स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट शरीर में बनने वाले मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है. यही हार्मोन नींद लाने में अहम भूमिका निभाता है.

एक घंटा पहले बना लें दूरी

अगर आप चाहते हैं कि रात में नींद बार-बार न टूटे, तो सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल और अन्य स्क्रीन डिवाइस का इस्तेमाल बंद कर दें. इस समय का उपयोग किताब पढ़ने, परिवार से बातचीत करने या हल्का संगीत सुनने में किया जा सकता है.

2. रात के खाने और कैफीन पर रखें नजर

कई लोगों को रात में खाने के बाद चाय या कॉफी पीने की आदत होती है. हालांकि यह आदत नींद की क्वालिटी को खराब कर सकती है. कैफीन दिमाग को लंबे समय तक एक्टिव रखता है, जिससे गहरी नींद आने में परेशानी होती है.

हल्का खाना दे सकता है राहत

विशेषज्ञों के मुताबिक रात का खाना हल्का होना चाहिए और सोने से कम से कम दो से तीन घंटे पहले खा लेना चाहिए. ज्यादा मसालेदार और भारी भोजन पाचन प्रक्रिया को धीमा कर देता है, जिससे पेट में असहजता और रात में बार-बार नींद टूटने की समस्या हो सकती है.

3. बेडरूम का माहौल भी निभाता है अहम भूमिका

बहुत से लोग सिर्फ अपनी दिनचर्या को दोष देते हैं, जबकि कई बार समस्या कमरे के माहौल में भी छिपी होती है, अगर कमरे में ज्यादा रोशनी, शोर या बहुत गर्म वातावरण है तो नींद प्रभावित हो सकती है.

शांत और आरामदायक माहौल बनाएं

सोने से पहले कमरे की लाइट धीमी कर दें. तापमान ऐसा रखें जिसमें आपको आराम महसूस हो. हल्का ठंडा और शांत वातावरण शरीर को आराम देने में मदद करता है और गहरी नींद को बढ़ावा देता है.

4. तलवों की मसाज और गुनगुना पानी भी कर सकते हैं कमाल

पारंपरिक घरेलू उपाय आज भी कई लोगों के लिए कारगर साबित होते हैं. आयुर्वेद में सोने से पहले पैरों के तलवों की मालिश को काफी फायदेमंद माना गया है.

शरीर को मिलता है आराम

सरसों या नारियल के तेल से कुछ मिनट तक तलवों की मालिश करने से शरीर रिलैक्स महसूस करता है. इसके साथ सोने से पहले गुनगुना पानी या हल्दी वाला दूध पीना भी शरीर को शांत करने और बेहतर नींद लाने में मदद कर सकता है.

5. ब्रीथिंग एक्सरसाइज से शांत होगा दिमाग

दिनभर की भागदौड़ और तनाव अक्सर रात में भी दिमाग को व्यस्त रखते हैं. यही वजह है कि कई लोग बिस्तर पर लेटने के बाद भी लंबे समय तक सो नहीं पाते.

कुछ मिनट की गहरी सांसें कर सकती हैं फर्क

सोने से पहले 5 से 10 मिनट तक गहरी सांस लेने और छोड़ने की एक्सरसाइज करें. इससे मन शांत होता है।

रोज खा-खाकर बोर हो गए आलू-पनीर पराठे? ट्राई करें मल्टीग्रेन पराठा, स्वाद के साथ मिलेगा भरपूर पोषण, जानिए रेसिपी

मल्टीग्रेन आटे का पराठा स्वाद और पोषण का बेहतरीन मेल है. ज्वार, रागी और सोया से तैयार यह नाश्ता प्रोटीन, फाइबर और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. कम समय में बनने वाला यह क्रिस्पी पराठा पूरे परिवार को पसंद आ सकता है.

सुबह का नाश्ता पूरे दिन की ऊर्जा का आधार माना जाता है, अगर दिन की शुरुआत स्वादिष्ट और पौष्टिक खाने से हो जाए तो शरीर भी एक्टिव रहता है और लंबे समय तक भूख नहीं लगती. यही वजह है कि भारतीय घरों में पराठा नाश्ते का सबसे पसंदीदा विकल्प माना जाता है. आमतौर पर लोग आलू, गोभी, पनीर या प्याज के पराठे खाते हैं, लेकिन अगर आप रोज एक जैसा नाश्ता खाकर बोर हो चुके हैं और कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो मल्टीग्रेन आटे का पराठा एक शानदार विकल्प हो सकता है. यह पराठा सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि पोषण के मामले में भी काफी आगे है.

ज्वार, रागी और सोया जैसे अनाजों से तैयार होने वाला यह पराठा शरीर को जरूरी पोषक तत्व देने में मदद करता है. इसकी खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं लगती और कुछ ही मिनटों में एक हेल्दी और कुरकुरा नाश्ता तैयार हो जाता है. आइए जानते हैं मल्टीग्रेन आटे से बनने वाले इस स्वादिष्ट पराठे की आसान रेसिपी.

क्यों खास है मल्टीग्रेन पराठा ?

मल्टीग्रेन पराठा कई तरह के अनाजों को मिलाकर बनाया जाता है. इसमें ज्वार, रागी और सोया जैसे अनाज शामिल होते हैं, जो शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व देते हैं. रागी में कैल्शियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जबकि सोया प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है. वहीं ज्वार में फाइबर भरपूर होता है, जो पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है, अगर आप वजन को संतुलित रखना चाहते हैं या हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना चाहते हैं, तो यह पराठा आपके नाश्ते का हिस्सा बन सकता है. इसे खाने के बाद पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, जिससे बार-बार कुछ खाने की इच्छा कम हो सकती है.

मल्टीग्रेन पराठा बनाने के लिए जरूरी सामग्री

1. 2 बड़े चम्मच ज्वार का आटा
2. 2 बड़े चम्मच रागी का आटा
3. 2 बड़े चम्मच सोया आटा
4. 1 छोटा चम्मच मेथी दाना
5. 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन
6. 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
7. 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
8. 1/2 छोटा चम्मच नमक
9. पराठा सेंकने के लिए तेल
10. जरूरत के अनुसार पानी

मल्टीग्रेन पराठा बनाने की आसान विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में ज्वार, रागी और सोया का आटा डालें. अब इसमें मेथी दाना, अजवाइन, हल्दी, लाल मिर्च और नमक मिलाएं. सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें ताकि मसाले पूरे आटे में बराबर फैल जाएं. अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए मुलायम आटा गूंध लें. आटा तैयार होने के बाद इसे करीब 10 मिनट के लिए ढककर रख दें. ऐसा करने से आटा अच्छे से सेट हो जाएगा और पराठा बेलने में आसानी होगी. इसके बाद आटे की बराबर-बराबर लोइयां बना लें. दूसरी तरफ गैस पर तवा गर्म होने के लिए रख दें. अब एक लोई लें और उसे गोल आकार में बेल लें।

नंबर के जरिए बोलती है लिवर की सेहत, जानें क्या है एएलटी टेस्ट, क्यों है जरूरी

लिवर शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जो कई जरूरी कार्य एक साथ करता है। इसे शरीर की 'केमिकल फैक्ट्री' भी कहा जाता है, क्योंकि यह लगातार शरीर को स्वस्थ रखने में काम करता रहता है। ऐसे में लिवर की सेहत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय लिवर स्वास्थ्य को लेकर लोगों को जागरूक करते हुए एएलटी टेस्ट के बारे में जानकारी देता है।

लिवर न केवल भोजन को पचाने बल्कि शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालने और कई जरूरी प्रोटीन बनाने का काम करता है, इसलिए लीवर को स्वस्थ रखना पूरे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य मंत्रालय का साफ संदेश है कि 'चेतावनी वाले संकेतों का इंतजार न करें। अपना एएलटी के साथ अपनी सेहत जानें। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं, खासकर वे लोग जो मोटापे से ग्रस्त हैं, डायबिटीज के मरीज हैं या ज्यादा शराब पीते हैं।

मंत्रालय के अनुसार, लिवर एक खास नंबर एएलटी के जरिए अपनी स्थिति बताता है। लक्षण दिखने से बहुत पहले ही यह नंबर लिवर की समस्या का संकेत दे सकता है।

एएलटी का पूरा नाम एलेनाइन एमिनो ट्रांस्फरेज है। इसे एसजीपीटी भी कहा जाता है। यह लिवर में पाया जाने वाला एक एंजाइम है। जब लिवर में कोई समस्या होती है, जैसे फैट जमा होना, सूजन या कोई दबाव पड़ना, तो यह एंजाइम खून में बढ़ जाता है। सामान्य एएलटी लेवल आमतौर पर 7 से 56 यू/एल तक होता है। अगर यह स्तर बढ़ जाए तो यह लिवर स्ट्रेस या फैटी लीवर की शुरुआती चेतावनी हो सकती है।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, आजकल की व्यस्त और अनियमित लाइफस्टाइल की वजह से लिवर संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। मोटापा, ज्यादा शराब का सेवन, अनहेल्दी खान-पान और कम व्यायाम लिवर पर सबसे ज्यादा असर डालते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि लिवर की कई समस्याएं शुरुआत में कोई साफ लक्षण नहीं दिखातीं। जब लक्षण दिखते हैं, तब समस्या काफी बढ़ चुकी होती है।

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि एक साधारण ब्लड टेस्ट से एएलटी लेवल आसानी से पता चल जाता है। यह टेस्ट सस्ता, आसान और हर जगह उपलब्ध है। समय पर एएलटी लेवल जानकर व्यक्ति अपनी डाइट, व्यायाम और लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव कर सकता है। इससे गंभीर बीमारियों जैसे फैटी लीवर, हेपेटाइटिस या सिरोसिस से पहले ही बचाव संभव हो जाता है।

गर्मियों का अमृतः शरीर में पानी और ऊर्जा का संतुलन बनाता है ये खट्टा-मीठा नेचुरल ड्रिंक

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और लू का कहर जारी है। तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच गया है। ऐसे में लोग गर्मी से बचने और शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए प्राकृतिक पेय पदार्थों की ओर रुख कर रहे हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय और फायदेमंद है आम पन्ना, जिसे गर्मियों का अमृत भी कहा जाता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, कच्चे आम से बनने वाला यह पारंपरिक पेय गर्मी में शरीर को तरोताजा रखने का सबसे देसी और असरदार तरीका है। यह न सिर्फ स्वादिष्ट है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। खट्टा-मीठा स्वाद वाला यह ड्रिंक गर्मी में शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है और ऊर्जा का संतुलन बनाए रखता है। भीषण गर्मी में आम पन्ना के सेवन से शरीर को कई फायदे मिलते हैं।शरीर हाइड्रेट रखता है: गर्मी में पसीना ज्यादा आने से शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है। आम पन्ना प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है, जो पानी का स्तर बनाए रखता है।

पाचन सुधारता है: गर्मी में पेट की समस्याएं आम हैं। आम पन्ना पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और भूख बढ़ाने में मदद करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है:- इसमें विटामिन सी, विटामिन ए और अन्य जरूरी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो इम्युनिटी को मजबूत करते हैं।

गर्मी से राहत:- यह शरीर के अंदरूनी तापमान को नियंत्रित करने में सहायक है और गर्मी लगने, चक्कर आने या थकान महसूस होने पर तुरंत राहत देता है।

आम पन्ना बनाना भी बहुत आसान है। कच्चे आमों को उबालकर, गूदा निकालकर, पुदीना, काला नमक, जीरा और चीनी या गुड़ मिलाकर तैयार किया जाता है। इसे फ्रिज में रखकर लंबे समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार के कोल्ड ड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस की बजाय घर का बना आम पन्ना न सिर्फ सुरक्षित है बल्कि पोषण से भी भरपूर है।

'सिंग गीथम' की रिलीज से पहले वेंकटेश दग्गुबती ने की सिंगीतम श्रीनिवास राव की तारीफ, कहा-रचनात्मकता की कोई उम्र नहीं होती

मुंबई । साउथ सिनेमा के मशहूर निर्देशक और स्क्रीन राइटर सिंगीतम श्रीनिवास राव की आगामी फिल्म 'सिंग गीथम' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। बुधवार को अभिनेता दग्गुबती वेंकटेश ने सोशल मीडिया के जरिए निर्देशक और उनके कहानी कहने के तरीके की जमकर सराहना की।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर निर्देशक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'मशहूर निर्देशक और स्क्रीन राइटर सिंगीतम श्रीनिवास राव का सफर इस बात का शानदार उदाहरण है कि जुनून और रचनात्मकता की कोई उम्र नहीं होती। भारतीय सिनेमा में उनका योगदान अमूल्य है और दशकों से उनकी कहानियों का जादू दर्शकों का मनोरंजन करता आ रहा है।'

उन्होंने आगे अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि निर्देशक आज की युवा पीढ़ी के लिए भी फिल्म 'सिंग गीथम' लेकर आ रहे हैं। अभिनेता दग्गुबती वेंकटेश ने लिखा, 'यह खुशी की बात है कि अब नई पीढ़ी को भी 'सिंग गीथम' के जरिए उनके इस अनोखे जादू को देखने और समझने का मौका मिलेगा। यह फिल्म 11 जून को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म की पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं। उम्मीद है कि 'सिंग गीथम' लोगों के दिलों तक पहुंचेगी और हर जगह दर्शकों का प्यार हासिल करेगी।'

यह एक म्यूजिकल फैंटेसी ड्रामा है, जिसे विजयंती मूवीज और स्वप्ना सिनेमा के बैनर तले नाग अश्विन द्वारा निर्मित किया जाएगा। इसे भारत की पहली म्यूजिकल फैंटेसी के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। फिल्म की कहानी पारंपरिक संवादों के बजाय मुख्य रूप से गानों और संगीत के माध्यम से आगे बढ़ती है।

यह फिल्म एक अलग-थलग पड़े गांव के एक युवा प्रताप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अवसरों की तलाश में एक धोखे भरी दुनिया में जाता है। अनियंत्रित ताकतों के बीच खिंचे हुए वह प्रगति और संरक्षण के बीच फंस जाता है, जहां उसके विश्वास और उद्देश्य की परीक्षा होती है।

इसमें अयान, अहिल्या बमरू और शालिनी कोंडेपुडी जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 11 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

खिलौने का डायपर बदलती दिखीं ट्विंकल खन्ना, वीडियो शेयर कर पेरेंटिंग को लेकर कही ये बड़ी बात

मुंबई । अभिनेत्री और लेखिका ट्विंकल खन्ना सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी यात्रा की खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती हैं। बुधवार को ट्विंकल खन्ना ने अपने फैंस के साथ पेरेंटिंग को लेकर एक बहुत ही अनोखा नजरिया शेयर किया है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो शेयर किया। इसमें अभिनेत्री कला प्रदर्शनी में बिएनाले में खिलौने के बच्चे का डायपर बदलने की कोशिश करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए दर्शकों को बताया कि बच्चों के साथ एक इंस्ट्रक्शन मैनुअल भी आना चाहिए, जिसे माता-पिता क्यूआर कोड के जरिए देख सकें।

ट्विंकल खन्ना ने लिखा, 'बिएनाले में, जहां इस एग्जिबिशन का एक गहरा पहलू था, वहीं मुझे यह भी लगा कि सभी बच्चों के साथ ऐसा ही एक क्यूआर कोड होना चाहिए जो हमें सीधे इंस्ट्रक्शन मैनुअल तक ले जाए। फिलहाल तो हम सब बस अनुभव के आधार पर सीखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। हम अपनी पूरी कोशिश करते हैं, उन्हें ढेर सारा प्यार देते हैं, उनका ध्यान रखते हैं और उन्हें अच्छे से पालते हैं।'

उन्होंने आगे लिखा, 'फिर वे बड़े होकर थेरेपी में जाते हैं और आखिरकार गलती हमारी ही निकालते हैं। अगर आपके बच्चे के साथ कोई इंस्ट्रक्शन मैनुअल आता, तो आप सबसे पहले उसका कौन-सा पेज खोलते?'

बिएनाले एक बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय समकालीन कला प्रदर्शनी है जो हर दो साल में होती है।

माधुरी दीक्षित कैसे बनीं 'तेजाब' की मोहिनी?

वर्षों बाद निर्देखक एन. चंद्रा ने किया खुलासा

मुंबई। बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित को आज भी फिल्म 'तेजाब' की 'मोहिनी' के रूप में याद किया जाता है। यह वही फिल्म थी जिसने माधुरी दीक्षित के करियर को नई उंचाई दी और उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया, लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि इस यादगार किरदार के लिए माधुरी का चयन कैसे हुआ था। अब फिल्म के निर्देशक एन. चंद्रा ने इस राज से पर्दा उठाया है और बताया है कि आखिर क्यों इस फिल्म के लिए माधुरी ही उनकी पहली और आखिरी पसंद थीं।

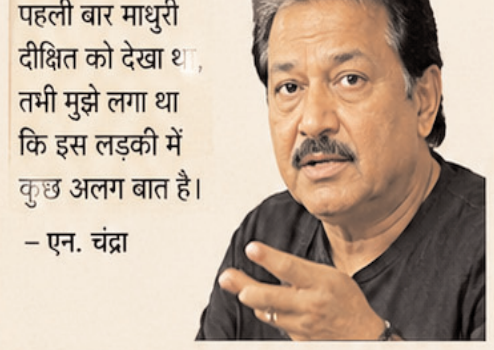

"जब मैंने पहली बार माधुरी दीक्षित को देखा था, तभी मुझे लगा था कि इस लड़की में कुछ अलग बात है।
– एन. चंद्रा

डांस रिलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के एक एपिसोड में एन. चंद्रा ने उस दौर की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, "जब मैंने पहली बार माधुरी दीक्षित को देखा था, तभी मुझे लगा था कि इस लड़की में कुछ अलग बात है। उस समय मैंने कई फिल्में एडिट की थीं। इसी दौरान मुझे एक फिल्म के सेट पर जाने का मौका मिला, जहां पहली बार मेरी मुलाकात माधुरी दीक्षित से हुई थी!'

पहली मुलाकात, जो बन गई यादगार

एन. चंद्रा ने कहा, "उस समय 'बजरंगी' नाम की एक फिल्म बन रही थीं और मैं उसकी एडिटिंग कर रहा था। फिल्म के सेट पर पहुंचने के बाद किसी ने मेरी मुलाकात माधुरी से करवाई। उस समय माधुरी अपने करियर के शुरूआती दौर में थीं। पहली मुलाकात में ही मुझे महसूस हुआ कि इनमें कुछ खास है। शायद उसी पल मेरे मन में यह बात बैठ गई थीं कि भविष्य में अगर मौका मिला तो मैं माधुरी के साथ जरूर काम करूंगा!"

11 नवंबर 1988

को रिलीज हुई 'तेजाब' उस दौर की सबसे बड़ी फिल्में में से एक बन गई। फिल्म में माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की जोड़ी को दर्शकों ने खुब पसंद किया। इसके अलावा अनुपम खेर, चंकी पांडे, किरय कुमार और सुरेश ओबेरॉय जैसे कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिफ पर जबरदस्त सफलता हासिल की और साल 1988 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी।

मोहिनी के लिए सिर्फ एक ही नाम

निर्देशक ने आगे कहा, "जब मैंने 'तेजाब' की कहनी पर काम शुरू किया और 'मोहिनी' के किरदार के बारे में सोचा, तब मेरे दिमाग में केवल एक ही नाम था और वह नाम था माधुरी दीक्षित। इस भुमिका के लिए मेरी पहली पसंद भी माधुरी थीं और आखिरी पसंद भी। मैंने किसी दुसरी अभिनेत्री के बारे में कभी नहीं सोचा, क्योंकि मुझे पुरा भरोसा था कि इस किरदार को वही सबसे बेहतर तरीके से निभा सकती हैं।"

किस्मत ने भी दिया साथ

एन. चंद्रा ने कहा, "कई बार किस्मत भी बड़ी भुमिका निभाती है। उस समय फिल्म के हीरो अनिल कपूर थे और अनिल कपूर के सेकेटरी राकेश नाथ ही माधुरी दीक्षित के भी सेकेटरी थे, जिसके चलते दोनों कलाकारों की तारीखें और अन्य जरूरी बातें तय करना आसान हो गया। अगर किस्मत साथ दे तो कई मुश्किल काम भी आसनी से पूरे हो जाते हैं।"

'अल्फा' का दमदार टीजर रिलीजः आलिया को 18वें जन्मदिन पर मिला पहला मिशन, एक्शन अवतार से फैंस को चौंकाया

मुंबई । यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली बड़ी फिल्म 'अल्फा' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई थी। खास बात यह है कि यह स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी फिल्म है, जिसकी कहानी एक महिला जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है। मेकर्स ने आखिरकार फिल्म का पहला टीजर रिलीज कर दिया गया है।

करीब एक मिनट 55 सेकेंड्स का यह टीजर एक्शन, सस्पेंस, इमोशन्स और बड़े मिशन की झलकियों से भरपूर है। टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा शुरू हो गई है और दर्शक आलिया भट्ट के नए अवतार की तारीफ कर रहे हैं।

टीजर की शुरुआत में बॉबी देओल और आलिया भट्ट एक शानदार रेस्तरां में बैठे दिखाई देते हैं। बॉबी आलिया के पिता की भूमिका में हैं। यह आलिया के 18वें जन्मदिन का अवसर होता है। शुरुआत में सब कुछ एक सामान्य पिता-बेटी के सेलिब्रेशन जैसा लगता है, लेकिन कुछ ही पलों में कहानी नया मोड़ ले लेती है। बॉबी देओल अपनी बेटी को एक कार्ड देते हैं, जिस पर एक कमरे का नंबर लिखा होता है।

जब आलिया उससे जुड़ा सवाल पूछती हैं, तब पता चलता है कि यह कोई गिफ्ट नहीं, बल्कि उनका पहला मिशन है। यहीं से टीजर का रोमांच बढ़ना शुरू हो जाता है। बॉबी देओल अपनी बेटी से कहते हैं कि जिस दिन का इंतजार था, वह आ गया है। उन्होंने उसे बचपन से जिस मकसद के लिए तैयार किया था, अब उसे पूरा करने का समय आ गया है।

इसके बाद टीजर में आलिया का बिल्कुल अलग अवतार दिखाई देता है। वह दुश्मनों पर कभी चाकू से वार करती हैं, तो कभी सिर पर गोली चलाती हैं। वह कई खतरनाक एक्शन करती नजर आ रही हैं।

टीजर में 'अल्फा' नाम से एक सीक्रेट प्रोग्राम से रूबरू कराया जाता है, इसके तहत देश की अगली पीढ़ी के योद्धाओं को तैयार किया जाता है।

टीजर में जहां आलिया भट्ट का एक्शन सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है, वहीं बॉबी देओल का रहस्यमयी अंदाज भी लोगों को प्रभावित कर रहा है। हालांकि फिल्म में शरवरी वाघ और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं, लेकिन इस टीजर में उनकी झलक नहीं दिखाई गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में उनके किरदारों से जुड़े अलग प्रोमो या पोस्टर सामने आ सकते हैं।

'अल्फा' यश राज फिल्म्स के लोकप्रिय स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इससे पहले 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है', 'वॉर', 'पठान', 'टाइगर 3' और 'वॉर 2' जैसी फिल्में इस यूनिवर्स का हिस्सा रह चुकी हैं।

मोंटाना में परिवार संग सुकून भरे पल बिता रहीं फ्रीडा पिंटो, बोलीं- 'यही है गर्मियों का असली जादू'

मुंबई। हॉलीवुड में अपनी खास पहचान बना चुकी भारतीय अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो इन दिनों अमेरिका के खूबसूरत राज्य मोंटाना में गर्मियों की छुट्टियों का लुत्फ उठा रही हैं, जिसकी झलक उन्होने सोशल मीडिया पर शेयर की।

फ्रीडा पिंटो ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इनमें उनके पति कोरी ट्रान और बेटे रूमी-रे भी नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में परिवार कभी खुले मैदानों में घूमता दिख रहा है, तो कभी प्रकृति के बीच आरामदायक पल बिताता दिखाई दे रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय दूर रहकर अपने सबसे करीब लोगों के साथ समय बिताना उनके लिए बेहद खास रहा।

पोस्ट के कैप्शन में फ्रीडा ने लिखा, ' 'मोंटाना में गर्मियों का असली जादू है। जीवन में कई बार ऐसा समय आता है जब इंसान को सिर्फ शांति, अपनापन और प्रकृति की जरूरत होती है। दोस्तों और परिवार के साथ बिताए गए ये पल दिल और आत्मा को नई ऊर्जा देने वाले रहे।''

बता दें कि फ्रीडा पिंटो का नाम आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जाता है, लेकिन उन्हें सबसे बड़ी पहचान साल 2008 में आई फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' से मिली थी। इस फिल्म ने दुनिया भर में बड़ी सफलता हासिल की थी और फ्रीडा रातोंरात चर्चित चेहरा बन गई थीं। इस फिल्म के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम करती रहीं।

अपने करियर के दौरान फ्रीडा ने कई अलग-अलग तरह की फिल्मों में काम किया है। वह 'मिरल', 'तृष्णा' और 'डेजर्ट डांसर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इन फिल्मों में उनके अभिनय की काफी सराहना हुई थी।

इसके अलावा फ्रीडा ने साइंस फिक्शन फिल्म 'राइज ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स' में भी काम किया। वहीं फैंटेसी और एक्शन से भरपूर 'इम्मोर्टल्स' में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा 'लव सोनिया', 'हिलबिली एलेजी' और 'मिस्टर मैल्कम्स लिस्ट' जैसी फिल्मों में भी उनके काम को सराहा गया।

फिल्मों के साथ-साथ फ्रीडा ने छोटे पर्दे पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। वह टीवी मिनी सीरीज 'गुरिल्ला' में नजर आई थीं। इसके अलावा उन्होंने 'द पाथ' नाम की चर्चित सीरीज में भी काम किया।

आयुष्मान खुराना ने फैमिली संग नेपाल की वादियों का उठाया लुत्फ, पत्नी ताहिरा ने शेयर कीं खूबसूरत तस्वीरें

मुंबई । अभिनेता आयुष्मान खुराना इन दिनों अपने परिवार के साथ नेपाल में छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। बुधवार को उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप ने इंस्टाग्राम पर इस खूबसूरत ट्रिप की कुछ तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में आयुष्मान, ताहिरा और उनके बच्चे प्रकृति के सुंदर नजारों के बीच मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं।

पहली तस्वीर में आयुष्मान और ताहिरा नजर आ रहे हैं, जबकि कुछ तस्वीरों में ताहिरा हरे-भरे नजारों में आनंद लेती नजर आ रही हैं, तो कुछ में वे अपने आयुष्मान बच्चों के साथ लुत्फ उठा रहे हैं।

ताहिरा ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'कैरोसेल की आखिरी तस्वीर वही है, जिसे हर कोई सबसे ज्यादा पसंद कर रहा है और नौवीं तस्वीर लेने से पहले कैमरे के लेंस को साफ करने की जरूरत थी।'

ताहिरा और आयुष्मान की वैकेशन की तस्वीरें फैंस समेत सेलेब्स भी खूब पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने कमेंट सेक्शन पर लिखा, 'खूबसूरत नारी।' अभिनेत्री ऐश्वर्या सुष्मिता ने लिखा, 'फिर भी धुंधली तस्वीर ही सबसे खूबसूरत लगती है।'

ताहिरा कश्यप भले ही आयुष्मान खुराना की पत्नी के नाम से पहचानी जाती हैं, लेकिन वे एक भारतीय लेखिका, फिल्म निर्माता और स्तन कैंसर जागरूकता पैरोकार भी हैं। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं, जिनमें 'क्रैकिंग द कोड: माय जर्नी इन बॉलीवुड' और 'द 12 कमांडमेंट्स ऑफ बीइंग ए वुमन' शामिल हैं। इसके अलावा ताहिरा ने शॉर्ट फिल्में जैसे 'टॉफी' (2018) और 'पिन्नी' (2020) बनाई हैं। उन्होंने फीचर फिल्म 'शर्मा जी की बेटी' (2024) का भी निर्देशन किया है।

पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान के घरों पर गिराए बम, 11 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में पाकिस्तानी सैन्य हवाई हमलों में 13 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर बच्चे शामिल हैं। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को इसकी पुष्टि की।

मुजाहिद ने पाकिस्तानी सेना की इस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि मंगलवार रात हुए हमलों में नागरिक घरों को निशाना बनाया गया, जिसमें 11 बच्चे, एक महिला और एक बुजुर्ग आदमी की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य महिलाएं और बच्चे घायल हुए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तालिबान प्रवक्ता ने लिखा, 'पिछली रात पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान की हवाई सीमा का उल्लंघन किया और कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में घरों पर बमबारी की। इन हमलों में 11 बच्चे, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति मारे गए, जबकि 14 अन्य महिलाएं और बच्चे घायल हुए हैं। हम इस मानवीय अपराध और आक्रामकता की कड़ी निंदा करते हैं।' यह ताजा घटना ऐसे समय में हुआ है, जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों से तनाव लगातार बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच बार-बार गोलीबारी और नागरिकों की मौत को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर अस्थिरता फैलाने के आरोप लगा रहे हैं, जबकि कूटनीतिक और स्थानीय स्तर की मध्यस्थता की कोशिशें भी अब तक हालात को शांत करने में नाकाम रही हैं। तालिबान शासन के अनुसार, पिछले महीने भी अफगानिस्तान के कुनार प्रांत के डांगम जिले में पाकिस्तानी हमलों में तीन लोगों की मौत हुई थी और 14 लोग घायल हुए थे। अफगानिस्तान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, डांगम के एक तालिबान जिला अधिकारी ने कहा था कि दो स्कूल, एक क्लिनिक और दो मस्जिदें पाकिस्तानी हमले में नष्ट हो गईं।

डांगम के तालिबान जिला गवर्नर मोहम्मद उमर सादिक ने कहा कि पाकिस्तानी सेना अब सीधे हमला करने की क्षमता खो चुकी है और अब नागरिक इलाकों को निशाना बना रही है। उन्होंने यह भी बताया कि हमलों में 80 मवेशी भी मारे गए। अधिकारी के अनुसार, कुनार प्रांत में हमलों की शुरुआत के बाद से अब तक 12 स्कूल नष्ट हो चुके हैं।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ा तनाव : यमन तट के पास जहाज पर गोलीबारी, ओमान के पास टैंकर में लगी आग

लंदन/मस्कट। मध्य पूर्व एशिया में तनाव फिर बढ़ गया है। खाड़ी क्षेत्र और आसपास के समुद्री मार्गों में संघर्ष एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है।

यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) के अनुसार यमन के तट के पास एक सशस्त्र नाव (6 बंदूकधारी सवार थे) ने किसी वाणिज्यिक जहाज पर गोलीबारी की, जिसके बाद जहाज पर मौजूद सुरक्षा टीम ने जवाबी कार्रवाई की। यह घटना कुछ ही घंटे पहले हुई, जिसकी जांच जारी है।

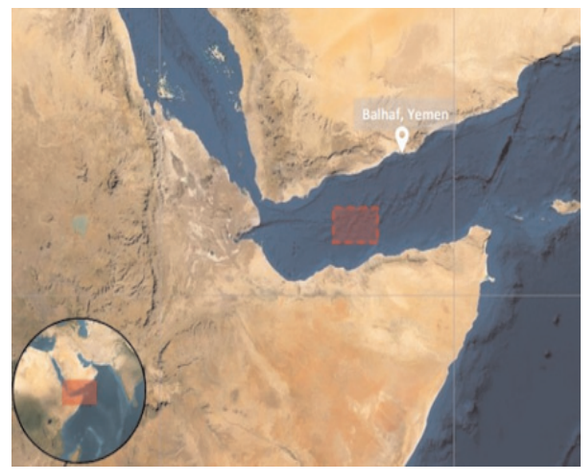

इस तरह की घटनाएं क्षेत्र में 'संघर्ष' की वापसी का संकेत हो सकती हैं। लगातार बढ़ते हमलों और जवाबी कार्रवाइयों के कारण हालात फिर से अस्थिर होने की आशंका जताई जा रही है।

इसी बीच, ओमान के सोहार से लगभग 37 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में एक टैंकर में आग लगने की भी खबर सामने आई है। यूकेएमटीओ के अनुसार, आग जहाज के इंजन रूम में लगी, जिसके चलते एक व्यक्ति हताहत हुआ, हालांकि इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, संघर्षविराम के बाद भी ईरान और अमेरिका दोनों पक्षों द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इस वजह से हजारों जहाज इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में फंसे हुए बताए जा रहे हैं।

इस बीच, खाड़ी क्षेत्र के कई देशों ने हालिया घटनाओं की निंदा की है। बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान की कार्रवाइयों पर कड़ी आपत्ति जताई है। माना जा रहा है कि खाड़ी देशों के नेता क्षेत्र में तनाव कम करने और संघर्ष को रोकने के लिए ईरान और अमेरिका दोनों पर कूटनीतिक दबाव बढ़ा सकते हैं।

संक्षिप्त खबर

मंगोलिया में फुट-एंड-माउथ डिजीज का प्रकोप, 1,200 से अधिक पशुओं को मारा गया

उलानबटोर। मंगोलिया के पश्चिमी प्रांत बायन-उलगी और खोव्द में फुट-एंड-माउथ डिजीज (एफएमडी) का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते करीब 1,230 से अधिक पशुओं को मार दिया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मंगलवार को यह जानकारी देश की जनरल अथॉरिटी फॉर वेटरिनरी सर्विसेज (जीएवीएस) ने दी। यह बीमारी एक अत्यंत संक्रामक वायरस जनित रोग है, जो गाय, भेड़, बकरी और सूअर जैसे खुर वाले जानवरों को प्रभावित करती है। अधिकारियों ने बताया कि इन प्रांतों में पाए गए संक्रमण का कारण एफएमडी वायरस का एसएटी-1 स्ट्रेन है, जिसे पहली बार मंगोलिया में पहचाना गया है। जीएवीएस के अनुसार, एसएटी-1 स्ट्रेन अत्यधिक घातक माना जाता है और यह हवा, दूषित वाहनों और उपकरणों, मनुष्यों और जंगली जानवरों के माध्यम से तेजी से फैल सकता है। इस खतरे को देखते हुए बायन-उलगी और खोव्द प्रांतों को अनिश्चितकाल के लिए हाई अलर्ट पर रख दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह प्रकोप मई के अंत में पहली बार सामने आया था। वहीं, देश के 21 में से छह अन्य प्रांतों में भी एफएमडी वायरस के ओ स्ट्रेन की मौजूदगी दर्ज की गई है, जो दुनिया भर में इस बीमारी के अधिकांश मामलों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। मंगोलिया में पशुपालन अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है।

ईरान की आईएईए से अपील, एजेंसी को अमेरिका का राजनीतिक हथियार न बनने दें

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य देशों से अपील की है कि वे संयुक्त राष्ट्र की इस परमाणु निगरानी संस्था को एक बार फिर अमेरिका के राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल न होने दें।

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में शामिल देशों के विदेश मंत्रियों को भेजे गए एक पत्र में अराघची ने ईरान के खिलाफ अमेरिका की ओर से तैयार किए गए प्रस्ताव को राजनीतिक मकसद से प्रेरित और गलत नीयत वाला बताया। उन्होंने यह पत्र उस समय भेजा है जब आईएईए बोर्ड की जून महीने की तिमाही बैठक वियना में चल रही है, जिसमें बुधवार को ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा होनी है। बैठक से पहले अमेरिका ने ईरान के खिलाफ एक प्रस्ताव तैयार किया। आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने कहा कि मौजूदा तनाव के लिए अमेरिका जिम्मेदार है। उन्होंने चेतावनी दी कि बोर्ड का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ किसी भी गैरकानूनी कार्रवाई को सही ठहराने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। जून 2025 में आईएईए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की ओर से पारित एक प्रस्ताव का जिक्र करते हुए अराघची ने कहा कि उसके पारित होने के 24 घंटे के भीतर ही अमेरिका और इजरायल ने ईरान की आईएईए निगरानी में मौजूद परमाणु सुविधाओं पर हमले किए थे।

पीओके में प्रदर्शनकारियों पर सख्त कार्रवाई को लेकर पाकिस्तान की आलोचना, मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई सख्त कार्रवाई पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। सरकार की आलोचना करते हुए संगठनों ने कहा कि इंटरनेट बंद करना, बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार करना और प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग करना क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति के गंभीर रूप से बिगड़ने का संकेत है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पीओके के रावलाकोट शहर में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। यह तनाव उस समय बढ़ा जब पाकिस्तान प्रशासन ने 9 जून को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) को आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया।

इस फैसले की निंदा करते हुए इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (आईएचआरएफ) ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को बिना किसी ठोस आधार के 'आतंकी' घोषित करना और साथ ही पूरे क्षेत्र को बाहरी दुनिया से काट देना, लोगों के संगठन बनाने और अपनी बात रखने के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। आईएचआरएफ ने आरोप लगाया कि 8 और 9 जून के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में एक महिला समेत 25 से अधिक लोगों की मौत हुई। संगठन ने यह भी कहा कि जेकेजेएएसी के विरोध प्रदर्शनों पर पहले भी मई 2024 और अक्टूबर 2025 में हिंसक कार्रवाई की जा चुकी है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्र में और अधिक लोगों की जान जा सकती है और लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन होता रहेगा। वहीं, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान प्रशासन से हालात को शांत करने, संयम बरतने और बल प्रयोग के अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने की अपील की है। संगठन का कहना है कि बल का इस्तेमाल केवल अंतिम विकल्प के रूप में और आवश्यकता तथा अनुपात के सिद्धांतों के तहत ही होना चाहिए। एमनेस्टी इंटरनेशनल की दक्षिण एशिया की उप-क्षेत्रीय निदेशक इसाबेल लासी ने कहा, 'किसी जमीनी स्तर के संगठन को बिना स्पष्ट आधार के आतंकवादी घोषित करना और पूरे क्षेत्र में संचार व्यवस्था बंद कर देना मानवाधिकारों के प्रति गंभीर लापरवाही को दर्शाता है।

मनीला में एआरएफ बैठक : भारत ने भू-राजनीतिक चुनौतियों के समाधान के लिए संवाद पर दिया जोर

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के पूर्वी मामलों के सचिव रुद्रेंद्र टंडन ने नौ जून को मनीला में आयोजित आसियान रीजनल फोरम (एआरएफ) की वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस दौरान इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में नियम-आधारित व्यवस्था और साझा वैश्विक हितों की रक्षा पर जोर दिया।

विदेश मंत्रालय (पूर्व) के सचिव रुद्रेंद्र टंडन ने नौ जून को मनीला में आयोजित आसियान रीजनल फोरम (एआरएफ) की वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने मौजूदा समय की भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने में एआरएफ की भूमिका को बहुत अहम बताया और बातचीत और कूटनीति को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया।

बैठक में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा हुई और इस बात पर सहमति बनी कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में 'ग्लोबल कॉमन्स' (साझा वैश्विक हितों) को सुरक्षित रखने के लिए नियमों पर आधारित व्यवस्था बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना जरूरी है। पूर्व भारतीय राजनयिक रघु गुरुराज ने 'इंडियन नैरेटिव' में लिखा कि? भारत का जुड़ाव तेजी से 'आसियान' की उस पसंद के अनुरूप हो रहा है, जिसमें सभी को साथ लेकर चलने वाले (इनक्लूसिव) और किसी खास गुट से न बंधे क्षेत्रीय ढांचे को प्राथमिकता दी जाती है। भारत ने हमेशा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में 'आसियान' की केंद्रीय भूमिका पर जोर दिया है, जो कि गठबंधन-आधारित दृष्टिकोण से अलग है। साथ ही, भारत ईस्ट एशिया समिट, 'आसियान' रीजनल फोरम और 'आसियान' डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग-प्लस में भी सक्रिय रूप से भाग लेता रहा है। गुरुराज ने कहा कि आसियान' की रणनीतिक सोच में सख्त भू-राजनीतिक गुटों के बजाय संतुलन, आपसी बातचीत और कई देशों के साथ तालमेल बिठाने को प्राथमिकता दी जाती है।

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन समेत खाड़ी क्षेत्र के 22 ठिकानों को निशाना बनाया

तेहरान/वॉशिंगटन। मध्य एशिया में तनाव फिर बढ़ गया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे सहित खाड़ी क्षेत्र के 22 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास अमेरिकी सैन्य हमलों के जवाब में की गई है।

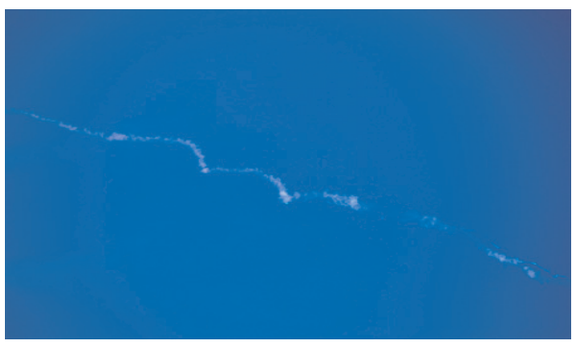

अप्रैल में दोनों देशों के बीच हुए युद्धविराम के बाद यह अमेरिका और ईरान के बीच सबसे गंभीर सैन्य टकरावों में से एक माना जा रहा है। ईरानी हमलों का दायरा जॉर्डन के अलावा कुवैत और बहरीन तक फैला है। ईरान के सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) ने बताया कि बहरीन स्थित अमेरिका के पांचवें बेड़े को भी निशाना बनाया गया है। बहरीन के गृह मंत्रालय ने एक्स के जरिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया गया है। बाद में बहरीन के शाही दरबार के मीडिया सलाहकार ने कहा कि देश की वायु रक्षा प्रणाली ने ईरानी हमलों को विफल कर दिया।

इससे पहले अमेरिकी सेना (सेंटकॉम) ने बताया था कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट ईरान के वायु रक्षा तंत्र, नियंत्रण केंद्रों और निगरानी रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, यह हमला एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराए जाने के जवाब में किया गया।

ट्रंप ने अमेरिकी प्रसारक एबीसी से न्यूज से कहा, 'हमारा जवाब बेहद मजबूत और प्रभावशाली होना चाहिए था, और यही हमने किया है।'

ट्रंप प्रशासन की एच-1बी वीजा फीस पर कोर्ट की रोक, राज्यों को मिली राहत

वॉशिंगटन। अमेरिका के कई राज्यों के अटॉर्नी जनरल्स ने उस संघीय अदालत के फैसले का स्वागत किया है, जिसमें ट्रंप प्रशासन की ओर से नए एच-1बी वीजा आवेदन पर लगाए गए एक लाख डॉलर के शुल्क को रद्द कर दिया गया। उनका कहना है कि यह फैसला उन कंपनियों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और शोध संस्थानों के लिए बड़ी राहत है जो कुशल विदेशी कर्मचारियों पर निर्भर रहते हैं।

एक दिन पहले, मैसाचुसेट्स की अमेरिकी जिला अदालत ने अंतिम फैसला सुनाते हुए इस शुल्क को खत्म कर दिया। यह शुल्क 21 सितंबर 2025 के बाद दाखिल किए गए सभी नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर लगाया गया था। कई राज्यों के गठबंधन ने इस नीति को अदालत में चुनौती दी थी। उनका कहना था कि कांग्रेस की मंजूरी के बिना प्रशासन को ऐसा शुल्क लगाने का अधिकार नहीं था। वॉशिंगटन राज्य के अटॉर्नी जनरल निक ब्राउन ने कहा कि यह फैसला राज्य को विशेष कौशल वाले लोगों को आकर्षित करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, 'यह जीत हमारे राज्य को उन अत्यधिक विशेषज्ञता वाले शोध कार्यों में आगे बनाए रखने में मदद करेगी, जो दुनिया के सबसे गतिशील उद्योगों को आगे बढ़ाते हैं।' उन्होंने यह भी कहा, 'अगर इस गैरकानूनी शुल्क को नहीं रोका जाता, तो इससे वॉशिंगटन की सरकारी एजेंसियों, सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता।'

ब्राउन के कार्यालय के अनुसार, वॉशिंगटन राज्य की 30 से अधिक सरकारी एजेंसियों, सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में लगभग 500 एच-1बी वीजा धारक काम करते हैं। अधिकारियों का कहना था कि इस शुल्क के कारण शैक्षणिक संस्थानों के लिए एआई, साइबर सुरक्षा और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योग्य लोगों की भर्ती करना मुश्किल हो जाता।

अमेरिका-ईरान संघर्ष पर रूस फिक्रमंद दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील

मास्को। रूस ने अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव पर गहरी चिंता जताई है और दोनों पक्षों से तत्काल संयम बरतने की अपील की है। यह तनाव 8 अप्रैल के संघर्षविराम के बाद सबसे गंभीर माना जा रहा है। अमेरिका इसे आत्मरक्षा में उठाया गया कदम तो ईरान जवाबी कार्रवाई बता रहा है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि रूस 'नए दौर के अमेरिका-ईरान सशस्त्र संघर्ष को लेकर अत्यंत चिंतित' है। उन्होंने इसे 'बिना उकसावे के अमेरिका-इजरायल की ईरान के खिलाफ कार्रवाई' बताते हुए स्थिति को गंभीर करार दिया। जखारोवा ने कहा कि रूस दोनों पक्षों से अपील करता है कि वे संयम बरतें और तुरंत सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकें, ताकि स्थिति और अधिक न बिगड़े।

रूस और ईरान के संबंध लंबे समय से अमेरिका की मध्य एशिया, अफगानिस्तान और इराक में नीतियों को लेकर साझा अविश्वास पर आधारित रहे हैं। विश्लेषकों के अनुसार, दोनों देशों के बीच यह रणनीतिक साझेदारी समय के साथ और मजबूत हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कई मौकों पर ईरान के साथ संबंधों को 'रणनीतिक प्राथमिकता' बता चुके हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग का महत्व और बढ़ जाता है।

खाई में गिरी टूरिस्ट वैन एक ही परिवार के 10 लोगों की मौत

रावलपिंडी। पाकिस्तान के इस्लामाबाद-मरी एक्सप्रेसवे पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि सभी एक ही परिवार के सदस्य थे।

टूरिस्ट वैन मोड़ लेते समय नियंत्रण खो बैठी और सड़क किनारे नाले में जा गिरी। दुर्घटना के तुरंत बाद वाहन में आग लग गई, जिससे कई यात्री अंदर ही फंस गए।

नेशनल हाईवेज एंड मोटरवे पुलिस (एनएचएमपी) के अनुसार, हादसा खाजुत क्षेत्र के निकट हुआ। पुलिस ने बताया कि वैन ऐसी स्थिति में पलटी कि यात्री उसका दरवाजा नहीं खोल सके और आग लगने के कारण कई लोग बाहर निकलने में असफल रहे। जिओ न्यूज ने मरी के डिप्टी कमिश्नर आगा जहीर अब्बास शिराजी के हवाले से बताया कि टूरिस्ट वैन जिसमें एक ही परिवार के 23 लोग सवार थे, मरी एक्सप्रेसवे पर खजुत में हादसे का शिकार हो गई।

शिराजी ने कहा कि वैन की रफ्तार बहुत तेज थी, इस वजह से चालक नियंत्रण नहीं रख सका और किनारे की दीवार को तोड़ता हुआ नाले में जा गिरा।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक और घायल सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। यह परिवार पंजाब के मुल्तान शहर से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मरी जा रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही मोटरवे पुलिस, स्थानीय प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचावकर्मियों ने आग पर काबू पाने और यात्रियों को बाहर निकालने का अभियान चलाया। मृतकों के शव और झुलसे/घायल लोगों को इलाज के लिए इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) अस्पताल भेजा गया।

इस हादसे पर पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि वह इस दुख की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं। प्रमुख दैनिक डॉन के अनुसार, पिछले महीने मरी रोड पर पुनर्निर्माण कार्य के कारण यातायात को एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ दिया गया था, जिसके चलते इस मार्ग पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया था। फिलहाल हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

उत्तराखंड के मसूरी में 500 मीटर गहरी खाई में कार पलटी, चार लोगों की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के मसूरी में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक कार के लगभग 500 मीटर गहरी खाई में गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद आईटीबीपी, एसडीआरएफ, पुलिस, फायर सर्विस और चिकित्सा विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया।

यह हादसा सुबह करीब 9 बजे झड़ीपानी-कोलूखेत शॉर्टकट मार्ग पर हुआ। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस कंट्रोल रूम (112) को सुबह 9:16 बजे सूचना मिली कि झड़ीपानी रोड पर एक वाहन गहरी खाई में गिर गया है। सूचना मिलते ही मसूरी पुलिस, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड और 108 एंबुलेंस सेवा की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे से पहले कार एक सड़क किनारे दुकान पर रुकी थी। कार में सवार लोगों ने दुकानदार को बताया था कि वे उत्तरकाशी से आ रहे हैं। कुछ सामान खरीदने के बाद जैसे ही सभी लोग वापस कार में बैठे, वाहन अचानक तेज गति से ढलान की ओर लुढ़कने लगा।

बताया जा रहा है कि चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिसके बाद कार सड़क से बाहर निकलकर खाली जमीन पार करते हुए करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस ने मृतकों की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी सत्यप्रकाश, 19 वर्षीय मनीत, गाजियाबाद के नेहरू नगर निवासी 48 वर्षीय सविता (धर्मवीर की पत्नी) और दिल्ली के करोल बाग निवासी 46 वर्षीय संगीता (टिटू की पत्नी) के रूप में की है।

खाई की अत्यधिक गहराई, घने पेड़-पौधों और झाड़ियों के कारण बचाव दलों को रेस्क्यू अभियान में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टीमों ने सभी चार शवों को बाहर निकाला।

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ढलान पर उतरते समय कार के ब्रेक फेल होने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि हादसे के वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए मसूरी के क्षेत्राधिकारी और देहरादून के पुलिस अधीक्षक (सिटी) सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है और कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट हादसा मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हुई

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में सोमवार को हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। बुधवार को अस्पताल में इलाज के दौरान एक घायल कर्मचारी की मौत हो गई।

पिदिरजू नाम के एक कॉन्ट्रैक्ट वर्कर की सेवन हिल्स हॉस्पिटल में चोटों के कारण मौत हो गई।

सोमवार को विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में पिघले हुए स्टील से भरा एक लैडल (बड़ा बर्तन) फटने से आठ लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब लैडल फटने से बड़ी मात्रा में पिघला हुआ स्टील लीक हो गया; इस लैडल में स्टील का तापमान बहुत ज्यादा, यानी लगभग 1,500 डिग्री सेल्सियस था।

अस्पताल ले जाते समय पिदिरजू का रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अपनी जान बचने की उम्मीद न होने पर, उन्होंने अपने बड़े बेटे वर्मा को निर्देश दिए कि वह अपनी मां का ख्याल रखे और यह सुनिश्चित करे कि उसका छोटा भाई अपनी पढ़ाई जारी रखे।

घायल हुए पांच वर्करों का इलाज दो अस्पतालों में चल रहा है।

मंगलवार को दुर्घटना स्थल का दौरा करने के बाद, डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने हादसे में जान गंवाने वाले हर वर्कर के परिवार को 25-25 लाख रुपए का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को प्लांट में नौकरी देने की घोषणा की। उन्होंने गंभीर रूप से घायल और आईसीयू में इलाज करा रहे वर्करों को भी 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की।

पवन कल्याण ने यह भी बताया कि रिटायरमेंट बेनिफिट्स के तहत स्थायी कर्मचारियों को 1.72 करोड़ रुपए और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को 45.75 लाख रुपए दिए जाएंगे, और प्लांट मैनेजमेंट घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाएगा।

डिप्टी सीएम ने कहा कि मारे गए वर्करों के बच्चों की पढ़ाई जारी रहेगी। मारे गए कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र तक, उनके परिवार के सदस्य स्टील प्लांट के क्वार्टर में मुफ्त में रह सकते हैं।

संक्षिप्त खबर

गरीब परिवार से निकलकर लोकतंत्र को गौरवान्वित किया, पीएम मोदी पर बोले मोहन यादव

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने और 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर भाजपा नेताओं ने इसे भारतीय लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पीएम मोदी के नेतृत्व, जनकल्याणकारी योजनाओं और देश के विकास में उनकी भूमिका की सराहना करते हुए उनके लंबे और सफल राजनीतिक सफर को देश के लिए गर्व का विषय बताया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुशासन के लिए सबसे लंबा कार्यकाल पूरा किया है, जिससे वैश्विक मंच पर भारत के लोकतंत्र का मान बढ़ा है। एक तरफ वह 81 करोड़ से ज्यादा लोगों के लिए मुफ्त राशन वितरण जैसी कल्याणकारी योजनाएं चला रहे हैं। साथ ही गरीबों के कल्याण के साथ उन्हें स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना भी सिखा रहे हैं। दुनिया के सामने भारत का आदर्श रूप उभरकर आ रहा है। एक गरीब परिवार से निकलकर लोकतंत्र को गौरवान्वित करने का रिकॉर्ड भी पीएम मोदी के नाम है। मध्य प्रदेश के सीएम ने कहा कि परिस्थितियां कैसी भी हों, इच्छाशक्ति के बल पर सभी कार्य किए जा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर : नशा मुक्त अभियान के तहत सांबा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो कुख्यात ड्रग तस्कर गिरफ्तार

सांबा। जम्मू-कश्मीर में चलाए जा रहे 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत सांबा पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। जिले के विजयपुर और बारी ब्राह्मणा थाना क्षेत्रों में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में पुलिस ने दो कुख्यात ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 113.03 ग्राम हेरोइन जैसे पदार्थ (चिट्टा), एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन और नकदी बरामद की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद विजयपुर थाना पुलिस ने राख बरोटियन के निकट तारापुर रोड पर विशेष नाका लगाया। इस दौरान रामगढ़ की ओर से आ रहे एक संदिग्ध पैदल यात्री को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 53.03 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ, एक वजन करने वाली मशीन तथा 1,300 रुपए नकद बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शब्बीर अहमद पुत्र गुलान कादिर निवासी राख बरोटियन, तहसील विजयपुर, जिला सांबा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ विजयपुर थाना में एफआईआर संख्या 98/2026 दर्ज कर एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि शब्बीर अहमद क्षेत्र का एक कुख्यात ड्रग तस्कर है और उसके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाने में लगी हुई है। इसी तरह की एक अन्य कार्रवाई में बारी ब्राह्मणा थाना पुलिस ने निहालकी क्षेत्र में गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। यह व्यक्ति सुखानी तालाब क्षेत्र से शन्नी कारथोली नहर की ओर जा रहा था।

टीएमसी ने पार्टी दफ्तरों पर सीआईडी की कार्रवाई के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया। पार्टी ने विधायकों के हस्ताक्षर मेल न खाने के मामले में मंगलवार को राज्य के क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) द्वारा पार्टी दफ्तरों में की गई कथित कार्रवाई को चुनौती दी है।

बुधवार सुबह जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल-जज वेकेशन कोर्ट में दायर याचिका में पार्टी के चार बार लोकसभा सदस्य रहे और सीनियर वकील कल्याण बनर्जी ने कहा कि मामले के मुख्य गवाहों की गैर-मौजूदगी में छापे और तलाशी अभियान चलाए गए। साथ ही, पार्टी के जिन दो दफ्तरों में एक साथ छापे और तलाशी अभियान चलाए गए, वहां मौजूद पार्टी के अहम दस्तावेजों की भी जांच-पड़ताल की गई।

याचिका में कल्याण बनर्जी ने इस बात की ओर भी इशारा किया कि छापे और तलाशी अभियान इस तथ्य को नजरअंदाज करते हुए चलाए गए कि तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्हें भेजे गए सीआईडी समन को चुनौती दी गई है।

जस्टिस भट्टाचार्य ने याचिका स्वीकार कर ली है और मामले की सुनवाई गुरुवार को होगी। साथ ही, अभिषेक बनर्जी की पहले वाली याचिका पर भी गुरुवार को जस्टिस कौशिक चंदा की सिंगल-जज बेंच सुनवाई करेगी। इस याचिका में सीआईडी के समन को चुनौती दी गई है और गिरफ्तारी समेत पुलिस की सख्त कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की गई है। इस याचिका पर बुधवार को सुनवाई होनी थी। गौरतलब है कि मंगलवार दोपहर को सीआईडी अधिकारियों ने एक साथ कई जगहों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। ये छापे दक्षिण कोलकाता के कालीघाट में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के घर के पास स्थित पार्टी ऑफिस और मध्य कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित एक अन्य ऑफिस में मारे गए।

हजारीबाग के स्वर्ण व्यवसायी हत्याकांड का खुलासा, जीजा ही निकला आरोपी

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में स्वर्ण व्यवसायी विक्की सोनी की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर लिया है। पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी मृतक का जीजा विक्रम कुमार निकला। मामले में एक अन्य आरोपी दिलीप कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश और व्यक्तिगत विवाद को हत्या की वजह बताया गया है। सोमवार की देर रात बरही थाना क्षेत्र में हजारीबाग रोड स्थित करसो पुल के पास विक्की सोनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना उस समय हुई थी, जब वह अपने मित्र अभिषेक कुमार उपाध्याय के साथ कोडरमा रेलवे स्टेशन जा रहे थे। रास्ते में उनकी कार का टायर पंचर हो गया था। दोनों सड़क किनारे टायर बदल रहे थे, तभी अपराधियों ने विक्की सोनी को गोली मार दी थी।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कई बिंदुओं पर छानबीन की। इसके बाद विक्रम कुमार और दिलीप कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में विक्रम कुमार ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

दरभंगा में कोसी नदी में पलटी किसानों से भरी नाव, किशोरी समेत तीन लापता

पटना। बिहार के दरभंगा जिले में बुधवार सुबह कोसी नदी में किसानों से भरी एक नाव पलट जाने से तीन महिलाएं लापता हो गईं। ये सभी किसान अपने खेतों में मूंग की फसल की कटाई करने जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि लापता महिलाओं की तलाश के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने सघन खोज अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा जमालपुर थाना क्षेत्र के तहत तरवारा घाट के पास रिंग बांध के निकट हुआ।

बताया जा रहा है कि करीब 10 किसान, जिनमें अधिकांश महिलाएं थीं, एक ही नाव में सवार होकर नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज बहाव के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नदी में पानी का बहाव काफी तेज था। नाव में पानी भरने लगा और कुछ ही देर में वह पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और सभी अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करने लगे।

मौके पर मौजूद एसडीआरएफ जवान रविंद्र कुमार ने सात लोगों को सुरक्षित बचाकर नदी किनारे पहुंचाया। हालांकि एक किशोरी समेत तीन किसान तेज धारा में बह गईं और अभी तक उनका पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद बचाए गए लोगों ने स्थानीय प्रशासन को इसकी सूचना दी। हादसे की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी किनारे पहुंच गए और प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया।

सूचना मिलने पर बिरौल के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) शशांक राज और एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्यों की निगरानी की।

तेज आंधी-तूफान का कहर, निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से मची अफरा-तफरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आए तेज आंधी-तूफान ने बुधवार को भारी तबाही मचाई। रबूपुरा क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान की दीवार अचानक भरभराकर पड़ोस के मकान पर गिर गई, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे में पड़ोसी मकान की छत का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना के समय मकान के अंदर मौजूद लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली और कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार रबूपुरा क्षेत्र में एक मकान की तीसरी मंजिल पर निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। तेज हवाओं के दबाव के चलते निर्माणाधीन हिस्से की एक दीवार संतुलन खो बैठी और बगल में बने मकान पर जा गिरी। दीवार गिरने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दीवार गिरते ही पड़ोसी मकान की छत का एक हिस्सा भी ढह गया। उस समय मकान के अंदर परिवार के कई सदस्य मौजूद थे। जोरदार आवाज और कंपन महसूस होने पर सभी लोग तत्काल घर से बाहर निकल आए।

कुछ ही क्षण बाद दीवार और मलबा मकान पर आ गिरा। यदि परिवार के सदस्य समय रहते बाहर नहीं निकलते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पश्चिम बंगाल में भी लागू कर दिया गया है महाराष्ट्र का वॉशिंग मशीन मॉडल : शिवसेना (यूबीटी)

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने को ऐसा दौर बताया है, जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के बजाय 'दलबदलुओं और गद्दारों' को बागी के तौर पर पेश किया जा रहा है।

शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र 'सामना' में संपादकीय के जरिए आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष, चुनाव आयोग और यहां तक कि न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं का उपयोग राजनीतिक दल-बदल को आसान बनाने के लिए किया जा रहा है। संपादकीय में कहा गया कि महाराष्ट्र जैसी स्थिति पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिल रही है, जहां हाल ही के विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक बड़े हिस्से के विधायक भाजपा के साथ जुड़ गए हैं। इसमें आरोप लगाया गया कि यह वही राजनीतिक पैटर्न है, बस किरदार बदल गए हैं।

संपादकीय में कहा गया कि महाराष्ट्र का वॉशिंग मशीन मॉडल अब पश्चिम बंगाल में भी लागू कर दिया गया है, जहां टीएमसी के भ्रष्ट नेताओं को इसमें डाला जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं ने टीएमसी सरकार को भ्रष्ट और अवैध प्रवासियों का समर्थक बताया था, लेकिन चुनाव के बाद वही नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि टीएमसी नेताओं को तोड़ने के लिए धमकी, धन और जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। संपादकीय में यह भी कहा गया कि भाजपा की राजनीति केवल सत्ता हासिल करने पर केंद्रित है और भ्रष्टाचार के आरोपियों के भाजपा में शामिल होते ही उनके खिलाफ जांच धीमी पड़ जाती है।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार के सत्र में तेजी देखने को मिली। अमेरिका द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला किए जाने के बाद ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं बढ़ गईं, जिससे तेल की कीमतों में 1 प्रतिशत तक का उछाल आया।

अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 1 प्रतिशत बढ़कर 93.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ करीब 90 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता नजर आया।

तेल की कीमतों में यह तेजी तब आई जब अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के एयर डिफेंस, ग्राउंड कंट्रोल और निगरानी रडार ठिकानों पर 'आत्मरक्षा' के तहत हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह कार्रवाई क्षेत्र में अमेरिकी सेना के अपाचे हेलीकॉप्टर को कथित रूप से मार गिराए जाने की घटना के जवाब में की गई। हालांकि, ईरान ने इस घटना में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया और कहा कि हेलीकॉप्टर दुर्घटना एक हादसा थी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बाजारों को उम्मीद थी कि पश्चिम एशिया में तनाव धीरे-धीरे कम होगा। लेकिन अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है।

निवेशकों और कारोबारियों का भरोसा भी कमजोर पड़ा, जिसके चलते वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के कच्चे तेल के भंडार में पिछले सप्ताह लगातार आठवीं बार कमी दर्ज की गई है, जिससे भी तेल की कीमतों को समर्थन मिला है।

स्टारलिंक ने भारत में मंजूरी पर रोक लगने की खबरों को बताया गलत, कहा- सरकार के साथ बातचीत जारी

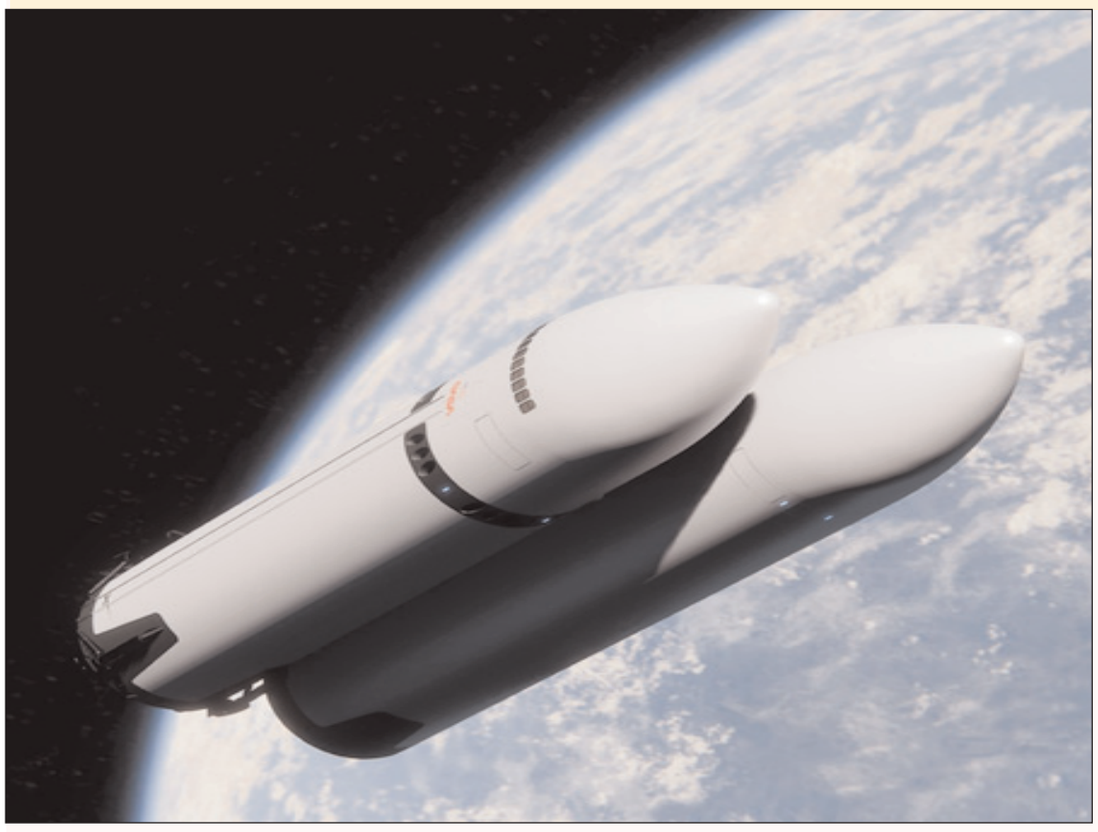

नई दिल्ली। दुनिया के जाने-माने अरबपति और उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि भारत सरकार ने उसकी सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को मंजूरी देने की प्रक्रिया रोक दी है। कंपनी ने कहा कि वह भारत सरकार के साथ 'सक्रिय और सकारात्मक बातचीत' कर रही है और उसे अपनी योजनाओं को लेकर उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है।

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टारलिंक बिजनेस ऑपरेशंस की वाइस प्रेसिडेंट लॉरेन ड्रेयर ने कहा कि कंपनी भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उसने सभी नियामकीय तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं का पालन किया है।

यह स्पष्टीकरण उस रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें दावा किया गया था कि ईरान संघर्ष में स्टारलिंक टर्मिनलों के इस्तेमाल को लेकर चिंताओं के कारण भारत ने कंपनी के व्यावसायिक संचालन की मंजूरियों को प्रभावी रूप से रोक दिया है।

ड्रेयर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्टारलिंक भारत सरकार के साथ सक्रिय और सकारात्मक चर्चा कर रही है और गुमनाम सूत्रों के आधार पर प्रकाशित खबरें भ्रामक हैं।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने सभी जरूरी नियामकीय और अनुपालन प्रक्रियाओं में सरकार के साथ पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम किया है।

ड्रेयर के अनुसार, स्टारलिंक ने भारत के लिए एक विशेष तैनाती (डिप्लॉयमेंट) मॉडल तैयार किया है, जो देश की तकनीकी संप्रभुता, नियामकीय आवश्यकताओं और सुरक्षा मानकों के अनुरूप है।

उन्होंने कहा कि कंपनी को स्टारलिंक की तकनीकी क्षमता और दूरदराज तथा कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में इंटरनेट पहुंच बढ़ाने की संभावनाओं को लेकर लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

ड्रेयर ने कहा कि स्टारलिंक भारत के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सरकार के साथ मिलकर जल्द से जल्द अपनी सेवाएं शुरू करने की दिशा में काम कर रही है।

स्टारलिंक ने भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाएं देने के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन किया हुआ है और उसे सरकार से लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) भी मिल चुका है। हालांकि, कंपनी अभी अंतिम नियामकीय मंजूरी का इंतजार कर रही है, जिसके बाद वह व्यावसायिक सेवाएं शुरू कर सकेगी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब स्पेसएक्स कथित तौर पर इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ की तैयारी कर रही है।

दक्षिण कोरिया: एआई चश्मों का इस्तेमाल कर अंग्रेजी की परीक्षा में नकल करते पकड़े गए छात्र

सोल। दक्षिण कोरिया में टीओईआईसी अंग्रेजी भाषा परीक्षा में दो लोगों को एआई वाले चश्मों का उपयोग करके नकल करते हुए पकड़ा गया है। यह देश में इस तरह का पहला मामला बताया गया है।

परीक्षा प्रशासन ने बुधवार को बताया कि ये दोनों लोग 10 मई और 31 मई को परीक्षा देते समय पकड़े गए थे। उन पर उस समय शक हुआ जब निगरानी करने वालों (प्रॉक्टर्स) ने देखा कि वे एआई चश्मे पहन सकते हैं। इसके बाद जांच की गई।

कोरिया टीओईआईसी समिति ने कहा कि दोनों परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम रद्द कर दिए गए हैं और उन्हें अगले 4 साल तक टीओईआईसी परीक्षा देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

एआई चश्मे ऐसे उपकरण हैं जिनमें कैमरा और माइक्रोफोन होते हैं और इनमें जनरेटिव एआई तकनीक भी होती है। ये चश्मे सामने दिखने वाली चीजों का विश्लेषण कर सकते हैं और जानकारी लेंस या अंदर लगे स्पीकर के जरिए उपयोगकर्ता तक पहुंचा सकते हैं।

कुछ नए मॉडल सामान्य चश्मों जैसे दिखते हैं, इसलिए उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है।

समिति ने कहा है कि निगरानी करने वालों को ऐसे एआई चश्मों को पहचानने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिक्षा विभाग भी ऐसे उपकरणों को परीक्षा केंद्रों में ले जाने पर रोक लगाने पर विचार कर रहा है, खासकर वार्षिक कॉलेज प्रवेश परीक्षा के दौरान।

इसी बीच, दक्षिण कोरिया की कंपनी एसके टेलीकॉम ने जापान और ताइवान की बड़ी दूरसंचार कंपनियों के साथ मिलकर नई पीढ़ी की एआई तकनीकों में निवेश के लिए एक संयुक्त कोष बनाने की घोषणा की है।

इस साझेदारी में जापान की एनटीटी और ताइवान की चूनघवा टेलीकॉम भी शामिल हैं। ये मिलकर लगभग 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का कोष बनाएंगे, जिसका नाम 'कैटलाइट कैपिटल' रखा गया है।

यह कोष उत्तर अमेरिका, एशिया और यूरोप में एआई स्टार्टअप्स में निवेश करेगा। इसमें एआई चिप्स, कूलिंग सिस्टम और एआई सेवा अनुप्रयोगों जैसी पूरी तकनीकी श्रृंखला शामिल होगी।

एसके हाइनिक्स कंपनी भी इसमें शामिल होने की तैयारी कर रही है।

कंपनी ने कहा कि यह कोष एआई, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और नेटवर्क तकनीक को जोड़ने का एक अवसर होगा और पूर्वी एशिया की तकनीकी क्षमता को वैश्विक नवाचार प्रणाली से जोड़ने में मदद करेगा।

भीषण गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाव करेंगे ये नेचुरल ड्रिंक्स, पूरे दिन बनी रहेगी एनर्जी

नई दिल्ली । देश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है। तपती धूप, उमस भरी हवाएं और तेज गर्मी से जनजीवन पूरी तरह बेहाल है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट लोगों से शरीर को हाइड्रेटेड रखने की सलाह के साथ कुछ खास नेचुरल पेय पदार्थों के सेवन का सुझाव देते हैं।

गर्मी का यह मौसम चुनौती भरा है, लेकिन इन सरल और सस्ते घरेलू उपायों को अपनाकर हम स्वस्थ और सक्रिय रह सकते हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, गर्मियों में प्राकृतिक और घरेलू पेय पदार्थ न सिर्फ प्यास बुझाते हैं बल्कि शरीर के इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित रखते हुए स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं।

इस मौसम में सबसे लोकप्रिय और प्रभावी पेय में आम पन्ना शामिल है। कच्चे आम से बनने वाला यह पारंपरिक ड्रिंक उमस भरी गर्मी की सुबह में प्यास बुझाने का बेहतरीन विकल्प है। इसमें

प्रचुर मात्रा में विटामिन सी और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं जो शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं और गर्मी से होने वाली थकान को दूर करते हैं।

इसी तरह सिट्रस जूस यानी नींबू, संतरा, मौसमी आदि से बने जूस या शरबत भी गर्मी के मौसम में बेहद फायदेमंद है। विटामिन सी से भरपूर यह जूस शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करता है, इम्युनिटी बढ़ाता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है।

तरबूज का ड्रिंक इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। तरबूज पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें उच्च मात्रा में पानी के साथ-साथ विटामिन ए, सी और पोटेशियम होता है जो शरीर के टॉक्सिन को बाहर निकालता है और पूरे दिन हाइड्रेटेड रखता है। गर्मी में थकान महसूस होने पर तरबूज का ताजा जूस पीना बहुत राहत देता है।

छाछ को गर्मियों का सबसे अच्छा घरेलू नुस्खा माना जाता है। यह न सिर्फ शरीर की आंतरिक गर्मी कम करती है बल्कि अपच, पेट फूलने और गर्मी से होने वाली अन्य समस्याओं से भी राहत दिलाती है। छाछ में नमक, जीरा और पुदीना मिलाकर पीने से स्वाद के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ भी दोगुना हो जाता है।

नारियल पानी को प्रकृति का सबसे अच्छा इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक कहा जाता है। यह स्वादिष्ट, ताजगी भरा और पूरी तरह प्राकृतिक होता है। गर्मी में पसीने के साथ निकले खनिजों को तेजी से पूरा करता है और शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इन प्राकृतिक पेयों को अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या में शामिल करने से गर्मी से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों जैसे हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और थकान से बचा जा सकता है। साथ ही भरपूर पानी पीना, हल्का और पौष्टिक भोजन करना तथा दोपहर में धूप से बचना भी जरूरी है।

तनाव और बेचैनी से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद शून्य मुद्रा, कानों की परेशानी से भी मिलती है राहत

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग स्वस्थ रहने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। कोई जिम जाता है, कोई सुबह टहलता है, तो कोई योग का सहारा लेता है। योग में केवल आसन ही नहीं होते, बल्कि कई ऐसी हस्त मुद्राएं भी होती हैं, जिन्हें करने से शरीर और मन को फायदा पहुंचता है। इन्हीं में से एक है शून्य मुद्रा। यह एक आसान योग मुद्रा है, जिसे कहीं भी बैठकर किया जा सकता है।

शून्य मुद्रा को करने का तरीका बहुत आसान है। सबसे पहले पद्मासन में बैठ जाएं। इसके बाद, दोनों हाथों को घुटनों पर रखें। अब मध्यमा उंगली को मोड़कर अंगूठे से हल्के दबाव के साथ पकड़ें। बाकी उंगलियों को सीधा रखें। इस दौरान सांस सामान्य रखें और मन को शांत रखने की कोशिश करें। कुछ मिनट तक इस मुद्रा में रहने के बाद धीरे-धीरे हाथों को सामान्य स्थिति में ले आएं।

योग से जुड़े जानकारों के अनुसार, शून्य मुद्रा का सबसे ज्यादा फायदा कानों के लिए माना जाता है। कहा जाता है कि यह शरीर में ऊर्जा के संतुलन को बेहतर बनाने में मदद करती है। जब शरीर का संतुलन ठीक रहता है तो कानों से जुड़ी कुछ सामान्य परेशानियों में आराम मिल सकता है।

यह मुद्रा गले के लिए भी अच्छी मानी जाती है। जो लोग ज्यादा बोलते हैं, गाना गाते हैं या जिनका काम लगातार बोलने का है, उनके लिए यह उपयोगी है। इस मुद्रा को करते समय शरीर और मन दोनों शांत रहते हैं, जिससे गले की मांसपेशियों को आराम मिलता है। कई योग प्रशिक्षकों का मानना है कि इससे आवाज को साफ और बेहतर बनाए रखने में मदद मिलती है।

शून्य मुद्रा का असर केवल शरीर पर ही नहीं बल्कि मन पर भी पड़ता है। आजकल तनाव और चिंता की समस्या बहुत आम हो गई है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति कुछ मिनट शांत बैठकर इस मुद्रा का अभ्यास करता है, तो उसका ध्यान इधर-उधर की बातों से हटकर अपने ऊपर केंद्रित होता है। इससे मन धीरे-धीरे शांत होने लगता है। यही कारण है कि इसे मानसिक शांति के लिए भी अच्छा माना जाता है।

इस मुद्रा को करने से शरीर में खून का बहाव भी बेहतर होने में मदद मिलती है। जब व्यक्ति आराम से बैठकर गहरी और सामान्य सांस लेता है तो शरीर को सुकून मिलता है। इससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक खून पहुंचने की प्रक्रिया बेहतर होती है। अच्छा रक्त संचार शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सांस से जुड़ी परेशानियों में भी यह मुद्रा सहायक मानी जाती है। अभ्यास के दौरान व्यक्ति अपनी सांसों पर ध्यान देता है, जिससे सांस लेने की आदत बेहतर हो सकती है। नियमित अभ्यास से शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन मिलने में मदद मिल सकती है। हालांकि इस मुद्रा को करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। खाना खाने के तुरंत बाद इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

खरबूजे के बीज: छोटे दानों में छिपा बड़ा खजाना, सेहत के लिए कई फायदे

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में हर किसी को खरबूजा काफी पसंद है, लेकिन जिन बीजों को लोग खराब मानकर फेंक देते है, वही बीज बाजार में पैकिंग के साथ महंगे दामों पर बिक रहे हैं। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार खरबूजे के बीज कई महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का स्रोत हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं। खरबूजे के बीजों में अच्छी मात्रा में प्रोटीन, स्वस्थ वसा, फाइबर, मैग्नीशियम, जिंक, आयरन और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। हालांकि इनका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, खरबूजे के बीज दिल की सेहत के लिए लाभकारी साबित होते हैं। इनमें मौजूद मैग्नीशियम रक्तचाप को संतुलित रखता है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनमें मौजूद फाइबर भोजन को धीरे-धीरे पचाने में मदद करता है और आंतों की

कार्यप्रणाली को बेहतर बनाता है।

पर्याप्त फाइबर लेने वाले लोगों में कब्ज, पेट फूलने और अपच जैसी समस्याएं कम देखी जाती हैं। फाइबर आंतों में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीवों के लिए भी उपयोगी माना जाता है, जिससे संपूर्ण पाचन तंत्र स्वस्थ बना रह सकता है।

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में भी खरबूजे के बीज सहायक माने जाते हैं। इनमें पाया जाने वाला जिंक प्रतिरक्षा तंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जिंक शरीर की रक्षा करने वाली कोशिकाओं के निर्माण और उनके बेहतर कामकाज में सहायता करता है। इसके साथ ही इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को हानिकारक फ्री-रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं, जिससे कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने का खतरा कम हो सकता है।

त्वचा की सेहत के लिए भी खरबूजे के बीजों को लाभदायक माना जाता है। इनमें मौजूद स्वस्थ वसा और एंटीऑक्सीडेंट तत्व त्वचा को भीतर से पोषण देने में मदद करते हैं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि ऐसे पोषक तत्व त्वचा की नमी बनाए रखने, समय से पहले आने वाली झुर्रियों को कम करने और त्वचा को ज्यादा स्वस्थ दिखाने में सहायक होते हैं। यही वजह है कि कई लोग इन्हें अपने दैनिक आहार में शामिल करने लगे हैं।

हाइपरटेंशन की समस्या से राहत दिलाइगा बद्ध कोणासन, रोजाना 15 मिनट के अभ्यास से मिलेंगे कई फायदे

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस 2026 अब कुछ ही दिनों में मनाया जाने वाला है। इस खास अवसर से पहले ही भारत सरकार का आयुष मंत्रालय देशवासियों से लगातार अपील कर रहा है कि वे अपनी दिनचर्या में योगासन को शामिल करें। सही आसनों के अभ्यास से न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि मन भी प्रसन्न और शांत रहता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का प्राचीन भारतीय विज्ञान है। व्यस्त जीवनशैली, काम का दबाव और तनाव की वजह से आजकल लोग अक्सर हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे में योग विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि नियमित रूप से बद्ध कोणासन का अभ्यास करें, जो बेहद फायदेमंद है।

बद्ध कोणासन को 'बाउंड एंगल पोज' भी कहा जाता है। यह आसानी से किए जाने वाला प्रभावी आसन है। इसे करने के लिए जमीन पर सीधे बैठ जाएं, दोनों पैरों की एड़ियों को आपस में मिलाएं और घुटनों को बाहर की तरफ खोल लें। दोनों हाथों से पैरों की उंगलियों को पकड़ें और सीधे बैठकर गहरी सांस लें। इस आसन में कुछ देर रहने से शरीर की निचली हिस्से की मांसपेशियां एक्टिव होती हैं, रक्त संचार बेहतर होता है ।

विश्व नेत्रदान दिवस : मौत के बाद भी जिंदा रहती हैं आंखें, किसी की अंधेरी दुनिया में ला सकता है उजाला

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि इंसान की मृत्यु के बाद भी उसकी आंखें इस खूबसूरत दुनिया को देख सकती हैं? चिकित्सा विज्ञान का यह प्रमाणित सच किसी चमत्कार से कम नहीं है कि मौत के बाद भी हमारी आंखें जीवित रहती हैं और एक एकल मृत दाता की आंखों से आज की आधुनिक 'घटक सर्जरी' तकनीक के जरिए दो या उससे अधिक नेत्रहीन लोगों के जीवन में रोशनी लौटाई जा सकती है।

हर साल 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' और भारत में 25 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित होने वाला

'राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा' हमें इसी निस्वार्थ और सर्वोच्च मानवीय दान की याद दिलाता है।

पुराने समय में कॉर्निया प्रत्यारोपण में पूरी परत को बदल दिया जाता था, जिसे पेनिट्रेटिंग केराटोप्लास्टी कहते थे। लेकिन आज की आधुनिक नेत्र चिकित्सा 'लैमेलर केराटोप्लास्टी' की ओर बढ़ चुकी है।

इसमें कॉर्निया की केवल उसी परत को बदला जाता है जो खराब होती है।

बताया जाता है कि इसकी क्लिनिकल सफलता दर 90 प्रतिशत से अधिक है, और इससे ग्राफ्ट रिजेक्शन (शरीर द्वारा अस्वीकार किए जाने) का खतरा भी न्यूनतम हो जाता है।

अंग और ऊतक दान के क्षेत्र में राष्ट्रीय नोडल एजेंसी (एनओटीटीओ) ने नेत्रदान को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को तोड़ा है।

मिथक : बुजुर्ग व्यक्ति नेत्रदान नहीं कर सकते।

फीफा वर्ल्ड कपः राइट-बैक की पोजीशन पर खेलने को तैयार इबानेज, बोले- देश का प्रतिनिधित्व करना बड़ी बात

नई दिल्ली। ब्राजील फुटबॉल टीम के डिफेंडर रोजर इबानेज ने कहा है कि अगर टीम प्रबंधन उन्हें मौका देता है तो वह आगामी फीफा वर्ल्ड कप 2026 में राइट-बैक की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आमतौर पर सेंटर-बैक के रूप में खेलने वाले इबानेज का कहना है कि टीम की जरूरत के हिसाब से वह किसी भी पोजीशन पर खेलने के लिए तैयार हैं।

ब्राजील की टीम को हाल ही में बड़ा झटका लगा है। युवा खिलाड़ी वेस्ली फ्रैंका चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। इसके बाद टीम में राइट-बैक की जगह को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। अनुभवी खिलाड़ी डैनिलो इस भूमिका के लिए सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। हालांकि, इबानेज भी इस पोजीशन पर खेल सकते हैं और उन्हें एक अच्छे विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

जब इबानेज से पूछा गया कि वेस्ली की जगह कौन लेगा, तो उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मेरी पोजीशन तय करना कोच का काम है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि जहां भी टीम को मेरी जरूरत होगी, मैं वहां खेलने के लिए तैयार हूं। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सबसे बड़ी बात है।'

27 वर्षीय इबानेज इस समय सऊदी अरब के क्लब अल अहली के लिए खेलते हैं। उन्होंने टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी डैनिलो की भी जमकर तारीफ की। इबानेज के अनुसार डैनिलो युवा खिलाड़ियों की काफी मदद करते हैं और अपने अनुभव से टीम को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने बताया कि डैनिलो राइट-बैक और सेंटर-बैक दोनों पोजीशन पर खेल चुके हैं, इसलिए उनके सुझाव खिलाड़ियों के लिए काफी उपयोगी होते हैं।

हाल के वर्षों में कई सफल टीमों ने ऐसे खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया है जो एक से अधिक पोजीशन पर खेल सकते हैं। इबानेज का मानना है कि आधुनिक फुटबॉल में खिलाड़ियों का बहुमुखी होना बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि अगर टीम को जरूरत पड़े तो वह डिफेंस के साथ-साथ आक्रमण में भी योगदान देने के लिए तैयार हैं। इबानेज ने भरोसा जताया कि उन्हें इस पोजीशन का अच्छा अनुभव है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पाकिस्तान की महिला टीम जुलाई में श्रीलंका दौरे पर व्हाइट-बॉल सीरीज खेलेगी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम जुलाई में श्रीलंका का दौरा करेगी। इस दौरे पर छह मैचों की व्हाइट-बॉल सीरीज खेली जाएगी। श्रीलंका दौरे पर पाकिस्तान टीम 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी।

पीसीबी ने बताया कि सभी मैच हंबनटोटा के महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। वनडे मैच 23, 25 और 28 जुलाई को खेले जाएंगे। मैच आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 चक्र का हिस्सा हैं।

पाकिस्तान अभी 6 मैचों में 8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। टीम ने चार मैच जीते हैं। न्यूजीलैंड 13 अंकों के साथ तालिका में सबसे आगे है। कीवी टीम ने पाकिस्तान से तीन मैच ज्यादा खेले हैं।

वहीं, श्रीलंका छह मैचों में आठ अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उन्होंने भी चार मैच जीते हैं। नेट रन रेट में अंतर के कारण श्रीलंका पाकिस्तान से पीछे है।

पाकिस्तान और श्रीलंका महिला टीमों के बीच अब तक कुल 21 मैच खेले गए हैं, जिनमें पाकिस्तान ने 11 और श्रीलंका ने 9 मैच जीते हैं।

एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकला है। वहीं, वनडे फॉर्मेट में दोनों टीमें 34 बार आमने-सामने हुई हैं। पाकिस्तान ने 11 मैच जीते हैं और 22 गंवाए हैं, जबकि एक मैच रद्द हुआ है।

पाकिस्तान महिला टीम का श्रीलंका दौरा टी20 सीरीज के साथ खत्म होगा। टी20 सीरीज के 3 मैच 31 जुलाई, 2 अगस्त और 4 अगस्त को खेले जाएंगे। पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों टीमें फिलहाल टी20 विश्व कप 2026 के लिए अभी इंग्लैंड में हैं। विश्व कप 12 जून से 5 जुलाई तक खेला जाएगा।

विश्व कप में पाकिस्तान ए ग्रुप में है। पाकिस्तान के साथ ग्रुप की अन्य टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड हैं। ग्रुप बी में श्रीलंका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, आयरलैंड और स्कॉटलैंड है।

राडुकानू ने ब्लिंकोवा को 6-0, 6-3 से हराया, क्वींस के दूसरे राउंड में शानदार एंट्री

लंदन। ब्रिटिश नंबर 1 एम्मा राडुकानू ने मंगलवार को क्वींस क्लब में खेले गए पहले राउंड के मैच में अन्ना ब्लिंकोवा के खिलाफ 6-0, 6-3 से जीत दर्ज की। यह तीन महीने से भी ज्यादा समय में राडुकानू की पहली जीत थी, जिससे विंबलडन की उनकी तैयारियों को बढ़ावा मिला।

सीजन का अपना पहला ग्रास-कोर्ट मैच खेलते हुए राडुकानू शुरू से ही शानदार लय में नजर आईं। उन्होंने बिना कोई प्वाइंट गंवाए शुरुआती आठ गेम आसानी से अपने नाम किए। इसके बाद उन्होंने रूसी क्वालीफायर के खिलाफ मैच को आसानी से अपने नाम कर लिया। 6 मार्च को इंडियन वेल्स के पहले राउंड में अनास्तासिया जखारोवा को हराने के बाद यह उनकी पहली जीत थी।

23 वर्षीय खिलाड़ी के अभियान को पोस्ट-वायरल इलनेस के कारण झटका लगा था, जिसकी वजह से वह दो महीने से ज्यादा समय तक डब्ल्यूटीए टूर से दूर रहीं। वापसी के बाद, राडुकानू को स्ट्रासबर्ग और फ्रेंच ओपन के पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में लंदन में उनका शानदार प्रदर्शन और भी उत्साहजनक रहा। घरेलू दर्शकों के जबरदस्त समर्थन के बीच, राडुकानू पूरे मैच के दौरान शांत और आत्मविश्वास से भरी नजर आईं। अन्ना ब्लिंकोवा को मात देने के बाद राडुकानू ने कहा, 'मैं इस मैच को जीतने से बहुत खुश हूं। क्वींस में वापसी करके खेलना अच्छा लग रहा है। मैंने कुछ महीनों से कोई मैच नहीं जीता था। जीत के लिए इससे बेहतर जगह कोई और नहीं हो सकती थी। मैं फैंस मिले सभी समर्थन के लिए सचमुच आभारी हूं।'

पूर्व यूएस ओपन चैंपियन को उम्मीद है कि यह शानदार जीत उन्हें विंबलडन से पहले जरूरी मोमेंटम देगी। टूर पर कुछ मुश्किल महीनों के बाद, ग्रास-कोर्ट सीजन उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करने का मौका देता है। राडुकानू ने इस प्रदर्शन को साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम की तैयारियों में एक अहम कदम बताया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंगः हैरी ब्रूक नंबर वन बल्लेबाज बने, भारतीय कप्तान गिल आठवें स्थान पर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने पहला स्थान हासिल किया है। ब्रूक ने साथी खिलाड़ी और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। भारतीय कप्तान गिल को 2 स्थान का फायदा हुआ है। गिल आठवें स्थान पर चले गए हैं।

लॉर्ड्स में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की 115 रनों की जीत के दौरान पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद ब्रूक नंबर एक स्थान पर आ गए। ब्रूक पहली बार दिसंबर 2024 में शीर्ष स्थान पर पहुंचे थे। मैच में पचास से अधिक रन बनाने वाले केवल दो खिलाड़ियों में से एक ब्रुक थे। ब्रूक ने पहली पारी में 56 रन बनाए थे। ट्रेविस हेड दूसरे स्थान पर आ गए हैं। हेड को एक स्थान का फायदा हुआ है।

जो रूट के लिए लॉर्ड्स टेस्ट अच्छा नहीं रहा था। दोनों पारियों में वह एक और आठ रन ही बना पाए थे। इसका उन्हें नुकसान हुआ है। रूट दो स्थान खिसकर पहले से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट में शतक लगाया था। इस शतक की बदौलत दो स्थान ऊपर चढ़कर वह आठवें स्थान पर आ गए।

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर है। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान उपर चढ़कर पांचवें स्थान पर चले गए हैं।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन छठे स्थान पर हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बवुमा सातवें स्थान पर हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल नौवें स्थान हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक पायदान उपर चढ़कर दसवें स्थान पर चले गए हैं।

इंग्लैंड फीफा वर्ल्ड कप 2026 को जीतने का प्रबल दावेदार नहीं: कोच टुचेल

न्यूयॉर्क । इंग्लैंड फुटबॉल टीम के मुख्य कोच थॉमस टुचेल का मानना है कि उनकी टीम फीफा वर्ल्ड कप 2026 जीतने की सबसे बड़ी दावेदार नहीं है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड को पहले बड़े टूर्नामेंटों में खुद को साबित करना होगा, क्योंकि टीम पिछले छह दशकों से कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब नहीं जीत सकी है।

सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, टुचेल ने यह बात ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ इंग्लैंड के आखिरी वॉर्म-अप मैच से पहले कही। इससे पहले, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 1-0 से हराया था, लेकिन टीम का प्रदर्शन बहुत प्रभावशाली नहीं रहा था। जब पत्रकारों ने टुचेल से पूछा कि क्या इंग्लैंड वर्ल्ड कप जीतने की प्रमुख दावेदारों में शामिल है, तो उन्होंने साफ कहा कि उनकी टीम प्रबल दावेदार नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई ऐसी टीमें हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में बड़े टूर्नामेंट जीते हैं और उनका रिकॉर्ड इंग्लैंड से बेहतर है।

टुचेल ने कहा कि उनकी टीम बड़े सपने जरूर देखती है और खिताब जीतने की कोशिश करेगी, लेकिन फिलहाल वह खुद को चुनौती देने वाली टीम के रूप में देख रहे हैं। उनके अनुसार, खिलाड़ियों का पूरा ध्यान मेहनत, तैयारी और लगातार बेहतर प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने कहा कि टीम टूर्नामेंट में पूरी ताकत के साथ उतरेगी, पर केवल दावेदार कहलाने से कोई टीम चैंपियन नहीं बन जाती।

इंग्लैंड के कोच ने टीम की कप्तानी को लेकर भी अपनी सोच साझा की। उन्होंने बताया कि हैरी केन टीम के कप्तान हैं और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं, डेक्लान राइस को उपकप्तान बनाया गया है। टुचेल ने कहा कि उन्होंने यह फैसला काफी पहले कर लिया था, क्योंकि राइस मैदान पर टीम को अच्छी तरह संभालते हैं।

उन्होंने राइस की तारीफ करते हुए कहा कि उनका फुटबॉल नॉलेज शानदार है। वे खेल की गति, रणनीति और टीम के संतुलन को अच्छी तरह समझते हैं। राइस इस समय यूरोप के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डरों में से एक हैं और बेहतरीन फॉर्म में हैं।

कोच ने यह भी बताया कि फिलहाल इंग्लैंड के कैंप का माहौल काफी शांत और सकारात्मक है। हालांकि जैसे-जैसे टूर्नामेंट नजदीक आएगा, खिलाड़ियों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि टीम मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को तैयार कर रही है।

द हंड्रेडः लियाम लिविंगस्टोन को मिली लंदन स्पिरिट की कमान

लंदन । 'द हंड्रेड' के आगामी सीजन के लिए लंदन स्पिरिट ने अपनी पुरुष टीम की कमान इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को सौंपी है। 31 वर्षीय लिविंगस्टोन के पास इंटरनेशनल क्रिकेट और दुनियाभर की फ्रेंचाइजी लीग का काफी अनुभव है और उन्होंने इंग्लैंड के बेहतरीन व्हाइट-बॉल क्रिकेटर्स में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है।

फ्रेंचाइजी की तरफ से जारी बयान में लियाम ने कहा, 'मैं इस गर्मी में लॉर्ड्स में लंदन स्पिरिट की कप्तानी करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह एक शानदार मैदान है और यहां देश की सबसे बड़ी भीड़ जुटती है। मुझे पता है कि फैंस प्रत्येक मैच के लिए एक खास माहौल बनाएंगे। टीम में बहुत टैलेंट है। मैं चाहता हूं कि हम इस गर्मी में इतिहास रचें। मैं शुरुआत करने के लिए बेताब हूं।'

साल 2021 में टूर्नामेंट के पहले सीजन में लियाम लिविंगस्टोन को 'मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर' चुना गया था, उस सीजन लियाम ने बर्मिंघम फीनिक्स को फाइनल तक पहुंचाने में मदद की थी। फीनिक्स के साथ 5 सीजन में लियाम ने सिर्फ 36 पारियों में 996 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने सर्वाधिक 71 छक्के लगाए।

'द हंड्रेड' के अलावा, लिविंगस्टोन इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम का एक अहम हिस्सा बन गए हैं। तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में उन्होंने 100 बार अपने देश का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें उन्होंने 1,903 रन बनाए और 58 विकेट हासिल किए।

लिविंगस्टोन को नियुक्त करने के फैसले का लंदन स्पिरिट के मैनेजमेंट ने समर्थन किया, जो उन्हें फ्रेंचाइजी के लंबे समय के लक्ष्यों के लिए एक अहम खिलाड़ी मानते हैं। हेड कोच एंडी फ्लावर ने कहा, 'लियाम के साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है, चाहे मैदान पर हो या मैदान के बाहर। मैं उन्हें तब से जानता हूं, जब हम दोनों 'इंग्लैंड लायंस' के साथ थे।

'लंदन स्पिरिट' के लिए उन्हें साइन करना हमारे शुरुआती कामों में से एक था, क्योंकि हम जानते थे कि इस गर्मी में लॉर्ड्स में हम जो कुछ भी कर रहे हैं, उसमें उनकी भूमिका कितनी अहम होगी। बेहतर करने और सफल होने का लियाम का जज्बा, 'लंदन स्पिरिट' में हम जो कुछ भी बनाना चाहते हैं, उसके लिए बहुत जरूरी है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह टीम को आगे बढ़कर लीड करेंगे।'

नए कप्तान के ऐलान के साथ ही, 'लंदन स्पिरिट' ने आगामी सीजन के लिए अपनी पूरी कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की भी घोषणा की।

पुरुष टीम के हेड कोच फ्लावर होंगे, जबकि भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक बैटिंग कोच और मेंटर की भूमिका में होंगे।

मार्को सिल्वा बने बेनफिका क्लब के हेड कोच, जोस मोरिन्हो की लेंगे जगह

लिस्बन । इंग्लैंड के फुलहम के पूर्व मैनेजर मार्को सिल्वा को पुर्तगाल के फुटबॉल क्लब स्पोर्ट लिस्बोआ ए बेनफिका का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। वह जोस मोरिन्हो की जगह लेंगे, जिन्होंने रियल मैड्रिड जाने का फैसला किया है।

48 साल के सिल्वा ने हाल ही में फुलहम के साथ अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किया था, जब उनका अनुबंध क्रेवन कॉटेज में खत्म हो गया। बेनफिका ने आधिकारिक बयान में बताया कि मार्को सिल्वा के साथ दो साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया है, जिसे 2028/29 सीजन तक बढ़ाया भी जा सकता है। क्लब को उम्मीद है कि सिल्वा के अनुभव से टीम को नई मजबूती मिलेगी।

इसी बीच, फुटबॉल की दुनिया में एक और बड़ी खबर सामने आई है। बेनफिका ने पुष्टि की है कि उनके पूर्व कोच जोस मोरिन्हो क्लब छोड़कर एक बार फिर रियल मैड्रिड से जुड़ने जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रियल मैड्रिड ने मोरिन्हो को वापस लाने के लिए लगभग 15 मिलियन यूरो का भुगतान करने पर सहमति जताई है।

63 साल के मोरिन्हो ने हाल ही में बेनफिका की जिम्मेदारी संभाली थी और इस सीजन में टीम को प्राइमेरा लीगा में तीसरे स्थान तक पहुंचाया था। खास बात यह रही कि उनकी टीम पूरे लीग सीजन में एक भी मैच नहीं हारी। यह मोरिन्हो की रियल मैड्रिड में दूसरी बार वापसी होगी। इससे पहले वह 2010 से 2013 तक क्लब के कोच रह चुके हैं। उस दौरान उन्होंने टीम को एक ला लीगा खिताब, एक कोपा डेल रे और एक स्पेनिश सुपर कप जिताया था। रियल मैड्रिड के अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज लंबे समय से मोरिन्हो को वापस लाने के इच्छुक थे। उनके चुनाव अभियान के दौरान भी उन्होंने यह वादा किया था कि वह मोरिन्हो को फिर से टीम का हिस्सा बनाएंगे। इसके साथ ही क्लब ने अल्वारो अर्बेलोआ के जाने की भी पुष्टि की है।

अर्बेलोआ ने हाल ही में फर्स्ट-टीम कोच के रूप में अपनी जिम्मेदारी पूरी की।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415